@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 24 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 16 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)



स्व-गणना के बाद
'P' से शुरू होने वाली 11 अंकों की
SE ID (P1234567XXXX)
संभालकर रखें, प्रगणक को बताएं

स्व-गणना पूरी करते ही आपको मिलेगी SE ID
हमारी जनगणना, हमारा विकास
केवल गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लिए
se.census.gov.in | 1800 180 1855 | 1855 | CensusIndia2027

जनगणना से जुड़ी जानकारी के लिए स्कैन करें

गृह मंत्रालय भारत सरकार
सत्यमेव जयते

CBC 19108/13/0183/2627

भारत-नेपाल रिश्तों में नई मजबूती

हवाई, रेलवे, पेट्रोलियम पाइपलाइन और हाइड्रोपावर पर लिए कई बड़े फैसले

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह ने सोमवार को दोनों देशों के बीच व्यापार, कनेक्टिविटी और ऊर्जा सहयोग को नई गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों देशों ने हवाई संपर्क, रेलवे नेटवर्क, पेट्रोलियम अवसंरचना और जलविद्युत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। दोनों नेताओं ने नागर विमानन क्षेत्र में चल रही वार्ताओं की समीक्षा की और संपर्क बढ़ाने पर सहमति जताई। इसके तहत वर्तमान काठमांडू-भैरहवा-लखनऊ (बी345) हवाई मार्ग, जो अभी एकतरफा है, उसे दोतरफा बनाया जाएगा। इसके लिए दोनों पक्ष तकनीकी स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के ट्रांजिट व्यापार के लिए एक नई सुविधा की घोषणा करते हुए कहा कि नेपाल को दीनदयाल पोर्ट (कांडला, गुजरात) के माध्यम से अतिरिक्त समुद्री पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होने के बाद पारादीप बंदरगाह (ओडिशा) का उपयोग भी नेपाल के लिए खोला जाएगा। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों देशों ने सीमा पार संपर्क और बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के महत्व पर बल दिया। इसके तहत नई रेलवे



लाइनों, पुलों, इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) और पेट्रोलियम पाइपलाइन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। दोनों प्रधानमंत्रियों ने सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाई, जो अयोध्या और जनकपुर को जोड़ती है। माना जा रहा है कि यह रेल सेवा न केवल आवागमन को आसान बनाएगी बल्कि रामायण सर्किट के तहत धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगी तथा भारत-नेपाल के ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करेगी। रेल संपर्क के क्षेत्र में दोनों पक्षों ने प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू विद्युतीकृत ब्रॉडगेज रेलवे लाइन के लिए फील्ड लोकेशन सर्वे पूरा होने की घोषणा की। साथ ही नेपाल की ईस्ट-वेस्ट रेलवे परियोजना के विकास में सहयोग करने पर भी सहमति बनी।

'मुश्किल समय में हमेशा साथ खड़ा रहा', नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने भारत को बताया भरोसेमंद पड़ोसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस बयान में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने भारत सरकार और भारतीय जनता का आभार जताया। उन्होंने भारत को एक 'भरोसेमंद और विश्वसनीय पड़ोसी' बताया और भारत यात्रा के निमंत्रण और गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए प्रधानमंत्री मोदी का दिल से धन्यवाद भी किया। नेपाल के प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और कठिन समय में भारत हमेशा सबसे पहले मदद के लिए आगे आया है। आपसी सम्मान, भरोसा और सद्भावना भारत-नेपाल संबंधों की मजबूत नींव हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच का रिश्ता इस संबंध का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा, 'आपसी सम्मान, अटूट विश्वास और सद्भावना भारत-नेपाल संबंधों की बुनियाद हैं।

'विदेशों में भारत को बदनाम करने का ठेका ले रखा है'

रविशंकर प्रसाद का राहुल गांधी पर तंज



एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विदेशी दौरे के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने विदेशी धरती पर जाकर भारत को बदनाम करने का ठेका लिया है। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने लोवी इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश यात्रा पर हैं और देश के बारे में भारी अज्ञानता दिखा रहे हैं। वे भारत को सबसे खराब रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, आज मैं सभी का ध्यान ऑस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक 'लोवी इंस्टीट्यूट' की एक बहुत ही महत्वपूर्ण और ताजा रिपोर्ट की ओर दिलाना चाहता हूं। ऑस्ट्रेलिया स्थित 'लोवी इंस्टीट्यूट' एक स्वतंत्र संस्था है, जिसकी स्थापना 2003 में फ्रैंक लोवी ने की थी। यह संस्था वैश्विक रणनीतिक और आर्थिक रुझानों का अध्ययन करती है। इसकी हालिया रिपोर्ट 'एशिया पावर इंडेक्स 2026' है। इस संस्थान ने 131 संकेतकों के आधार पर एशिया के 27 देशों का अध्ययन किया है।

सार संक्षेप

मोदी ने नेपाल के पीएम को भेंट किया बनारसी रेशमी शॉल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को विशेष विदाई उपहार भेंट किया। दो दिवसीय राजकीय भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे प्रधानमंत्री शाह को मोदी ने वाराणसी की प्रसिद्ध बनारसी ब्रोकेड रेशमी शॉल उपहार स्वरूप दी। इस शॉल को पारंपरिक गुजरात में निर्मित संदूक वाले बॉक्स में सजाकर प्रधानमंत्री शाह को भेंट किया गया।

मप्र के उज्जैन में क्लीन एंड ग्रीन सिंहस्थ की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन में 2028 में क्लीन एंड ग्रीन थीम पर आयोजित होने वाले सिंहस्थ (महाकुंभ) की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को मंत्रालय में सिंहस्थ 2028 की सभी व्यवस्थाओं की मंजूरी और निगरानी के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति की सप्तम बैठक हुई, जिसमें पर्यवेक्षण समिति द्वारा अनुशंसित किए गए 2801.75 करोड़ रुपये की लागत के 33 प्रस्तावित कार्यों पर मंजूरी दे दी। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े धार्मिक मेले सिंहस्थ-2028 के प्रबंधन में कोई कमी न रहे। समय रहते सभी प्रकार की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए।

उत्तर रेलवे और एमसीडी का संयुक्त अभियान

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने संयुक्त अभियान चलाकर दया बस्ती रेलवे स्टेशन और यार्ड की रेलवे लाइनों के किनारे जमा करीब 70 टन कचरा हटाया। यह अभियान 22 नवंबर की रात चलाया गया। उत्तर रेलवे के अनुसार, रेलवे पटरियों के आसपास जमा कचरे के कारण गंदगी फैलने के साथ जलभराव की समस्या भी उत्पन्न होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे और एमसीडी की संयुक्त टीमों ने रात्रिकालीन विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान मशीनों और सफाई कर्मचारियों की मदद से रेलवे ट्रैक के किनारे जमा कचरे को हटाया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य रेलवे ट्रैक और स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखना है।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का ट्रायल रन मई 2027 में सूरत-बिलिमोरा सेक्शन पर होगा

पूरे कॉरिडोर में 2×25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है



एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना एक महत्वपूर्ण पड़ाव के करीब पहुंच गई है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के सूरत-बिलिमोरा सेक्शन पर मई 2027 से ट्रायल रन शुरू होने की उम्मीद है। रेल मंत्री के अनुसार, 50 किलोमीटर लंबा सूरत-बिलिमोरा सेक्शन देश के पहले हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला हिस्सा होगा, जिस पर बुलेट ट्रेन का परीक्षण किया जाएगा। यह परियोजना भारत की हाई-स्पीड रेल यात्रा की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस सेक्शन पर सिग्नलिंग का कार्य अगले वर्ष जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद है, जबकि विद्युतीकरण का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। 20 नवंबर को इस सेक्शन की अप और डाउन दोनों एलिवेटेड लाइनों पर ओवरहेड उपकरणों को सफलतापूर्वक चार्ज भी किया गया। वैष्णव ने कहा कि पूरे कॉरिडोर में 2×25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है और बिलिमोरा ट्रैक्शन सब-स्टेशन पर स्थापना कार्य भी पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। अहमदाबाद-वापी सेक्शन को 2027 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि सेवाओं को 2029 तक ठाणे तक विस्तार देने की योजना है।

शुरुआती ट्रायल बी-28 ट्रेनसेट के साथ किए जाएंगे, जिसे 280 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति से चलने के लिए डिजाइन किया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि 240 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक गति वाली रेल सेवाएं हाई-स्पीड रेल श्रेणी में आती हैं और इनके लिए विशेष इंजीनियरिंग तथा निर्माण मानकों की आवश्यकता होती है।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'पश्चिम बंग' करने को मंजूरी

9 दिसंबर को विधानसभा में पेश होगा प्रस्ताव

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की कोशिश सबसे पहले 1999 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय ज्योति बसु के नेतृत्व वाली वाम मोर्चे (लेफ्ट फ्रंट) की सरकार ने शुरू की थी।



एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने सोमवार को राज्य का नाम 'पश्चिम बंगाल' से बदलकर 'पश्चिम बंग' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मीडिया को बताया, 'इस संबंध में एक प्रस्ताव को आज एक बैठक में मंजूरी दी गई है। इसी प्रस्ताव को 9 दिसंबर को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान पश्चिम बंगाल विधानसभा में पेश किया जाएगा।' उन्होंने यह भी कहा कि राज्य विधानसभा से मंजूरी मिलने के बाद, इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 से 14 दिसंबर तक चलेगा। संबंधित अधिकारियों के अनुसार, प्रशासनिक कारणों से राज्य का नाम बदलने का विचार काफी समय से चल रहा है। इसके पीछे कुछ महत्वपूर्ण कारण हैं। केंद्र सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों की बैठकों में, राज्यों के प्रतिनिधियों को अंग्रेजी वर्णमाला (अल्फाबेटिकल ऑर्डर) के क्रम में बोलने का मौका दिया जाता है। इस वजह से, ऐसी सभी बैठकों में पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों को हमेशा सबसे अंत में बोलने का अवसर मिलता था। पिछले महीने, पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने दावा किया था कि राज्य सरकार जल्द ही एक विधेयक पेश करेगी, जिसके तहत 'पश्चिम बंगाल' का नाम बदलकर सभी भाषाओं में 'पश्चिम बंग' कर दिया जाएगा।

अयोध्या और मिथिला की संस्कृतियों का पावन एवं पौराणिक मिलन आज सरयू-कमला एक्सप्रेस के रूप में पुनर्जीवित हो रहा: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। भारत और नेपाल के सांस्कृतिक और मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा नेपाल के प्रधानमंत्री श्री बालेन्द्र शाह जी द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अयोध्या धाम और जनकपुर धाम के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल का फ्लैग-ऑफ किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी इस कार्यक्रम में अयोध्या से सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री जी ने अयोध्या धाम और जनकपुर धाम के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा के शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अयोध्या और मिथिला की संस्कृतियों का पावन और माँ कमला के पवित्र जल से अभिसिंचित माता जानकी की भूमि



एवं पौराणिक मिलन आज सरयू-कमला एक्सप्रेस के रूप में पुनर्जीवित हो रहा है। माँ सरयू की पावन धारा से सिंचित अयोध्या धाम जनकपुर को जो ?ने वाली यह ट्रेन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विरासत और विकास के अद्भुत संगम का उदाहरण है। इस रेल सेवा के प्रारम्भ होने से नेपाल के श्रद्धालु सीधे अयोध्या आकर श्रीरामलला के दर्शन कर सकेंगे तथा भारत के श्रद्धालु जनकपुर धाम में माता जानकी के दर्शन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री जी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत और नेपाल के सभी नागरिकों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री जी का सन्तों, श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों की ओर से हृदय से अभिनन्दन किया। उन्होंने इस अवसर पर नेपाल के प्रधानमंत्री श्री बालेन्द्र शाह जी का अयोध्यावासियों एवं उत्तर प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत और नेपाल के सम्बन्ध पौराणिक काल से हजारों वर्षों पुराने हैं। यह रिश्ता हमें आस्था, आत्मीयता, साझा नदियों और साझा परिवारों के माध्यम से जो ?ता है। आम जनमानस की भाषा में इसे रोटी-बेटी का रिश्ता कहा जाता है। महर्षि विश्वामित्र के साथ भगवान श्रीराम और लक्ष्मण का मिथिला जाना तथा उसके उपरान्त महाराजा दशरथ द्वारा बारात लेकर अयोध्या से जनकपुर पहुँचना, भारत और नेपाल के मिथिला क्षेत्र में आज भी विवाह पंचमी एवं अन्य पारम्परिक आयोजनों के रूप में जीवन्त उत्सव की तरह मनाया जाता है। अयोध्या के लोग आज भी जनकपुर को अपनी ससुराल कहते हैं और मिथिला के लोग श्रीराम को 'पाहुन' कहकर सम्मान देते हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

राजनाथ शोकाकुल परिवारों से मिले, दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि



एजेंसी

लखनऊ। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र में कई शोकाकुल परिवारों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, राम चंद्र प्रधान, विशेष कार्यकारी अधिकारी केपी सिंह, सांसद प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी एवं जनसंपर्क अधिकारी राघवेंद्र शुक्ला, मीडिया प्रभारी अनुराग साहू उनके साथ उपस्थित थे। राजनाथ अलीगंज स्थित स्व. राजकुमार सिंघल के आवास पहुंचकर परिवारजनों से मिले और उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके पश्चात उन्होंने पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री श्याम लाल वाल्मीक के विगत दिनों हुए निधन के उपरांत उनके आवास पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। रिसालदार पार्क स्थित पूर्व पार्षद स्व. राजेंद्र शुक्ला के आवास पर पहुंचकर परिजनों से भेंट की और उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद ऐशबाग स्थित सुदर्शनपुरी में पूर्व पार्षद रंजीत धानुक के परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं प्रकट कीं। इसी क्रम में हरदोई रोड स्थित देव लोक लॉन पहुंचकर देवेश रस्तोगी से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की।

लाल किला विस्फोट मामले में आरोपी को नहीं मिली राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को लाल किला विस्फोट मामले के आरोपी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने 'डिफॉल्ट जमानत' की मांग की थी। उसने यह मांग इस आधार पर की थी कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत के 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल करने में विफल रही। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति चंद्रशेखर की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें वानी की 'डिफॉल्ट जमानत' की मांग को खारिज कर दिया गया था।



पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 'गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम' (यूएपीए) के तहत जांच की अवधि बढ़ाने से जुड़े कानून को, 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' (बीएनएसएस) की धारा 187 के साथ मिलाकर, बिल्कुल सही तरीके से लागू किया है। वानी का तर्क था कि 90 दिनों की हिरासत के बाद वह डिफॉल्ट जमानत पाने का हकदार है।

फटकार 'ये कुछ अधिक ही मुखर होने लगे हैं': सीजेआई ने जजों को लगाई फटकार, कहा-

इन्हें केवल भत्ते और फायदे की चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को न्यायिक अधिकारियों के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों में अनुशासन की कमी दिखाई दे रही है और वे लगातार अपनी सुविधाओं, वेतन-भत्तों और सेवा से जुड़े लाभों की मांग उठाते रहते हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि न्यायपालिका में अनुशासन बनाए रखना बेहद जरूरी है। इस पीठ में सीजेआई सूर्यकांत के अलावा जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना शामिल थे। पीठ ने सुनवाई के दौरान न्यायिक अधिकारियों की ओर से बार-बार अपनी सेवा शर्तों को लेकर आवेदन दाखिल करने पर भी सवाल उठाए।



केरल में जिला जजों की भर्ती से जुड़ा है मामला

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केरल में जिला जजों की सीधी भर्ती से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान आई। यह भर्ती वकीलों के लिए आरक्षित सीधे भर्ती वाले कोटे के तहत की जा रही है। विवाद इस बात को लेकर है कि क्या ऐसे न्यायिक अधिकारी, जो पहले वकालत कर चुके हैं, अपने वकालत के अनुभव के आधार पर इस कोटे के तहत जिला जज बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

'हर वक्त सुविधाओं के बारे में ही सोच रहे हैं'

सीजेआई सूर्यकांत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि न्यायिक अधिकारी अब अपनी मांगों को लेकर कुछ ज्यादा ही मुखर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें हर समय यही चिंता रहती है कि उन्हें कौन-सी सुविधाएं मिल रही हैं, कौन-से सेवा लाभ दिए जा रहे हैं, उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाई जा रही है या नहीं और उन्हें दूसरी सुविधाएं मिलेंगी या नहीं।' मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि अदालतों के कामकाज और न्यायिक अधिकारियों की दिनभर की गतिविधियों से न्यायपालिका अनजान नहीं है। ऐसा नहीं है कि न्यायाधीश अपने चैंबर में बैठकर सिर्फ कॉफी पी रहे हैं और काम नहीं कर रहे हैं। अदालतों में कितना काम हो रहा है, इसकी पूरी जानकारी है। इसके बावजूद बार-बार सुविधाओं को लेकर आवेदन दाखिल करना अनुशासनहीनता को दर्शाता है।

दिल्ली : पुरानी दुश्मनी में युवक को बंधक बनाकर धारदार हथियार से गोदा, दो गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जाफराबाद इलाके में पुरानी दुश्मनी के चलते एक युवक को बंधक बनाने एवं धारदार हथियार से गोद कर जख्मी करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राहुल अलवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ब्रह्मपुरी निवासी मोहम्मद अब्बास उर्फ छम्मिया (26) और समीर (23) के रूप में हुई है। मामले में तीसरा आरोपी अब भी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि 19 नवंबर को जाफराबाद थाने को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल से चाकू के हमले में जख्मी हुए एक युवक को लाये जाने की सूचना मिली। उनके मुताबिक, घायल असलम (22) ने बताया कि देर रात चौहान बांगर इलाके में उसे तीन आरोपियों ने घेर लिया, जिन्हें वह पहले से जनता था। पुलिस ने बताया कि अब्बास ने पुरानी रंजिश को लेकर उसे धमकी दी और आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता ने करीब डेढ़ साल पहले उस पर ब्लेड से हमला किया था। अधिकारी ने बताया कि जब शिकायतकर्ता ने भागने की कोशिश की, तो तीनों आरोपियों ने उसे काबू कर लिया और अब्बास ने उसकी गर्दन पर चाकू रख दिया, जबकि बाकी दो ने उसे जबरदस्ती अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाया और उसका अपहरण करके पास के ब्रह्मपुरी की गली नंबर 21 में ले गए। पुलिस ने बताया कि वहां आरोपियों ने उसकी गर्दन, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से हमला किया और वहां से भाग गए। इसके बाद पीड़ित किसी तरह अस्पताल पहुंचा। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने 20 नवंबर को अब्बास और 22 नवंबर को समीर को गिरफ्तार किया। दोनों का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पेपर कटर भी बरामद किया है।

दिल्ली में गांधी नगर स्थित कपड़ों की दुकान में लगी आग को सवा घंटे की मशक्कत के बाद बुझाया गया



नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के गांधी नगर इलाके में सोमवार सुबह रेडीमेड कपड़ों की एक दुकान में आग लग गई, जिसे दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद बुझा दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, गांधी नगर की नेहरू गली स्थित एक फैक्टरी में आग लगने की सूचना सुबह करीब आठ बजकर 56 मिनट पर मिली, मगर मौके पर जाकर पता चला कि आग एक इमारत की भूतल पर स्थित रेडीमेड कपड़ों की दुकान में लगी थी। अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में दमकल की आठ गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। बाद में सुबह नौ बजकर 15 मिनट पर चार और गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि 35 गज क्षेत्र में बनी इस इमारत में भूतल और तीन ऊपरी तीन मंजिलें हैं। अधिकारी ने बताया कि दमकल की गाड़ियों ने 10-10 तक आग पर काबू पा लिया और 10-20 पर आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

गिग वर्कर्स के कल्याण को लेकर काम कर रही सरकार



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मंडपम में फ्लिपकार्ट फाउंडेशन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन 'संपर्क 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्री कपिल मिश्रा शामिल हुए। यहां गिग वर्कर्स के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास, रोजगार के नए अवसरों और सामाजिक क्षेत्र में संस्थागत सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर उन्होंने चर्चा की। इस अवसर पर कपिल मिश्रा ने कहा कि गिग इकोनॉमी आज देश के रोजगार परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। डिलीवरी पार्टनर्स, वेयरहाउस कर्मचारियों और अन्य ग्राउंड लेवल वर्कर्स के योगदान से यह पूरा क्षेत्र संचालित होता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इन कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार, कंपनियां और सामाजिक संस्थाएं मिलकर काम करें। दिल्ली सरकार गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में इस विषय पर नियोक्ताओं और कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी की गई हैं।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का फर्जी बयान प्रसारित करने का आरोप, पुलिस को दी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नाम से एआई और डीपफेक तकनीक से कथित फर्जी बयान प्रसारित करने के मामले में दिल्ली भाजपा ने पुलिस में शिकायत दी है। प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मध्य जिला पुलिस उपायुक्त को शिकायत सौंपकर एफआईआर दर्ज करने और समयबद्ध जांच की मांग की। भाजपा का आरोप है कि 22 नवंबर को चंडीगढ़ में नितिन नवीन के सार्वजनिक संबोधन की वास्तविक वीडियो रिकॉर्डिंग से छेड़छाड़ कर फर्जी वीडियो तैयार किया गया। इसमें भारत-चीन संबंधों, पाकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और लड़ाकू विमान तेजस एमके-1 जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उनके नाम से फर्जी बयान प्रसारित किए गए। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन तकनीक का दुरुपयोग कर फर्जी भाषण तैयार करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने वीडियो का साइबर फॉरेंसिक परीक्षण कराने, सोशल मीडिया अकाउंट की पहचान करने, डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने और फर्जी सामग्री हटाने की मांग की है।

दिल्ली की सीएम ने अशोक सिंघल और मांगेराम गर्ग को दी श्रद्धांजलि; समाज में उनके योगदान को किया याद

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत अध्यक्ष अशोक सिंघल और भाजपा नेता व दिल्ली विधानसभा के दिवंगत सदस्य मांगे राम गर्ग को उनकी क्रमशः 100वीं और 90वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।
सीएम गुप्तार ने समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और देश भर में तीर्थ स्थलों के विकास में उनके योगदान को याद किया। 'दो महापुरुष - एक संकल्प' नाम की श्रद्धांजलि सीरीज सोमवार को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुई।
सीएम रेखा गुप्तान ने कन्वेंशन सेंटर में उनकी याद में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने अपना जीवन जनता की भलाई के लिए समर्पित कर दिया और समाज के अलग-अलग वर्गों को एक साथ लाने की दिशा में काम किया।
उन्होंने कहा, 'मैं आप सभी का दिल से शुक्रिया अदा करती हूं क्योंकि हम यहां अशोक सिंघल और मांगे राम गर्ग जैसी शख्सियतों को याद करने के लिए इकट्ठा हुए हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी को समाज सेवा और देश के फिर से बनाने के लिए एक मिसाल बनाया। उन्होंने लगातार समाज को जोड़ने का काम किया और इस रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करके खुद को रोल मॉडल के तौर पर स्थापित किया।'
मांगे राम गर्ग को प्यार से 'बाउजी' के नाम से जाना जाता था। मुख्यमंत्री ने उनके साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें उनके जवानी के दिनों में जो सलाह दी थी, वह रोजमर्रा की जिंदगी में उनका मार्गदर्शन करती रही।
उन्होंने कहा, 'मुझे वह सब याद है जो उन्होंने मुझे मेरे जवानी के दिनों में बताया था। यह सब आज भी हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत काम आता है।'
सीएम ने अशोक सिंघल के बारे में बात करते हुए भाजपा के स्टेट प्रेसिडेंट के तौर पर उनकी ऑर्गेनाइजेशनल जिम्मेदारियों से परे उनके योगदान पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि सिंघल ने एक पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव, सोशल लीडर और रिफॉर्मर के तौर पर काम किया, जिसमें खास तौर पर पिछड़े समुदायों की महिलाओं की मदद करने और जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा देने पर ध्यान दिया गया।
सुगुन गुप्ता ने तीर्थ स्थलों के विकास पर ध्यान खींचने के सिंघल के प्रयासों को भी याद किया, और कहा कि उनका मानना था कि जब शहर और देश के दूसरे हिस्से तरक्की कर रहे हों, तो धार्मिक जगहों को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब हमारे भक्त किसी तीर्थ स्थल पर जाते हैं, तो हम पूरे देश और शहरों में विकास होते हुए देखते हैं, लेकिन ये तीर्थ स्थल अक्सर पीछे छूट जाते हैं। मुझे नहीं पता क्यों। हालांकि, उन्होंने सबसे पहले इस मुद्दे पर ध्यान खींचा और इस बात पर जोर दिया कि तीर्थ स्थलों का विकास विकास का सबसे बड़ा रूप है।'
उन्होंने कहा कि सिंघल ने देश भर के तीर्थ स्थलों को जोड़ने और उनके विकास को बेहतर बनाने के लिए कई पहल की थीं। अपनी अलग-अलग सार्वजनिक पहलों को याद करते हुए, सीएम गुप्ता ने 'शिवांजलि' प्रोग्राम का जिक्र किया, जिसे उन्होंने लोगों को एक साथ लाने के लिए आयोजित किया था।
उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोग्राम समाज की सेवा करने और धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उनके कमिटमेंट को दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने मेडिकल रिसर्च के लिए अपना शरीर दान करने के सिंघल के फैसले को भी उनकी सेवा के सबसे यादगार कामों में से एक बताया, जो उनके जीवनकाल के बाद भी समाज के प्रति उनके कमिटमेंट को दिखाता है।



उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं का जीवन और योगदान जनता की भलाई और देश के विकास के बड़े लक्ष्य के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

विद्यापति स्मृति पर्व 2026: सीएम रेखा गुप्ता ने मैथिल समुदाय के साथ मनाया मिथिला और दिल्ली के अटूट सांस्कृतिक रिश्तों का उत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विद्यापति स्मृति पर्व 2026' में शामिल होकर मैथिल समुदाय के साथ मिथिला और दिल्ली के बीच के गहरे व आत्मीय सांस्कृतिक संबंधों का उत्सव मनाया। इस अवसर पर उन्होंने महाकवि विद्यापति जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और इस भव्य आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की।
दिल्ली की पहचान बनीं मिथिला की अनमोल परंपराएं
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकवि विद्यापति जी की अमर विरासत से प्रेरित होकर मैथिल परिवारों की पीढ़ियों ने मधुबनी कला, पारंपरिक



'पाग', लोक आस्था के महापर्व छठ और समृद्ध मैथिली साहित्य के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक जड़ों को जीवंत रखा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये अनमोल परंपराएं आज दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान का एक अभिन्न हिस्सा बन गई हैं।

राजधानी के विकास में मैथिल समुदाय का अहम योगदान

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के निर्माण और विकास में मैथिल समाज की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ-साथ इस समुदाय की कड़ी मेहनत और समर्पण ने दिल्ली को हर क्षेत्र में समृद्ध किया है।

गणमान्य व्यक्तियों की रही उपस्थिति

इस सांस्कृतिक समारोह में विधायक अभय वर्मा, दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा, मैथिली-भोजपुरी अकादमी के उपाध्यक्ष बिपिन बिहारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और मैथिल समाज के लोग उपस्थित रहे।

यमुना 60 प्रतिशत साफ, 2030 तक पूरी नदी साफ हो जाएगी : मंत्री सिरसा



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि यमुना का 60 प्रतिशत हिस्सा अब इतना साफ हो गया है कि उसका पानी पीने लायक है और 2029 या 2030 तक पूरी यमुना को साफ कर दिया जाएगा। सिरसा यहां उबर की 'वन लेस कार' रिपोर्ट के जारी होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यमुना की सफाई का श्रेय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पिछले दो वर्षों में केंद्र सरकार से मिले सहयोग को दिया। मंत्री ने कहा कि नदी की सफाई का काम एक छोर से शुरू किया गया है और इसे धीरे-धीरे दूसरे छोर तक ले जाया जाएगा। यही कारण है कि अभी पूरी नदी के बजाय 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई हो सकी है। सिरसा ने कहा, ''यमुना का 60 प्रतिशत हिस्सा पूरी तरह साफ हो चुका है। साफ होने का मतलब इतना स्वच्छ है कि आप उसका पानी भी पी सकते हैं।' उन्होंने लोगों से यमुना के किनारे जाकर सफाई की स्थिति स्वयं देखने की अपील भी की। दिल्ली में सीवेज की समस्या का उल्लेख करते हुए सिरसा ने कहा कि शहर का गंदा पानी नालों के जरिए यमुना में पहुंचता है। जब तक इस गंदे जल का उचित शोधन नहीं किया जाएगा, तब तक नदी को पूरी तरह साफ करना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि सरकार इस समस्या से निपटने के लिए सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) का इस्तेमाल कर रही है, ताकि गंदे पानी को उपचारित करने के बाद ही नदी में छोड़ा जाए।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन

नई दिल्ली, एजेंसी।
पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से रविवार को भव्य नगर कीर्तन सजाया गया। नगर कीर्तन की शुरुआत गुरुद्वारा सीस गंज साहिब से हुई और इसका समापन गुरुद्वारा नानक पियाऊ साहिब में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में संगतों ने भाग लेकर गुरु साहिब के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।
नगर कीर्तन के आरंभ में अरदास की गई। इसके बाद कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को पालकी में सुशोभित किया। नगर कीर्तन फतेहपुरी, खारी बावली, नया बाजार, पुल बंगश, बर्फखाना चौक, रोशनारा रोड, सब्जी मंडी, राणा प्रताप बाग सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए गुरुद्वारा नानक पियाऊ साहिब पहुंचा।
मार्ग में जगह-जगह संगतों ने नगर कीर्तन का स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर लंगर लगाए गए और पुष्प वर्षा की गई। गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूलों के विद्यार्थियों के जत्थों के साथ निहंग सिंहों की विभिन्न जत्थेबंदियों ने भी भाग लिया। इस दौरान निहंग सिंहों ने गतका कला के हैरतअंगेज करतब दिखाए। संगतों की भारी भागीदारी के कारण नगर कीर्तन निर्धारित समय से विलंब से अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचा।
इस अवसर पर सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने सांसारिक अंधकार में घिरी मानवता को सत्य और समानता का मार्ग दिखाया। उन्होंने कर्मकांडों और आडंबरों का विरोध करते हुए पूरी दुनिया को एक



परमात्मा और समस्त सृष्टि की एक ही ज्योति का संदेश दिया।
उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने अत्याचारी शासक बाबर की नीतियों की निंदा की और महिलाओं के सम्मान तथा समानता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाओं ने समाज को यह समझाया कि स्त्री को कभी कमतर नहीं आंका जा सकता। आज भी गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं पूरी मानवता का मार्गदर्शन कर रही हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, भाईचारे और समानता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

महापौर ने गुरु पर्व के नगर कीर्तन मार्ग का किया निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले नगर कीर्तन की तैयारियों के लिए दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही और निगमायुक्त संजीव खिरवार ने सोमवार को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से फतेहपुरी चौक तक नगर कीर्तन मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुरानी दिल्ली क्षेत्र की उपायुक्त कनिका सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। महापौर एवं निगमायुक्त ने पूरे मार्ग पर सफाई व्यवस्था, कचरा उठाने और स्वच्छता से जुड़े कार्यों की स्थिति देखी। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर कीर्तन मार्ग पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और जहां भी कोई कमी नजर आए, उसे तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय रहते तैयारियां पूरी करने को कहा। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि गुरु पर्व आस्था और श्रद्धा के साथ-साथ दिल्ली की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। नगर कीर्तन के इस मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं, इसलिए यहां स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छता के आह्वान और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नगर निगम राजधानी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई है। हालांकि, कुछ छोटी-मोटी कमियां सामने आई हैं, जिन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि निगम अधिकारी पूरी तत्परता से काम करेंगे और नगर कीर्तन स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न होगा। निरीक्षण के बाद महापौर प्रवेश वाही और निगमायुक्त संजीव खिरवार ने गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया।

एसआईआर में 75 जीवित मतदाताओं को मृत दिखाकर नाम कटवाए : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने सोमवार को भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दावा किया कि मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र के नेहरू विहार वार्ड में भाजपा के बूथ लेवल एजेंट ने 75 जीवित मतदाताओं को मृत दर्शाकर उनके नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 भरवाए। राजीव भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में यादव ने दावा किया कि कांग्रेस के बीएलए-1 की जांच में मामला सामने आया। इनमें 65 मतदाताओं के जीवित होने की पुष्टि हुई। कांग्रेस ने 16 लोगों को प्रभावित बताते हुए पहचान पत्रों के साथ उन्हें मीडिया के सामने पेश किया। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्षी विचारधारा और कमजोर वर्गों के मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि समय रहते जांच नहीं होती तो मतदाताओं के नाम सूची से कट सकते थे। कांग्रेस ने चुनाव आयोग और अदालत में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने सभी मामलों की निष्पक्ष जांच, प्रभावितों को सुनवाई का अवसर और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दिल्ली भाजपा 26 नवम्बर को संविधान गौरव दिवस समारोह करेगी आयोजित, अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, एजेंसी।
नई दिल्ली, 23 नवंबर (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली ईकाई 26 नवबंर को सिविक सेंटर में संविधान गौरव दिवस समारोह का आयोजन करने जा रही है। इस समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रुप में शामिल होंगे।
दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस समारोह का आयोजन संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने और संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।
हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि समारोह में दिल्ली के बुद्धिजीवी वर्ग को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के सभी सांसदों एवं आमंत्रित बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करेंगी।
दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भी कांग्रेस सरकारों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान में संशोधन किए। मल्होत्रा ने कहा कि आज कांग्रेस नेता संविधान की छोटी प्रति जेब में रखकर बात-बात पर संविधान की शपथ लेते हैं, इन लोगों ने संविधान की मूल भावना की हत्या कर दी। 1975 में इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता रहते प्रेस पर सेंसरशिप लगाई और लाखों लोगों को जेल में बंद कर दिया।
उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ही तरह आम आदमी पार्टी भी अराजक पार्टी है, जिसके मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने न सिर्फ राजपथ (कर्तव्य पथ) पर धरना दिया, बल्कि शराब घोटाले में गिरफ्तार होने के बाद भी बहुत दिनों तक इस्तीफा देने से इनकार किया।
हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि दिल्ली भाजपा संविधान गौरव अभियान के तहत दिल्ली एवं देशवासियों को संविधान के प्रति जागरूक कर रही है और इस अभियान का उद्देश्य है कि डॉ. अम्बेडकर के सपनों के भारत का निर्माण करें - जहां सामाजिक समरसता हो, समानता हो और हर नागरिक को न्याय मिले।
मल्होत्रा ने कहा कि संविधान केवल एक पुस्तक नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों की आस्था और आकांक्षाओं का दस्तावेज़ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने संविधान के आदर्शों को व्यवहार में उतारा है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक का अंत और समान नागरिक संहिता की दिशा में कदम ये सभी संविधान की मूल भावना को सशक्त करने वाले निर्णय हैं।
दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि



26 नवम्बर के समारोह में दिल्ली के प्रबुद्ध नागरिकों की भागीदारी विशेष महत्व रखती है। सी.ए., अधिवक्ता, डॉक्टर, प्रोफेसर, शिक्षक और छात्र मिलकर यह संदेश देंगे कि संविधान हमारे जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने संबोधन में दिल्ली सरकार द्वारा संविधान के अनुरूप किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों को भी साझा करेंगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में आकर इस ऐतिहासिक संविधान गौरव समारोह का हिस्सा बनें और संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करें।

अयोध्या और मिथिला की संस्कृतियों का पावन एवं पौराणिक मिलन आज सरयू-कमला एक्सप्रेस .....

प्रथम पृष्ठ का शेष

विवाह पंचमी पर जनकपुर के राम-जानकी विवाह मण्डप में उत्सव होता है, तो अयोध्या में भी मंगल गीत गूँजते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पिछले वर्ष विवाह पंचमी के दिन ही श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के शिखर पर धर्मध्वजा की स्थापना हुई थी। श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन के 500 वर्षों के लम्बे संघर्ष के दौरान नेपाल के सन्तों, युवाओं, माताओं-बहनों और सामान्य श्रद्धालुओं के त्याग एवं सहयोग का सदैव स्मरण किया जाएगा। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय माता जानकी के मायके जनकपुर धाम से सैकड़ों श्रद्धालु मंगल उपहार लेकर बड़े स्नेह के साथ अयोध्या धाम पहुँचे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नेपाल में विराजमान भगवान पशुपतिनाथ का पावन मन्दिर और काशी में बाबा विश्वनाथ का धाम हमें आध्यात्मिक सेतु के रूप में जोड़ते आए हैं। पीढ़ियों से उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु मुक्तिनाथ और पशुपतिनाथ जाकर अपनी आस्था को पवित्र करते हैं। एक अनूठी परम्परा के तहत प्रतिवर्ष मकर संक्रान्ति के अवसर पर गोरखनाथ मन्दिर में नेपाल से भेजी गई खिचड़ी चढ़ाई जाती है। वासंतीय नवरात्रि के अवसर पर नेपाल से एक यात्रा शक्तिपीठ देवीपाटन आती है। भगवान बुद्ध का जन्म नेपाल के लुम्बिनी में हुआ था और उनके जीवन, साधना एवं धम्म की यात्रा के अनेक महत्वपूर्ण पड़ाव उत्तर प्रदेश की धरती से जड़े हैं। पिपरहवा अर्थात कपिलवस्तु, श्रावस्ती, सारनाथ और कुशीनगर भगवान बुद्ध की विरासत को आज भी जीवन्त बनाए हुए हैं। जुलाई, 2025 में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरावा अवशेष 127 वर्षों के लम्बे अन्तराल के बाद हाँगकाँग से भारत वापस लाए गए। यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है कि भगवान बुद्ध की इस अमूल्य विरासत का उद्गम स्थल पिपरहवा हमारे सिद्धार्थनगर में भारत-नेपाल सीमा के निकट स्थित है। हिमालय से उतरकर नेपाल की कर्णाली, गण्डकी, राप्ती और महाकाली नदियाँ उत्तर प्रदेश के खेतों तक घाघरा यानी सरयू, गण्डक, राप्ती और शारदा के रूप में आती हैं। सरयू की लहरों में नेपाल का अंश है और जनकपुर की मंगल ध्वनि में अयोध्या का नाम है। भारत और नेपाल की खुली सीमा दुनिया में विश्वास का अनूठा उदाहरण है। प्रतिदिन हजारों लोग व्यापार, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने नातेदार-रिश्तेदारों से मिलने के लिए बिना किसी रोक-टोक के एक-दूसरे के देश में आते-जाते हैं। हर सुख-दुख की घड़ी में भारत नेपाल के साथ खड़ा रहता है। डबल इंजन सरकार की नीति स्पष्ट है और वह 'पड़ोसी प्रथम' की भावना पर आधारित है। उत्तर प्रदेश के 07 जनपद-पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज लगभग 600 किलोमीटर की सीमा नेपाल के साथ साझा करते हैं। प्रधानमंत्री जी ने भारत-नेपाल सम्बन्धों के लिए एच0आई0टी0 फॉर्मूला अर्थात हाईवेज, रोड एवं बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल, एनर्जी एवं सूचना सम्पर्क तथा ट्रांसवेज यानी रेलवे सम्पर्क को प्राथमिकता दी है। आज यह फॉर्मूला धरातल पर साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री जी ने जनकपुर के माता जानकी मन्दिर परिसर से जनकपुर-अयोध्या बस सेवा को हरी झण्डी दिखायी थी। उस समय अयोध्या की धरती पर पहली बस का स्वागत करने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ था। नेपाल बॉर्डर पर उत्तर प्रदेश का पहला लैण्डपोर्ट रुपईडीहा में तैयार है। भारत से नेपाल को होने वाले निर्यात का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से जाता है। रुपईडीहा सीमा के पास इण्डस्ट्रियल लॉजिस्टिक कॉरिडोर विकसित करने की कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। लखनऊ-रुपईडीहा कॉरिडोर के तहत बाराबंकी-बहराइच 4-लेन हाईवे बनने से रुपईडीहा से नेपालगंज तक की यात्रा में लगने वाले समय में आधी बचत होगी। बहराइच के सीमावर्ती रुपईडीहा-नेपालगंज रोड क्षेत्र को नानपारा-बहराइच के रास्ते ब्रॉडगेज एवं विद्युतीकरण रेल नेटवर्क से जोड़ दिया गया है। इससे भारत-नेपाल के बीच जनसम्पर्क और आर्थिक सम्बन्धों को नई गति मिलेगी। सोनौली-भैरहवा इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट का कार्य भी तेजी से चल रहा है। यहाँ पब्लिक टर्मिनल बिल्डिंग, कार्गो टर्मिनल बिल्डिंग और वेयरहाउस सेट तैयार किए जा रहे हैं। पिछले सप्ताह ही 1,450 करो? रुपये की लागत से तैयार 80 किलोमीटर लम्बे गोरखपुर मार्ग से नेपाल बॉर्डर सोनौली तक के मार्ग का लोकार्पण किया गया। नेपाल बॉर्डर से सिद्धार्थनगर और बस्ती होते हुए प्रयागराज तक एक बड़े 4-लेन कॉरिडोर पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य चल रहा है। 750 किलोमीटर लम्बा 6-लेन का प्रस्तावित गोरखपुर-शामली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल सीमा से जोड़ेगा।

NAME CHANGE

I, SHAHIDA NAGMA W/o AZAD R/o 59, Dabar Talab, V Sangam Vihar, Loni Dehat, PO : Loni, Dist : Ghaziabad , Uttar Pradesh - 201102 have changed the name of my minor Son ABDULLAH aged 13 years and he shall hereafter be known as ABDULLAH SIDDIQUI.

NAME CHANGE

I, SEEMA HALDAR W/o SADHAN HALDAR R/o A-115, Shramik Kunj-2, Sector-93, Noida, PO : Maharishi Nagar, Dist : Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed the name of my minor Son DEV HALDAR aged 14 years and he shall hereafter be known as SHIVA KUMAR HALDAR.

NAME CHANGE

I, MOHIT TYAGI S/o KAPIL TYAGI, R/o 296(252), Meerut Road, Tyagi Market, Krishna Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed my name and shall hereafter be known as MOHIT.

NAME CHANGE

I, MITHLESH TRIPATHI W/o PRADEEP TIWARI, R/o H No-124/2, Old Vijay Nagar, Vijay Nagar, PO: Ghaziabad City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, have changed my name and shall hereafter be known as MITHLESH TIWARI.

NAME CHANGE

I, Bhaskar Mehta S/o J.L. Mehta R/o Flat No A-25. Assotech The Nest Crossing Republik Ghaziabad, U.P.-201016 have changed the name of my minor son Nilansh Mehta aged 14 years and he shall hereafter be known as Neelansh Mehta

Public Notice

It is for general information that I, PRADEEP KUMAR S/o HARISH CHANDRA TRIPATHI, R/o H No-124/2, Old Vijay Nagar, Vijay Nagar, PO: Ghaziabad City, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009, declare that name of mine has been wrongly written as PRADEEP TIWARI in my minor son ANSH TIWARI, aged 17 years in his 10th Class and 12th Class Educational Documnets. The actual name of mine is PRADEEP KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Pinki Choudhary W/o Mr. Narinder Singh is the owner of Freehold Residential 2 BHK Flat No. 102, on First Floor, Built-on Plot No. 12, area measuring 1050 Sq. Ft., i.e., 97.54 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 780, Situated at Complex Known as "Suman Enclave" in multistory building, in the area of Village Salarpur Khadar, Noida, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. by virtue of Sale Deed dated 26.11.2024, duly regd. Vide Doc. No. 15500, in Book No. 1, Volume No. 13372, on Pages No. 173 to 194, on dated 26.11.2024, in the Sub-Registrar Office- Noida I, Gautam Budh Nagar. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Mr. Roshan Lal Ratti & (2) NRI GPA dated 15.12.2016 executed by Mr. Rajeev Ratti S/o Late Mr. Roshan Lal Ratti in favour of Ms. Sunila Ratti D/o Late Mr. Roshan Lal Ratti in respect of entire property. duly attested by the collector of Stamp. now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD AMIR S/o Kamruddin R/o B-25, Third Floor, Left Side, Gali No.2, Kantinagar Extn., Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name from MOHAMMAD AMIR to MOHD AMIR permanently.

NAME CHANGE

I, IC-34216N, Rank □MAJOR GENERAL Name-RAJIV VERMA resident of A-104, VIVEK VIHAR, AWHO, SECTOR-82, NOIDA, have changed my spouse name from SHANOO VERMA to SHANU VERMA for all future purposes vide Affidavit dated 23/11/2026 before Executive Magistrate Uttar Pradesh.

सार्वजनिक सूचनाा

सुश्री एलिज़ाबेथ ज़ोपारी (मालिक) वर्तमान में एकमात्र मालिक हैं और फ्लैट नंबर A-51, अदिति अपार्टमेंट्स, जो 16-ए, आईपी एक्सटेंशन दिल्ली-110092 (संपत्ति) में स्थित है, और विशेष रूप से इस नीचे लिखी गई अनुसूची में वर्णित है। उन्होंने उक्त संपत्ति से संबंधित मूल दस्तावेज खो दिए हैं। निम्नलिखित दस्तावेज़ खोए गए हैं-

1. आवंटन पत्र
2. कन्वेंस डीड।

हालांकि, मालिक के पास उसी की प्रमाणित सच्ची प्रति है।

मालिक ने स्थानीय पुलिस स्टेशन मधु विहार में शिकायत दर्ज कराई है, जिसे लॉस्ट रिपोर्ट नंबर 815020/2026 दिनांक 22/10/2026 के तहत विधिवत पंजीकृत किया गया है।

कोई भी व्यक्ति या व्यक्ति जिसके पास उक्त मूल दस्तावेजों की अभिरक्षा या कब्जे का दावा है, उसे निम्नलिखित पते पर उपयुक्त दस्तावेजी साक्ष्य के साथ मालिक को लिखित रूप में सूचित करना आवश्यक है, इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 10(दस) दिनों के भीतर।

यहाँ उल्लिखित अनुसूची- फ्लैट नंबर A-51, अदिति अपार्टमेंट्स, माप 125.17 वर्ग मीटर। मीटर। आईपी एक्सटेंशन, दिल्ली में। मालिक का पता- 1503 रीजेंट गैलेक्सी, जनकल्याण नगर, मलाड पश्चिम, मुंबई - 400095

दिनांक- 25 नवंबर 2026।

Sd/-
एलिज़ाबेथ ज़ोपारी
ओनर

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client of Mrs. Imrati Devi W/o Mr. Ram Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential land area measuring 3 Marla, i.e. 100 Sq. Yds., out of Arazi Zarai Khewat No. 98, Khatoni No. 103, Mu. No. 24, Killa No. 16/1/7, situated at Waka Mauza Rudh, Tehsil Bawal & District Rewari, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 27.08.2025, as Doc. No. 2136, in Book No. 1, Vol. No. 287/1939, on Page No. 62.75/87-89, in the Office of SR-Bawal. In the chain of documents, (1) Original Sale Deed dated 28.06.2022 executed by Mr. Jeet Ram, Mr. Jagmal, Mrs. Shanti, Mr. Ravi Shankar, Mr. Gauri Shankar both, Mrs. Kamlesh, Mr. Imrati & Mrs. Jagwanti all in favour of Mr. Bholu Ram duly registered as Doc. No. 947, in Book No. 1, in the Office of SR-Bawal, (2) Original Sale Deed dated 15.03.2024 executed by Mr. Bholu Ram in favour of Mr. Lokesh Kumar duly registered as Doc. No. 3484, in Book No. 1, in the Office of SR-Bawal & (3) Original Sale Deed dated 22.04.2025 executed by Mrs. Ram Bateri in favour of Mr. Lokesh Kumar duly registered as Doc. No. 254, in Book No. 1, Vol. No. 284/1888, on Page No. 192.25/90-92, in the Office of SR-Bawal Are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property to be financed / mortgaged with L&T Finance., Branch: Rewari Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I, Sultan Omer S/O Mohd Omer Qureishi R/O 139/1 Street No 12, Near Tayyaba Masjid, Zakir Nagar, Jamia Nagar, Delhi 110025 have changed my name to Mohd Sultan Omer for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Smriti Banerjee D/O- Sh. Arun Kumar Banerjee, R/o : A- 223/102, Shalimar Garden, Extn - 2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, have changed my name and shall hereafter be known as Smriti Chakrabarti.

NAME CHANGE

I YEAR ALI legally father of Army No - JC-859053X, Rank - SUB(GNR), Name -Ariful Islam, Presently Residing, Post-Purandarpur, Teh - Kandi, Dist - Murshidabad, State - West Bengal, Pin - 742140 have changed my name from YEAR ALI to SK IYAR ALI for all future purposes, and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/07/1957 instead of my correct date of birth as 04/06/1955 vide Affidavit dated 23/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I JANAFA BIBI legally mother of Army No - JC-859053X, Rank - SUB(GNR), Name -Ariful Islam, Presently Residing, Post-Purandarpur, Teh - Kandi, Dist - Murshidabad, State - West Bengal, Pin - 742140 have changed my name from JANAFA BIBI to JANEFA BIBI for all future purposes, and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/07/1962 instead of my correct date of birth as 23/03/1965 vide Affidavit dated 23/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I MANISHA legally mother of Army no - 2821899F, Rank - SEP, Name - NAGARE DIGAMBAR, Presently Residing At - DHULE, Post - VIDYANAGRI, Teh - DHULE, Dist - DHULE, State - MAHARASHTRA Pin - 424005 have changed my name from MANISHA to NAGARE MANISHA TULSHIDAS for all future purposes, Vide affidavit dated 23/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

LALIT JAIN S/o SUMAT JAIN R/o FLAT NO D4-85 ARAVALI HEIGHTS DHARUHERA REWARI HARYANA-123106 HAVE CHANGED MY NAME TO LALLIT SK JAIN FOR ALL FUTURE PURPOSES

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रेय शर्मा (प्रस्तावित ऋणी) संपत्ति संख्या ब-140 के संपूर्ण प्रथम तल, बिना छत/टैरिस अधिकारों सहित, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, खसरा संख्या 839 एवं 840 में से, स्थित ग्राम तिहार, कॉलोनी ज्ञात ब-ब्लॉक, हरि नगर, नई दिल्ली को श्रीमती चरनजीत कौर एवं सुश्री मन्नत वालिया से क्रय करने की इच्छुक हैं। मूल रूप से श्री अतर सिंह उक्त संपूर्ण संपत्ति के स्वामी थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति को श्री अजीत सिंह को दिनांक 29.06.1990 के विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय किया था। दुर्भाग्यवश, श्री अजीत सिंह का निधन दिनांक 30.01.2007 को हो गया तथा उनकी पत्नी श्रीमती भलीकोर का भी निधन दिनांक 12.10.2022 को हो गया। वे अपने पीछे निम्नलिखित व्यक्तियों को अपने एकमात्र कानूनी वारिसों के रूप में छोड़ गए: (i) श्री अतर सिंह नारंग (पुत्र); (ii) श्री सरूप सिंह (पुत्र); (iii) श्री हरमिंदर सिंह (पुत्र); (i1) श्री तारा सिंह नारंग (पुत्र); (1) श्रीमती कृष्णा वंती (पुत्री); एवं (1i) श्री कमल सिंह (पुत्र)। तत्पश्चात, (i) श्री अतर सिंह नारंग, (ii) श्री सरूप सिंह, (iii) श्री हरमिंदर सिंह, (i1) श्री तारा सिंह नारंग @ अजीत सिंह तथा (1) श्रीमती कृष्णा वंती ने अपने-अपने हिस्से श्री कमल सिंह के पक्ष में दिनांक 06.05.2025 के त्याग विलेख के माध्यम से त्याग दिए। इसके उपरांत, श्री कमल सिंह ने उक्त संपत्ति को श्रीमती चरनजीत कौर एवं सुश्री मन्नत वालिया के पक्ष में दिनांक 05.06.2025 के विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, देनदारियों, ग्रहणाधिकार, प्रभारों, बंधकों, दावों एवं अन्य तृतीय पक्ष के अधिकारों से मुक्त बताई गई है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति के क्रय हेतु बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सुभाष नगर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषण प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, KHALIL AHMAD, S/O DABEER AHMAD, R/o 1997, INDRA KUAN, QASIM JAN STREET, P.S. HAUZ QAZI, DELHI-110006, have changed my name to KHALIL AHMED for all future purposes

NAME CHANGE

I, TARANJEET SINGH S/o GAJINDER SINGH, R/o H NO-B-139 SECOND FLOOR CHITRANJAN PARK DELHI-110019, have changed my name to KARAMJEET SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as SADDAM S/O BABU KHAN R/O 471, Gali No-7, Rajiv Gandhi Nagar, Mustafabad, Gokal Puri, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as SADDAM ANSARI.

NAME CHANGE

I hitherto known as PRABJOT KAUR TAK D/O LAKHBIR SINGH TAK R/O D-19, Khyala Road, New Delhi, Sham nagar, West Delhi, Delhi-110018 have changed my name and shall hereafter be known as PRABJOT KAUR.

NAME CHANGE

It is for general information that I, RENU NARANG W/O GURBACHAN SINGH R/O WZ-34/12, Mukherjee park EXTN, Tilak Nagar, PO: Tilak Nagar, DIST: West Delhi, Delhi - 110018 declare that name of my HUSBAND has been wrongly written as G S NARANG in my minor son namely AMRIT SINGH NARANG aged 16 years in his 10th Class Educational Document.The actual name of my Husband is GURBACHAN SINGH respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Pratibha Mishra & Mr. Harsh Kumar purchasing Freehold Residential Built-up House no. 579 ward no. 15 (as per house tax) Plot area measuring 25 Sq. Yds. Situated in Gali No. 03, Prakash Nagar, Khora Colony, Pargana Loni Tehsil & Distt Ghaziabad, U.P.., from i) Mrs. Samina Begam (ii) Mohd. Naseem Ahamad (ii) Mr. Anwar Hussain (iv) Mr. Amjad Khan., initially Mrs. Hamida Begam W/o Abdul Ajij was the absolute owned by virtue of Sale Deed dated 03.02.2010, vide Doc No. 849, Vol No. 3810, Page No. 319-334, dated 03.02.2010, SRO-Ghaziabad-II., Thereafter Mrs. Hamida Begam W/o Abdul Ajij Expired on 05.04.2019 our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Finance Ltd. Branch: Sector-2 Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

सार्वजनिक सूचनाा

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री विकास परमार (पुत्र श्री वरिंद्र सिंह) और श्री अशोक कुमार (पुत्र श्री महार सिंह) वर्तमान में आवासीय मकान नंबर 28. क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, यह मकान खसरा नंबर 388 के अंतर्गत आता है और हाईवे मेंशन, ग्राम छपरोला, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, के मालिक हैं। इसके लिए 25.05.2026 को एक सेल डीड (बिक्री विलेख) निष्पादित की गई थी, जो SRO-दादरी में दस्तावेज संख्या 26145, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 35056, पृष्ठ 21-40 के रूप में पंजीकृत है। यह सेल डीड श्री अरुण अवाना (पुत्र श्री वीर सिंह) द्वारा निष्पादित की गई थी। अब इस संपत्ति पर %लब्ध. केपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (CGCL), नोएडा शाखा% द्वारा वित्तपोषण (फाइनेंस) किया जाना है, जिसके आवेदक M/S विदार्थ मरीन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है। श्री अरुण अवाना ने यह संपत्ति सुश्री काजोल (पुत्री श्री विशाल मणि गैरोला) से खरीदी थी, जिसके लिए 10.04.2026 को एक सेल डीड निष्पादित की गई थी। यह SRO-दादरी में दस्तावेज़ संख्या 18389, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 34641, पृष्ठ 195-218 के रूप में पंजीकृत है। सुश्री काजोल ने यह संपत्ति M/s A.S.R. इंटरनेशनल (जिसके पार्टनर श्री अतुल मित्तल हैं) से खरीदी थी। इसके लिए 08.11.2023 को एक सेल डीड निष्पादित की गई थी, जो दस्तावेज संख्या 48079, SRO-दादरी के रूप में पंजीकृत है। उपर्युक्त संपत्ति से संबंधित एक दस्तावेज़ जिसका संख्या 48079, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 25332, पृष्ठ 253-280, दिनांक 08.11.2023 है। ये दस्तावेज़ दिनांक 21.09.2026 को मकान नंबर 28, राजेंद्र नगर से खो गए हैं। इस संबंध में दिनांक 19.11.2026 को L.A.R. संख्या 807955/2026 के तहत एक ऑनलाइन FIR दर्ज कराई गई है। यह FIR पुलिस थाना राजेंद्र नगर / ई-पुलिस स्टेशन में दर्ज है। यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा है, तो कृपया इस सूचना की तारीख से 7 दिनों के भीतर, संपत्ति के मूल दस्तावेजों के साथ नीचे दिए गए पते पर मुझसे संपर्क करें। ऐसा न करने पर, यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा या विवाद नहीं है।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I ASHMA BEGAM W/O SAFIULLA R/O F-1/169 F-1 BLOCK, D D A FLAT SUNDER NAGRI, NAND NAGRI SHAHDRA DELHI-110093 HAVE CHANGED MY NAME TO ASHMA BEGUM

NAME CHANGE

'It is for general information that I, GAJENDER PAL S/O MAAN SINGH R/O D-1/52 D, Kunwar Singh Nagar, Delhi, Delhi-110041 declare that name of my wife has been wrongly written as HANSNI PAL in my minor son HARDIK PAL aged 14 years in his School records. the actual name of my wife is HANSANI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I SHOKIN S/O SAHOON R/O H NO-623 MOHALLA HATEDA NEAR MOHAMMADI MASJID UTAWAR(278) PO: UTTAWAR DIST: PALWAL HARYANA-121103 HAVE CHANGED MY NAME TO SOUKIN

NAME CHANGE

I, Rubin S/O Stephen R. Narayanan, unit no A-18 First Floor, Flora Avenue 33 by Breez, Sector -33, Dhunela (182) PO: Sohna, Dist: Gurgaon Haryana Pin: 122103 Have Changed My Name To Rubin Stephen For All The Future Purposes.

PUBLIC NOTICE

Mr. Amit Bansal Owner of the Residential Plot/House no 017 , Block-H, Sector -12 , Noida, Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Amit Bansal have lost Original Allotment letter dated 29.10.1979 issued by NOIDA in the name of Mr. Kailash Chander and Possession letter dated 18.06.1981 issued by NOIDA in the name of Mr. Kailash Chander, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल, श्री हिमांशु नंदवानी, फ्लैहोल्ड निर्मित संपत्ति संख्या 107/2D, प्लॉट संख्या 182 पर निर्मित, जिसका क्षेत्रफल 25 वर्ग गज (225 वर्ग फुट), भूमि क्षेत्रफल 20.90 वर्ग मीटर तथा निर्मित/कवर्ड क्षेत्रफल 41.80 वर्ग मीटर है, सहित छत/टेरेस के अधिकार, खसरा संख्या 305 में से, गली नंबर 8, ईस्ट आजाद नगर, कृष्णा नगर के निकट, ग्राम घोंडली, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051 स्थित संपत्ति के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति मूल रूप से मरन सूचना की थी, जिनका निधन दिनांक 17.02.1959 को हो गया था। तत्पश्चात, स्वर्गीय श्री जीवन राम के समस्त कानूनी वारिसों ने अपने-अपने हिस्से श्रीमती जमुना देवी के पक्ष में दिनांक 02.11.1987 के त्यागपत्र (Relinquishment Deed) के माध्यम से त्याग दिए। इसके बाद, श्रीमती जमुना देवी ने दिनांक 16.03.1988 को अपने पुत्र के पक्ष में वसीयतनामा निष्पादित किया तथा तत्पश्चात दिनांक 02.07.1991 के GPA, ATS एवं वसीयतनामा के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री बलाइटी राम नरूला को हस्तांतरित कर दी। इसके पश्चात, श्री बलाइटी राम नरूला ने दिनांक 26.03.1992 के GPA, ATS एवं वसीयतनामा के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री किशन चंद नंदवानी एवं श्रीमती विपला नंदवानी को हस्तांतरित कर दी। श्रीमती विपला नंदवानी के निधन के उपरांत, उनके कानूनी वारिसों, अर्थात् श्री परवीन कुमार नंदवानी, श्री उमेश कुमार नंदवानी एवं श्रीमती रेनू शर्मा ने अपने-अपने हिस्से श्री किशन चंद नंदवानी के पक्ष में दिनांक 26.09.2006 के त्यागपत्र के माध्यम से त्याग दिए। तत्पश्चात, श्री किशन चंद नंदवानी ने दिनांक 25.10.2006 के GPA, ATS एवं वसीयतनामा के माध्यम से उक्त संपत्ति अपने पुत्र श्री परवीन कुमार नंदवानी को हस्तांतरित कर दी। इसके बाद, श्री परवीन कुमार नंदवानी ने दिनांक 22.10.2026 के पंजीकृत उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति अपने पुत्र श्री हिमांशु नंदवानी को उपहार स्वरूप हस्तांतरित कर दी। उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों एवं विवरणों के आधार पर, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, दायित्वों, प्रभारों, बंधकों, कुर्कियों, अधिग्रहण, मुकदमेबाजी एवं तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है। उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु RBL Bank Limited द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है, जिसका कार्यालय बिल्डिंग नंबर 1, प्रथम तल, मोदी मिल कंपाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली में स्थित है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, sds निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I POONAM legally wife of Army no - JC 879664N, Rank - NB/SUB, Name - FAKIRA NAYAK, Presently Residing At - MAJAGAON, Post - MAJAGAON, Teh - BELAGAVI, Dist - BELAGAVI, State - KARNATAKA, Pin - 590008 have changed my name from POONAM to POONAM FAKIRA NAYAK for all future purposes, Vide affidavit dated 23/11/2026 before Notary Delhi

NAME CHANGE

It is for general information that I RAJ KUMAR KOCHAR S/O FAQIR CHAND KOCHAR R/O A-55,, Ram Dutt Enclave., Uttam Nagar, West Delhi, Delhi -110059 declare that name of MINE and my FATHER name has been wrongly written as RAJ KUMAR AND FAQIR CHAND in my VOTER CARD No-DL\02\012\73401.The actual name of mine is RAJ KUMAR KOCHAR and FAQIR CHAND KOCHAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I BHIMAVA legally mother of Army no -JC 879664N, Rank - NB/SUB, Name - FAKIRA NAYAK, Presently Residing At - MAJAGAON Post - MAJAGAON, Teh - BELAGAVI, Dist - BELAGAVI, State - KARNATAKA Pin - 590008 have changed my name from BHIMAVA to BHIMAVVA BHARMA NAYAK for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of his correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 23/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Jay Singh S/O Parsadi Lal R/O 189 Masjid Moth, South ex Part 2, Delhi 110049 Have changed my name to Jai Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I SHAIN legally mother of Army no - 2819032L, Rank - Nk, Name - SHEKH IMRAN SHEKH MUSTAFA, Presently Residing At - WARUD TOFA , Post- KOYALI. BK Teh - RISOD, Dist - WASHIM, State-MAHARASHTRA Pin - 444510 have changed my name from SHAIN to SHAIN SHEKH MUSTAFA SHEKH for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 15/08/1978 instead of my correct date of birth as 17/08/1978 vide Affidavit dated 23/11/2026 before Notary Public, Delhi.

LOST & FOUND

I,mrs. Annapoorny bala Subramanian resident of E-82, Seema Apartment plot- 7, sector 11, Dwarka, Delhi, has lost/misplaced the original relinquishment deed of property B-202 Yamuna Apartment Alaknanda New Delhi 110019. A complaint regarding the same has been lodged with Delhi Police vide LR No: 791617/2026. If found by anyone, please contact the undersigned. **Annapoorny**

NAME CHANGE

I, NIKHIL, S/O - AVDESH KUMAR TOMAR, R/O - A-1/110, NEW KONDLI, NEAR A1 BUSTOP, NEW KONDLI RESETTLEMENT COLONY, DELHI, MAYUR VIHAR, PHASE - 3, P.O. - VASUNDHRA ENCLAVE, DIST: EAST DELH

संक्षिप्त डायरी

आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए नई एजेंसियां चुनी जाएंगी

एजेंसी

नोएडा। आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के लिए नए सिरे से एजेंसियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि एजेंसियों के बेहतर तरीके से काम करने से कुत्तों की संख्या में कमी आएगी।शहर में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। आए दिन कुत्तों के जरिए काटने के मामले सामने आ रहे हैं। प्राधिकरण की ओर से अभी काम कर रही एजेंसी बेहतर तरीके से काम नहीं कर रही है। इसके अलावा उसके अनुबंध का समय भी समाप्त होता जा रहा है। ऐसे में प्राधिकरण ने नए सिरे से एजेंसियों का चयन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसियों के चयन के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इस टेंडर प्रक्रिया में एजेंसियां 26 नवंबर को शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकती हैं। इसके बाद अगले दिन यानि 27 नवंबर को टेंडर खोला जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस टेंडर के तहत जिस एजेंसी को काम दिया जाएगा, उसका अनुभव भी देखा जाएगा। नोएडा जैसे शहर में कुत्तों से संबंधित मामलों के लिए बेहतर एजेंसी की जरुरत है। गौरलब है कि बीते महीने ही एक दो सोसाइटी में कुत्तों से जुड़े मामले काफी चचाओं में रहे थे। कुत्तों के मामले में ही प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक को हटा दिया गया था। वहीं, इसके अलावा सेक्टर-135 स्थित नगली वाजिदपुर में बनी अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल में एक साल के लिए कटा हरा चारा की आपूर्ति करने के लिए भी टेंडर जारी किया गया है। इसके लिए एजेंसियों से भी आवेदन मांगे गए हैं।

बिल्डर कंपनी के प्रतिनिधि को जान से मारने की दी धमकी, मुकदमा

एजेंसी

नोएडा। बिल्डर कंपनी एटीएस के प्रतिनिधि ने एक व्यक्ति के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने आरोपी पर बकाया रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता विपिन लखीरा ने पुलिस को बताया कि उनकी कंपनी ने वर्ष 2018 में सेक्टर-152 में किंगहुड ड्राइव नामक एक प्रोजेक्ट निकाला था जिसमें दुकानें प्रस्तावित थीं। बहुत लोगों ने उसमें पैसा लगाया था जिसमें शफी अनवर ने भी 585 वर्ग फुट की एक दुकान खरीदी थी। शफी अनवर ने 72.30 लाख रुपये में से 27.50 लाख रुपये का भुगतान किया है। आरोप है कि जब उससे बकाया मांगा गया तो वह भुगतान करने के बजाय कंपनी पर दबाब बनाने का प्रयास कर रहा है। 12 सितंबर से 11 नवंबर के बीच आरोपी ने कई बार गाली गलौज की और मारने की धमकी दी। आरोपी की धमकी के चलते शिकायतकर्ता को जान का खतरा सता रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सस्ती झाड़ू का झांसा देकर दुकानदार से ठगी

एजेंसी

नोएडा। साइबर ठगों ने धनतेरस पर झाड़ू की आपूर्ति करने का झांसा देकर एक दुकानदार से 6.44 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने फेसबुक के माध्यम से थोक झाड़ू विक्रेता का नंबर तलाशा था। आरोपियों ने सस्ती दर पर झाड़ू उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाकर उनसे ऑनलाइन भुगतान करा लिया। रकम मिलने के बाद आरोपियों ने झाड़ू की आपूर्ति नहीं की और संपर्क तोड़ दिया। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के बहलोलपुर गांव निवासी नरेश सहनी ने पुलिस को बताया कि गांव में उनकी किराना की दुकान है। दीपावली से पूर्व उन्हें भारी मात्रा में झाड़ू की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने फेसबुक पर झाड़ू के एक थोक विक्रेता का नंबर खोजा। फोन पर बात करने पर उसने खुद को थोक विक्रेता बताया। सस्ती दर पर झाड़ू देने का विश्वास दिलाया। उसने कम से कम छह लाख रुपये का माल खरीदने की शर्त रखी। बाजार से कम रेट होने के चलते मोलभाव करके झाड़ू का ऑर्डर दिया। जालसाज ने ऑनलाइन 8.25 लाख रुपये का बिल भेजा। दोनों के बीच 6,44,010 रुपये में सौदा हुआ। उसने ऑनलाइन भुगतान मांगा। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने अपने अलग-अलग बैंक खातों से कुल सात बार में भुगतान कर दिया। पहली बार में पंजाब नेशनल बैंक के खाते से पांच लाख 50 हजार दस रुपये ट्रांसफर किए। दूसरी बार में एक्सिस बैंक के खाते से 40 हजार रुपये तथा मनी ट्रांसफर के माध्यम से 99 हजार रुपये ट्रांसफर किए। गए इस प्रकार उन्होंने कुल 6,44,010 ट्रांसफर किए। इसके बाद वह झाड़ू के बंडलों की आपूर्ति का इंतजार करने लगे। एक दो दिन तक आरोपी ने उनसे संपर्क रखा, लेकिन बाद में संपर्क तोड़ दिया। कई दिन बीत जाने के बाद भी जब झाड़ू की आपूर्ति नहीं हुई तो ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने फौरन इसकी सूचना पुलिस को दी और पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बिना सत्यापित वेंडर के किसी को भी ऑनलाइन भुगतान न करें।

सिक्योरिटी एजेंसी के जीएसटी नंबर का दुरुपयोग कर 77.89 लाख के बिल लगाने का आरोप

एजेंसी

नोएडा। सिक्योरिटी एजेंसी के जीएसटी नंबर का दुरुपयोग कर कई कंपनियों के बिल लगाकर 77.89 लाख रुपये की गड़बड़ी का मामला सामने आया है। कंपनी को इस बात की जानकारी तब हुई जब जीएसटी विभाग द्वारा उन्हें नोटिस दिया गया। कंपनी की ओर से साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। कंपनी प्रतिनिधि सुमित कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी सूरजपुर में एक सुरक्षा एजेंसी चलाने की कंपनी है। पीड़ित के अनुसार, जीएसटी विभाग द्वारा उन्हें नोटिस दिया गया कि उन्होंने करीब 77 लाख 89 हजार 663 रुपये की टैक्स चोरी की है। पीड़ित के अनुसार जब उन्होंने जांच की तो पता चला कि किसी ने धोखे से उनका फोन का एक्सेस प्राप्त कर ओटीपी हासिल कर लिया और उनके फर्म की जीएसटी नंबर का गलत इस्तेमाल करके कई अनजान कंपनियों को टैक्स का लाभ पहुंचाया। जिन कंपनियों के नाम पर यह फर्जी लेनदेन दिखाया गया है, उनसे उनकी कंपनी का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने बताया कि इन कंपनियों से उनकी कोई व्यक्तिगत पहचान भी नहीं है। पीड़ित ने अपने अकाउंटेंट सौरभ झा पर संदेह जताया है कि उसने उनके मोबाइल से ओटीपी ऑनलाइन साइबर क्राइम के माध्यम से प्राप्त कर, उसका गलत प्रयोग करके यह गड़बड़ी की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुकानदार ने मारपीट का लगाया आरोप

एजेंसी

नोएडा। फेज-तीन थाना क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी में किराने की दुकान करने वाले दुकानदार और उसके बेटों को पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित दुकानदार ने तीन लोगों पर रंजिश में मारपीट करने और दुकान का सामान बाहर फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गढ़ी चौखंडी गांव में रहने वाले कृष्णपाल ने पुलिस को बताया कि वह गांव में किराने की दुकान करते हैं। चार नवंबर की रात करीब साढ़े नौ बजे गांव के सूरज, मांगेराम और रणधीर आए। आरोप है कि तीनों अभद्रता करने लगे। इसका विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट करनी शुरू कर दी। बचाने आने पर आरोपियों ने कृष्णपाल के बेटों से भी मारपीट की। दुकान का सामान भी बाहर फेंक दिया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली जा रही है।

सनातन धर्म की रक्षा के संकल्प के साथ राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन

एजेंसी

नोएडा। वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को शहर के सेक्टर गामा-1 स्थित गौरीशंकर मंदिर में राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ से पूर्व सामूहिक मंत्र और प्राणायाम के साथ हुई। आयोजन के माध्यम से समाज को सनातन धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता, राष्ट्रप्रेम और आपसी एकता का संदेश दिया गया। यज्ञ में राष्ट्र की सुरक्षा, शांति, सुख-समृद्धि, सनातन धर्म की रक्षा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण की कामना की गई।

रॉन्ग साइड के 'हत्यारे' ने छीनी युवक की जिंदगी, जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा राहुल, पुलिस बनी तमाशबीन

एजेंसी

नोएडा। शहर में रॉन्ग साइड से दौड़ रहे मौत के सौदागरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर नोएडा पुलिस और ट्रैफिक सिस्टम की पोल खोलकर रख दी है। पर्थला फ्लाईओवर पर रॉन्ग साइड से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने 23 वर्षीय युवक राहुल शर्मा को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह खून से लथपथ सड़क पर तड़पता रह गया। राहुल कोई आम युवक नहीं, बल्कि वरिष्ठ मीडियाकर्मी दयाल शर्मा का बेटा है। आज वह सर्वोदय अस्पताल, गौर सिटी-2 में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। सुबह 6 बजे मौत





बनकर आया अज्ञात वाहन यह खौफनाक हादसा 15 नवंबर 2026 की सुबह करीब 6 बजे हुआ। राहुल शर्मा अपनी बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह थाना 113 क्षेत्र के अंतर्गत पर्थला चौकी के पास हिंडन नदी के पुल पर पहुंचा, तभी सामने से रॉन्ग साइड में मौत बनकर आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल उछलकर दूर जा गिरा। उसका सिर, हाथ और पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद आरोपी चालक उसे तड़पता छोड़कर फरार हो गया। अगर समय पर राहगीर 112 पर कॉल न करता, तो शायद आज राहुल इस दुनिया में नहीं होता। 15 दिन से अस्पताल में जंग, लाखों का बिल, परिवार पर टूटा पहाड़ 15 नवंबर से राहुल का सर्वोदय अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। अब तक इलाज पर लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं और डॉक्टरों ने कई और जटिल ऑपरेशनों की बात कही है। एक मीडियाकर्मी का परिवार आज आर्थिक संकट से जूझ रहा है। पिता दयाल शर्मा की आंखों में आंसू हैं और सिर्फ एक ही सवाल है - ₹मेरे बेटे का गुनहगार कहां है?₹ पुलिस की कार्यशैली पर बड़े सवाल! सबसे बड़ा सवाल नोएडा पुलिस पर खड़ा हो रहा है। पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा तो दर्ज कर लिया है, लेकिन 8 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी का कोई सुराग नहीं है। पीड़ित परिवार का सीधा आरोप है - 1. पुलिस ने अभी तक घटनास्थल के आसपास के उउळश फुटेज तक नहीं खंगाले! 2. अज्ञात वाहन का हवाला देकर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है!3. आशंका है कि जल्द ही फाइल बंद कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा! कब जागेगी ट्रैफिक पुलिस? नोएडा के फ्लाईओवरों पर रॉन्ग साइड चलना फैशन बन गया है। पर्थला, चार मूर्ति चौक जैसे व्यस्त इलाकों में रोजाना सैकड़ों वाहन गलत दिशा से दौड़ते हैं, लेकिन ट्रैफिक पुलिस आंखें मूंदे बैठी है। सवाल उठता है - - क्या किसी बड़ी हस्ती के बेटे के साथ हादसा होता, तब भी पुलिस इतनी ही सुस्त रहती? - रॉन्ग साइड चालकों पर शिकंजा कब कसेगा?
- क्या राहुल को इंसाफ मिलेगा या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा? शहर के लोग आक्रोश में हैं। अगर जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो मीडियाकर्मियों और सामाजिक संगठनों ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। कुछ जोड़ना हो तो जोड़ लेना एनजीओ के अध्यक्ष का नाम

सेक्टर-6 की निजी कंपनी में देर रात लगी भीषण आग, उठने लगी आग की ऊंची लपटें,



एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-6 स्थित बी-1 की एक निजी कंपनी में रविवार देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भी बुलाई गईं। दमकल विभाग की करीब 15 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर कांबू पाया। इसके बाद मौके पर कूलिंग का काम शुरू किया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

पंचशील हाईनिश में प्रदर्शन के दौरान मारपीट और महिलाओं से अभद्रता का आरोप

एजेंसी

नोएडा। पंचशील हाईनिश सोसाइटी में एओए का कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद चुनाव नहीं कराए जाने के विरोध में रविवार को निवासियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान एओए कार्यालय में विवाद हो गया। लोगों ने एओए अध्यक्ष और सचिव पर महिलाओं से अभद्रता करने और एक निवासी के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के विरोध में करीब 200 निवासी बिसरख थाने पहुंचे और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। लोगों का आरोप है कि वर्तमान एओए निष्पक्ष चुनाव कराने में बाधा डाल रही है। इसके अलावा एसटीपी पर करीब 75 लाख रुपये के जुमार्ने, सरकारी नोटिस और एनपीसीएल से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की जानकारी भी लोगों को नहीं दी जा रही है। इससे सोसाइटी के प्रबंधन और वित्तीय



पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान एओए कार्यालय में हुए विवाद को लेकर लोगों ने अध्यक्ष विनोद नेगी और सचिव विजय कुमार रस्तोगी पर प्रदर्शनकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। आरोप है कि अध्यक्ष विनोद नेगी पर निवासी अनुज सैनी के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। इसमें अनुज के हाथ और सिर में चोट लगने की बात कही गई है। लोगों का आरोप है कि मोनिका सैनी, वंदना सिंह और विजेता सिंह समेत अन्य महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। पीड़ित महिलाओं ने मामले की शिकायत महिला आयोग में दर्ज कराई है। घटना से नाराज करीब 200 निवासी, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, बिसरख थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की। लोगों ने जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और महिला आयोग से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि सोसाइटी में जिला रजिस्ट्रार की निगरानी में स्वतंत्र और निष्पक्ष एओए चुनाव कराए जाएं, ताकि निवासियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिल सके। साथ ही मारपीट और महिलाओं से अभद्रता के आरोपों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इस मामले को लेकर अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उनके द्वारा फोन नहीं उठाया जा रहा है।

युवा संसद में बहस के बाद नकल रोकथाम अधिनियम पारित

एजेंसी

गुरुग्राम। जैकबपुरा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को मंडल स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया। छात्राओं ने संसद की कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन करते हुए देश के ज्वलंत मुद्दों पर पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाई। विपक्ष ने बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार को घेरा। सदन में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर), मिलावटी ईंधन और दिल्ली में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दों पर भी तीखी बहस हुई। चर्चा के बाद परीक्षा नकल रोकथाम अधिनियम-2026 को सदन में पारित किया गया। कार्यक्रम एससीईआरटी हरियाणा के दिशा-निदेर्शों और डाइट गुरुग्राम के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मंडल स्तरीय



पर्यवेक्षक डॉ. संजय कुमार ने कार्यक्रम का निरीक्षण किया। निर्णायक मंडल में अमित काजल और विनोद नापा शामिल रहे। अरुण कुमार राघव, कनिका भारद्वाज और रश्मि पवार ने छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा संसद विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने का बेहतर माध्यम है। विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा सैनी के नेतृत्व में रीना यादव, शर्मिला यादव और अरविंदर कौर ने छात्राओं को कार्यक्रम की तैयारी करवाई। आयोजन में विद्यालय के अन्य शिक्षकों और डाइट गुरुग्राम के सदस्यों का भी विशेष योगदान रहा।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन निकाला

एजेंसी

नोएडा। श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को ग्रेटर नोएडा में नगर कीर्तन निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वाहेगुरु के जयकारों और गुरुबाणी कीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया। वहीं गुरु नानक देव की जयंती पर 24 नवंबर को नॉलेज पार्क में भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी चल रही है। सरदार मनजीत सिंह ने बताया कि नगर कीर्तन का शुभारंभ नॉलेज पार्क-3 स्थित गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा से हुआ। पंज प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन अमृतपुरम चौक, बीटा-1, रामपुर बाजार चौक, गामा-2 गेट, स्वर्णहार, लेबर चौक होते हुए अल्फा-2 स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव दरबार में पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान रास्ते श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर नगर कीर्तन का स्वागत किया। जगह-जगह लंगर, प्रसाद और जलपान की सेवा की गई। गतका पार्टी के



करतबों ने भी संगत का मन मोह लिया। आयोजकों के अनुसार नगर कीर्तन का उद्देश्य गुरु नानक देव की शिक्षाओं, प्रेम, सेवा, समानता और भाईचारे को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है। नगर कीर्तन में सरनजीत सिंह, मनजीत सिंह, हरजीत सिंह, टिंकू सिंह, रविंदर सिंह, हरेंद्र भाटी, रणबीर सिंह, वीरत मरवाह, अवतार सिंह, बोस्ता सिंह सहित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए।

पार्किंग से कार चुराने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

अस्पताल की पार्किंग से कार चुराने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल की पार्किंग से कार चोरी करने वाले तीन आरोपियों को सेक्टर-58 थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की कार भी बरामद कर ली है। आरोपियों की पहचान कासगंज निवासी 20 वर्षीय निकुंज मनि, 22 वर्षीय रंजीत कुमार और 19 वर्षीय शांतनु यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय खुफिया जानकारी की मदद से तीनों को रविवार को सेक्टर-57 स्थित जुबिलेंट पार्क



के पास से गिरफ्तार किया। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि रंजीत कुमार अपने कंधे का इलाज कराने फोर्टिस अस्पताल आया था। उसके साथ उसका दोस्त शांतनु यादव भी था। रात के समय दोनों अस्पताल की पार्किंग में घूम रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां खड़ी एक किआ सेल्टोस कार पर पड़ी। दोनों ने पार्किंग से कार की चाबी चुरा ली। रंजीत के कंधे में चोट थी, जबकि शांतनु को कार चलानी नहीं आती थी। ऐसे में दोनों ने अपने दोस्त निकुंज मनि को फोन कर पूरी योजना बताई और उसे मौके पर बुला लिया। इसके बाद निकुंज और शांतनु कार लेकर अस्पताल से फरार हो गए, जबकि रंजीत वहीं रुक गया। अगले दिन अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह कासगंज चला गया। तीनों ने कार चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए अपनी-अपनी भूमिका तय कर रखी थी। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि रंजीत कुमार अपने कंधे का इलाज कराने के लिए फोर्टिस अस्पताल आया था। उसके साथ शांतनु यादव भी था। रात में दोनों अस्पताल की पार्किंग में घूम रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर वहां खड़ी किआ सेल्टोस कार पर पड़ी। दोनों ने पार्किंग से कार की चाबी उठा ली। रंजीत के कंधे में चोट थी और शांतनु को कार चलानी नहीं आती थी। ऐसे में दोनों ने अपने दोस्त निकुंज मनि को फोन कर पूरी योजना बताई और उसे मौके पर बुला लिया। इसके बाद निकुंज और शांतनु कार लेकर अस्पताल से निकल गए। वहीं, रंजीत अस्पताल में ही रुका रहा। अगले दिन डिस्चार्ज होने के बाद वह कासगंज चला गया। इस तरह तीनों ने मिलकर कार चोरी की वारदात को अंजाम दिया और अपनी भूमिका अलग-अलग बांट ली। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की कार बरामद कर ली है। जिस समय आरोपियों की गिरफ्तारी हुई वे चोरी की कर को बेचने की फिराक में थे। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर उनके आपराधिक इतिहास और अन्य संभावित वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अभी तक की पूछताछ में सामने आया है कि तीनों आरोपियों के ऊपर कर्ज था इसी कर्ज को उतारने के लिए उन्होंने कर चोरी की योजना बनाई थी।

एटेरो खनिज कारोबार में 3,000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

ई-कचरा पुनर्चक्रण कंपनी एटेरो की अपने खनिज निष्कर्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। एटेरो के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी अगले चार वर्षों में अपनी कुल ई-कचरा पुनर्चक्रण क्षमता को चार गुना से अधिक बढ़ाकर 10 लाख टन करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा` कि हम खास तौर पर अगले पांच वर्षों में महत्वपूर्ण खनिज संयंत्र के विस्तार में करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रहे हैं। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा लिथियम, निकेल में जाएगा। एटेरो का दावा है कि वह सोना, चांदी, तांबा, एल्युमीनियम, निकेल, लिथियम, कोबाल्ट और नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ पृथ्वी खनिजों सहित 22 से अधिक महत्वपूर्ण खनिज निकालती है। उन्होंने कहा` कि इलेक्ट्रॉनिक कचरा पुनर्चक्रण की हमारी मौजूदा क्षमता लगभग 2,25,000 टन सालाना है। हम अगले चार वर्षों में इसे बढ़ाकर 10 लाख टन करना चाहते हैं। हम अगले चार वर्षों में अपने लिथियम और बैटरी पुनर्चक्रण संयंत्र को भी लगभग पांच गुना बढ़ा रहे हैं।

साइबर बीमा को स्मार्ट बनाए भारत-डेलॉयट इंडिया

एआई हमलों से निपटने के लिए वास्तविक समय आधारित जोखिम आकलन जरूरी

नई दिल्ली ।

भारत में बढ़ते डिजिटल जोखिमों के बीच डेलॉयट इंडिया ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट डिफेंडिंग द डिजिटल इंश्योरर में देश की साइबर बीमा कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का आह्वान किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पारंपरिक तरीकों को छोड़ अब उन्हें वास्तविक समय की साइबर खतरे की खुफिया जानकारी पर आधारित जोखिम आकलन अपनाने की सख्त जरूरत है। डेलॉयट ने चेताया है कि साइबर हमलों के बढ़ते दायरे और डिजिटल तंत्र के तेजी से फैलने के कारण पारंपरिक जोखिम आकलन पुराने पड़ गए हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित हमलों की तीव्र गति का मुकाबला करने में मौजूदा तरीके अक्षम साबित हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सटीक प्रीमियम और बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीमा कंपनियों को अब साइबर खतरे की खुफिया जानकारी, व्यवहार संबंधी मानकों और विभिन्न आंकड़ों को शामिल करना होगा। एआई इस बदलाव को और तेज कर रहा है, जिससे स्वचालित धोखाधड़ी और एआई-संचालित हमलों में 1,200 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई है। डेलॉयट दक्षिण एशिया में बीमा क्षेत्र के एक अे धिकारी ने बताया कि भारत का साइबर बीमा बाजार देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था और बढ़ते साइबर जोखिम की तुलना में अभी भी छोटा है। हालांकि वर्तमान में मुख्य रूप से वित्तीय संस्थान और बड़े उद्यम इसे अपना रहे हैं, भविष्य में इसकी वृद्धि डिजिटल भुगतान, क्लाउड प्लेटफॉर्म और आपस में जुड़े तंत्र पर निर्भर छोटे-बड़े व्यवसायों से आने की प्रबल संभावना है।

चाय उद्योग को मिलेगी नई गति, सरकार निर्यात व गुणवत्ता पर केंद्रित

वाणिज्य मंत्री ने हितधारकों के साथ किया अहम मंथन

नई दिल्ली ।

भारत, जो दुनिया में काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक निर्यातक है, अपने चाय उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिम बंगाल के कुर्सेओंग में चाय उद्योग के हितधारकों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, गुणवत्ता में सुधार करना और चाय श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 988.13 मिलियन डॉलर मूल्य की 282.11 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था।

यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था और निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस उच्च स्तरीय बैठक में दार्जिलिंग चाय उद्योग के पुनरुद्धार, चाय नीलामी प्रणाली को और अधिक प्रभावी, तेज़ तथा पारदर्शी बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

वाणिज्य मंत्री ने चाय अनुसंधान को सुदृढ़ करने, गुणवत्ता में सुधार लाने और एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के तहत निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। हितधारकों के साथ व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता बनाते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता बढ़ाने पर भी सहमति बनी, जिसमें तकनीक-आधारित सुधारों और परिचालन दक्षता में वृद्धि पर बल दिया गया।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद,निवेशकों के 6 लाख करोड़ डूबे

सेंसेक्स 1483, निफ्टी 434 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हाव होने से बाजार टूटा। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों को जबरदस्त नुकसान हुआ। इसके अलावा मेटल और ऑयल व गैस शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,483.72 अंक टूटकर 82,435.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला, एनएसई निफ्टी 434.20 अंक की गिरावट के साथ ही 25,366.40 के स्तर के नीचे आ गया। बाजार की इस भारी गिरावट से बाजार पूंजीकरण में 6 लाख करोड़ से भी अधिक का नुकसान हुआ। बाजार के व्यापक रुझान पर नजर डालें तो गिरावट वाले शेयरों की संख्या तेजी वाले शेयरों से कहीं ज्यादा रही। एक्सचेंज पर कुल 2,687 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि केवल 1,450 शेयरों में तेजी देखी गई और 199 शेयर सपाट रहे। इसके अलावा, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 0.7-0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो बताता है कि बिकवाली का दबाव सभी स्तरों पर था।



लगभग सभी प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा मार निफ्टी मेटल पर पड़ी। आज दिग्गज शेयरों में आई जबरदस्त बिकवाली ने निवेशकों को खासा नुकसान पहुंचाया। टाटा स्टील 8.43 फीसदी की भारी गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में रहा। इसके अतिरिक्त, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक , हिंडाल्को , एसबीआई , कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इस बड़ी गिरावट के बीच कुछ खास शेयरों में खरीददारी हावी रही। टीसीएस 3.53 फीसदी की बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे टूटकर 92.85 पर खुला

रुपया शुक्रवार को 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था



मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया 93.47 पर खुला और 92.43 तक मजबूत होने के बाद पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ 92.85 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपये ने शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त जारी रखी थी और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था। रुपया 10 अप्रैल के बाद पहली बार 93 के स्तर से ऊपर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत गिरकर 103.71 पर रहा।

सोने की कीमत 1,38,460 प्र ति 10 ग्राम तक पहुंचने का अनुमान

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी देगी सहारा, ब्याज दरें बनेंगी चुनौती

नई दिल्ली ।

वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सक्स ने 2027 के अंत तक सोने की कीमत 4,650 डॉलर प्रति औंस (लगभग 1,38,460 रुपए) तक पहुंचने का नया अनुमान जारी किया है। यह उनके पिछले 4,800 डॉलर के अनुमान से कम है, फिर भी निवेशकों के लिए सोने की चमक बरकरार रहने की उम्मीद है। 20 नवंबर को सोना 1,23,893 रुपए पर बंद हुआ था। बैंक का अनुमान है कि 2027 के अंत तक सोना 4,650 रुपए प्रति औंस तक पहुंचेगा। इसकी कीमतों को केंद्रीय बैंकों, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी से मुख्य सहारा मिल रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस के भंडार फ्रीज होने के बाद यह रुझान बढ़ा है, जिससे अन्य देशों को भी अपनी संपत्ति रखने के तरीकों पर पुनर्विचार करना पड़ा। गोल्डमैन को उम्मीद है कि 2026-28 के दौरान केंद्रीय बैंक प्रति माह औसतन 60 टन सोना खरीदेंगे, जो पहले के 17 टन प्रे तिमाह से काफी अधिक है। हालांकि, अमेरिकी मौद्रिक नीति और ऊंची ब्याज दरें सोने के लिए जोखिम खड़ी कर सकती हैं। गोल्डमैन का मानना है कि फेडरल रिजर्व की संभावित दर वृद्धि से निजी निवेशकों की सोने में रुचि घटेगी, क्योंकि इस पर ब्याज नहीं मिलता।

सेबी का एमआईआई प्रमुखों के कार्यकाल की सीमा तय करने का प्रस्ताव

एमडी के लिए एक संस्थान में 8, कुल 12 साल की सीमा, मौजूदा अधिकारियों को 15 साल तक की छूट

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों और डिपॉजिटरी कंपनियों जैसे मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) के शीर्ष अधिकारियों के कार्यकाल को लेकर बड़ा प्रस्ताव रखा है। इसके तहत, मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के कार्यकाल की अधिकतम सीमा तय की जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक किसी एक एमआईआई में एमडी का अधिकतम कार्यकाल 8 साल होगा, जबकि अलग-अलग संस्थानों में एमडी के तौर पर काम करने की कुल सीमा 12 साल तय की गई है। हालांकि, पहले से इस पद पर काम कर रहे अधिकारियों को कुल 15 साल तक की छूट मिलेगी। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के लिए एक संस्थान में 8 साल और कुल 16 साल की सीमा प्रस्तावित है। वर्तमान में एमडी और ईडी एक संस्थान में अधिकतम 10 साल तक काम कर सकते हैं। इस प्रस्ताव का सीधा असर एनएसई और बीएसई जैसे प्रमुख संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों पर पड़ सकता है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीषकुमार चौहान पहले ही विभिन्न एक्सचेंजों में करीब 14 साल इस पद पर रह चुके हैं। उनका मौजूदा कार्यकाल जुलाई 2027 में समाप्त होगा। यदि यह



प्रस्ताव लागू होता है, तो मौजूदा अधिकारियों के लिए प्रस्तावित 15 साल की कुल सीमा उनके भविष्य के कार्यकाल के लिए अहम होगी। बीएसई में भी नए सीईओ की तलाश जारी है, क्योंकि मौजूदा एमडी और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति का कार्यकाल जून 2027 में खत्म हो रहा है। यह बदलाव सीडीएसएल और एमसीएक्स जैसे अन्य एमआईआई को भी प्रभावित करेगा।

नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 9 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई ।

भारत के घरेलू निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली तेजी दर्ज की गई। एचएसबीसी के आंकड़ों के मुताबिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन किया और इसमें नौ महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सर्विस सेक्टर की ग्रोथ थोड़ी धीमी पड़ गई। कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर के 56.2 से बढ़कर नवंबर में 56.3 पर पहुंच गया, जो समग्र आर्थिक सेहत में सुधार का संकेत देता है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रहा, इसका पीएमआई अक्टूबर के 54.7 से बढ़कर नवंबर में 56.0 पर पहुंच गया, जो नौ महीनों का उच्चतम स्तर है। उत्पादन और नए ऑर्डर ने इस क्षेत्र को गति दी। इसके विपरीत, सर्विस सेक्टर का बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर के 55.8 से घटकर नवंबर में 55.3 पर आ गया, जिससे इसकी रफ्तार में कमी आई। नवंबर में कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की रफ्तार तेज हुई, खासकर मैन्युफैक्चरिंग में। निर्यात ऑर्डर भी चार महीनों में सबसे तेजी से बढ़े। रोजगार में कुल मामूली बढ़ोतरी हुई। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने सात महीनों में सबसे तेजी से नियुक्तियां कीं, हालांकि, सर्विस सेक्टर में करीब एक साल बाद पहली बार कर्मचारियों की संख्या घटी।

टाटा स्टील अपने दो कारोबार एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ में बेचेगी

एपीएल अपोलो को नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर मिलेगा

नई दिल्ली ।

स्टील सेक्टर से जुड़ी एक बड़ी खबर में दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने अपने दो प्रमुख कारोबारों को एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ रुपए के एक बड़े सौदे में बेचने की घोषणा की है। कंपनी बोर्ड ने हाल ही में इस रणनीतिक बिक्री को मंजूरी दी है, जिसके तहत ट्यूब्स कारोबार और कलर कोटेड स्टील से जुड़ी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को हस्तांतरित की जाएगी। यह सौदा टाटा स्टील के लिए अपने कारोबार को व्यवस्थित करने और निवेश का मूल्य प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होगा, जबकि एपीएल अपोलो के लिए यह विस्तार का बड़ा अवसर है। इस सौदे के तहत, टाटा स्टील अपने ट्यूब्स कारोबार को अधिकतम 11,700 करोड़ रुपए में बेचेगी, जिसमें स्टील ट्यूब्स, पाइप बनाने, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और बिक्री से जुड़े कार्य शामिल हैं। जमशेदपुर, होसुर, खोपोली और साहिबाबाद की मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां भी इस दायरे में आएंगी। दूसरा बड़ा सौदा 16,300 करोड़ रुपए का है, जिसमें टाटा स्टील अपनी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में टाटा ब्लूस्कोप स्टील) की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को बेचेगी।

इस तरह कुल सौदा 28,000 करोड़ रुपए का है। टाटा स्टील के मुताबिक, इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपने डाउनस्ट्रीम कारोबार को व्यवस्थित करना और उसमें किए गए निवेश का मूल्य प्राप्त करना है।

वहीं, एपीएल अपोलो के लिए यह अपने कारोबार के विस्तार और नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर होगा, खासकर ट्यूब्स कारोबार को एपीएल अपोलो के बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का लाभ मिलेगा। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च 2028 तक पूरी होने की उम्मीद है, हालांकि इसके लिए आवश्यक नियामक मंजूरियां लेना बाकी है। इस बड़े अधिग्रहण के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

दो बड़े आईपीओ के बीच बिटकॉइन में 23% की गिरावट

क्रिप्टो बाजार से निवेशकों की दूरी

टेक शेयरों की ओर बढ़ रहा निवेश

नईदिल्ली ।

दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में पिछले एक महीने के दौरान करीब 23 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। दो बड़ी कंपनियों एंथ्रोपिक और स्पेसएक्स के आईपीओ की तैयारियों के बीच क्रिप्टो बाजार में यह गिरावट चर्चा का विषय बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, निवेशक क्रिप्टोकरेंसी से पैसा निकालकर टेक्नोलॉजी कंपनियों के शेयरों में निवेश कर रहे हैं। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, एंथ्रोपिक की 19 नवंबर को प्रस्तावित लिस्टिंग से पहले एक महीने में बिटकॉइन की कीमत 22.7 फीसदी तक गिर गई। इससे पहले स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले भी एक महीने में बिटकॉइन में 22.3 फीसदी की गिरावट आई थी। इथेरियम भी इस दौरान दबाव में रहा। इसी तरह इथेरियम में भी एंथ्रोपिक के आईपीओ से पहले 25.3 फीसदी और स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले 28 फीसदी की गिरावट आई थी। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है, इसके पीछे केवल आईपीओ नहीं, बल्कि अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से भारी निकासी, मुख्य कारण है। निवेशकों की अनिश्चितता, ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और बड़े पैमाने पर ट्रेडिंग पोजिशन का बंद होना भी इस गिरावट के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से नवंबर में करीब 3.5 अरब डॉलर की निकासी हुई है। आगे क्या होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक, बिटकॉइन के लिए 60 हजार से 62 हजार डॉलर का स्तर बेहद महत्वपूर्ण है।

दो का शेयर बना 368 ! क्यूपिड ने निवेशकों को बनाया करोड़पति

पांच साल में 17,000 फीसदी से ज्यादा का बंपर रिटर्न

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में किस्मत पलटने वाले शेयरों की कमी नहीं, क्यूपिड लिमिटेड उनमें से एक है। कंडोम और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स बनाने वाली इस कंपनी के शेयर ने अपने निवेशकों को अप्रत्याशित रूप से मालामाल कर दिया है, एक समय महज 2 रुपये में मिलने वाला यह स्टॉक अब 368 रुपये के पार पहुंच गया है। क्यूपिड लिमिटेड का शेयर पिछले पांच सालों में मल्टीबैगर साबित हुआ है।

26 नवंबर 2021 को जहां इसकी कीमत मात्र 2.13 रुपये थी, वहीं अब यह 368 रुपये के स्तर को छू चुका है। इस दौरान इसने अपने निवेशकों को 17,059.62 फीसदी का अविश्वसनीय रिटर्न दिया है। यदि उस समय किसी निवेशक ने 1 लाख रुपये लगाए होते, तो आज उसकी यह रकम बढ़कर 1.71 करोड़ रुपये से भी अधिक होती। इस तूफानी उछाल से कंपनी का मार्केट कैप भी 49,160 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

यह स्टॉक केवल लंबी अवधि के लिए ही नहीं, बल्कि कम समय में भी निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया है।

पिछले एक साल में शेयर ने 441 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देकर पैसा पांच गुना किया है। वहीं, छह महीने में ही इसमें 203 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों की रकम लगभग तीन गुनी हो गई।

एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद बिसलेरी ने अपना पानी सुर क्षित बताया

कंपनी ने कहा, मामला पुराना, बाद की जांच में ब्रोमेट सीमा के भीतर

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुकदमा चलाने के आदेश के बाद, बिसलेरी इंटरनेशनल ने सोमवार को अपने पैक्ड पेयजल को सुरक्षित बताया है। यह प्रतिक्रिया एफएसएसएआई के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने एक नमूने को असुरक्षित बताकर कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। बिसलेरी ने कहा कि उसे एफएसएसएआई से कोई औपचारिक नोटिस नहीं मिला है और वह नियामक के साथ सहयोग करेगी। बिसलेरी इंटरनेशनल ने स्पष्ट किया कि यह मामला लगभग 14 महीने पुराना है और सितंबर 2025 में उसके गोवा स्थित एक संयंत्र से तैयार बैच से जुड़ा है। एफएसएसएआई ने गोवा संयंत्र से छह नमूने लिए थे, जिनमें से एक में ब्रोमेट का स्तर निर्धारित सीमा (10



माइक्रोग्राम प्रति लीटर) से अधिक (12 माइक्रोग्राम) पाया गया था। हालांकि, कंपनी की अपील पर एफएसएसएआई द्वारा मान्यता प्राप्त एक रेफरल प्रयोगशाला ने उसी नमूने की दोबारा जांच की, जिसमें ब्रोमेट की मात्रा तय सीमा के भीतर पाई गई। नतीजों में अंतर आने के बाद, बिसलेरी ने स्वतंत्र रूप से भी जांच कराई, जिसमें भी ब्रोमेट का स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर निकला। कंपनी ने 2 फरवरी, 2026 को इन स्वतंत्र जांच रिपोर्टों को एफएसएसएआई को सौंप दिया था और तब से उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।

त्योहारी सत्र में वाहनों की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड 55.25 लाख इकाई पहुंची

वर्ष 2024 के त्योहारी सत्र की तुलना में खुदरा बिक्री में 23.95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

भारत में वाहनों की खुदरा बिक्री इस साल त्योहारी सत्र के दौरान सालाना आधार पर 2.21 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 55.25 लाख इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल जीएसटी 2.0 के कारण मांग बढ़ने से ऊंचे आधार के बावजूद यह वृद्धि दर्ज की गई। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। फाडा के अनुसार 2026 में 42 दिन की त्योहारी अवधि के दौरान वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 55,25,490 इकाई रही, जो समान अवधि के लिए अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वर्ष 2024 के त्योहारी सत्र की तुलना में वाहनों की खुदरा बिक्री में 23.95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाए जाने के बाद मांग की निरंतर रफ्तार को दर्शाती है। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार 3.67 प्रतिशत बढ़कर 43,13,276 इकाई हो गई, जबकि तिपहिया वाहनों की बिक्री 5.32 प्रतिशत बढ़कर 1,93,576 इकाई रही। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 7.13 प्रतिशत बढ़कर 1,55,761 इकाई, ट्रैक्टर की बिक्री 2.24 प्रतिशत बढ़कर 1,03,809 इकाई और निर्माण उपकरणों की बिक्री 26.06 प्रतिशत उछलकर 10,452 इकाई पर पहुंच गई।

हालांकि, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 7.16 प्रतिशत घटकर 7,48,616 इकाई रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 8,06,322 इकाई थी। इस दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 52.62 प्रतिशत उछलकर पांच लाख इकाई के पार निकल गई। इसमें इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों का मुख्य योगदान रहा।

जनता ने नकार दिया भजनलाल शर्मा का नेतृत्व ! अपने भी बैठे हैं नाराज, क्या अब सीएम बदलेंगे मोदी-शाह?



नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है।

राजस्थान की राजनीति में गांवों की चौपाल से उठने वाला संदेश अक्सर सत्ता के गलियारों तक पहुंचते-पहुंचते बड़ा सियासी सवाल बन जाता है। पंचायत चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर सामने आई तस्वीर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व, सरकार की कार्यशैली और प्रदेश भाजपा संगठन के भीतर तालमेल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा ने जिस राजनीतिक उम्मीद के साथ भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी, उस उम्मीद के बाद अब तक हुए चुनावी पड़ावों को लेकर पार्टी के सामने आत्ममंथन की स्थिति बनी हुई है। सवाल केवल पंचायत चुनावों में हार-जीत का नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक दिशा का है जिसके सहारे भाजपा राजस्थान में अपना जनाधार मजबूत रखने की कोशिश कर रही थी।

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है। भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में इन सभी मोर्चों पर समन्वय को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा के लिए राजस्थान में राजनीतिक चुनौती की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से ही हो गई थी। विधानसभा चुनावों में 115 सीटें जीतकर सत्ता में आई भाजपा लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी थी, लेकिन उसे 14 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 11 सीटें हासिल कर भाजपा के उस राजनीतिक दबदबे को चुनौती दी, जिसे पार्टी विधानसभा चुनावों की जीत के बाद अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही थी।

इसके बाद इस साल सितंबर में हुए शहरी निकाय चुनावों की तस्वीर भी भाजपा के लिए पूरी तरह एकतरफा नहीं रही। प्रदेश के 7,475 शहरी वार्डों में भाजपा को 3,054 और कांग्रेस को 2,786 सीटें मिलीं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 1,635 वार्डों में जीत दर्ज की। दस नगर निगमों में भाजपा पांच में आगे रही, कांग्रेस तीन में और एक में निर्दलीय आगे रहे, जबकि जोधपुर में मुकाबला बराबरी का रहा। यानी शहरी निकायों में भी भाजपा को ऐसा निर्विवाद जनसमर्थन नहीं मिला, जिसकी उम्मीद सत्ता में बैठी पार्टी कर सकती थी। अब पंचायत चुनावों ने इस राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट कर दिया है। गांवों में भाजपा को जिस तरह कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों से चुनौती मिली, उसने प्रदेश सरकार के लिए नई राजनीतिक परिस्थिति पैदा कर दी है।

देखा जाये तो राजस्थान के 37 जिलों में आए पंचायत चुनाव परिणाम भाजपा के लिए खासे महत्वपूर्ण हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के नतीजों में कांग्रेस ने भाजपा से कहीं अधिक सीटें हासिल कीं। पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2,213 सीटों पर सिमट गई। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 497 और भारत आदिवासी पार्टी को 278 सीटें मिलीं। जिला परिषद की 1,275 सीटों में भी कांग्रेस ने 794 और भाजपा ने 357 सीटें हासिल कीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस को बहुमत मिला, जबकि भाजपा पांच जिलों में बहुमत हासिल कर सकी। आठ जिलों में निर्दलीय निर्णायक स्थिति में रहे।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा की चुनौती केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं रही। पश्चिमी राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की आरएलपी और आदिवासी क्षेत्रों में बीएपी की मौजूदगी ने यह दिखाया कि ग्रामीण राजनीति में स्थानीय नेतृत्व और क्षेत्रीय मुद्दों की अपनी ताकत है। वैसे भी पंचायत चुनावों में मतदाता केवल जयपुर या दिल्ली के राजनीतिक नारों पर नहीं, बल्कि अपने इलाके के प्रतिनिधियों और स्थानीय समस्याओं पर भी फैसला करते हैं।



साथ ही मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी आरएलपी के उम्मीदवारों की जीत ने इन चुनावों को और राजनीतिक महत्व दे दिया। देखा जाये तो भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राजस्थान में एक नया राजनीतिक प्रयोग किया था। पार्टी ने अनुभवी और स्थापित चेहरों के बजाय पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा को प्रदेश की कमान सौंपी थी। यह फैसला पूरी तरह केंद्रीय नेतृत्व का था और इसके पीछे संगठनात्मक तथा राजनीतिक रणनीति काम कर रही थी। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को साधने की थी। राजस्थान में भाजपा की राजनीति लंबे समय से वसुंधरा राजे के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। ऐसे में नए मुख्यमंत्री के लिए पुराने और वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना बेहद जरूरी था।

यहीं से सरकार और संगठन के भीतर समन्वय को लेकर सवाल उठने लगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अप्रैल 2025 में झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। उनका सवाल था कि जब जनता पानी के लिए परेशान है तो अधिकारी अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रहे हैं? यह केवल अधिकारियों के कामकाज पर नाराजगी नहीं थी, बल्कि सरकार के सामने खड़ी स्थानीय समस्याओं की गंभीरता को भी उजागर करता था।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का अपना जनाधार और राजनीतिक प्रभाव रहा है। ऐसे में उनकी सार्वजनिक नाराजगी को महज एक प्रशासनिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटनाक्रम इस सवाल को भी जन्म देता है कि क्या मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और सरकार के बीच ऐसा संवाद स्थापित कर पाए हैं, जिसमें स्थानीय स्तर पर उठने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके।

इसके अलावा, भजनलाल सरकार के शुरुआती कार्यकाल में ही कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा राजनीतिक चर्चा का बड़ा विषय बना था। लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया था। करीब दस महीने तक उन्होंने नियमित मंत्री की तरह कामकाज से दूरी बनाए रखी थी। इस दौरान उनके इस्तीफे की स्थिति, मंत्रिमंडल की बैठकों से उनकी अनुपस्थिति और विभागीय कामकाज को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। अप्रैल 2025 में केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने दोबारा मंत्री के रूप में कामकाज संभाला था। उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था और उन्हें फिर से जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा गया था।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम अपने आप में भाजपा सरकार के भीतर चल रही राजनीतिक असहजता का महत्वपूर्ण उदाहरण था। जिस मंत्रिमंडल को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एकजुट होकर काम करना चाहिए था, वहां एक वरिष्ठ मंत्री का इतने लंबे समय तक अलग-थलग रहना सरकार की कार्यशैली और आंतरिक समन्वय पर सवाल खड़े करता रहा। इसके अलावा जून 2025 में भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी सामने आई। पूर्व विधायकों, सांसदों और चुनाव लड़ चुके नेताओं ने अपनी समस्याएं और क्षेत्रीय कार्यों की अनदेखी को लेकर पार्टी नेतृत्व के सामने शिकायतें रखी थीं।

देखा जाये तो राजस्थान जैसे बड़े राज्य में पार्टी केवल दिल्ली के निर्देशों से नहीं चल सकती। यहां हर क्षेत्र की अपनी राजनीतिक परिस्थितियां हैं, अपने जातीय और सामाजिक समीकरण हैं और अपने प्रभावशाली नेता हैं। यदि प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं को ही अपनी बात रखने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का दरवाजा खटखटाना पड़े तो इसका असर सरकार और संगठन के जमीनी ढांचे पर पड़ना स्वाभाविक है। साथ ही चुनाव में सत्ता हासिल करने के लिए किए गए वादों का असली इम्तिहान सत्ता में आने के बाद होता है। राजस्थान में आम जनता के सामने आज भी महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े सवाल महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, किसानों की समस्याएं और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना राजनीतिक चर्चा के बड़े विषय बने हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के समय शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी शुरुआती दौर में भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति बनी। लाभार्थियों के बीच यह सवाल रहा कि पुरानी योजनाएं किस रूप में जारी रहेंगी, किन योजनाओं में बदलाव होगा और नई सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी? देखा जाये तो सरकार बदलने के बाद योजनाओं की समीक्षा और पुनर्गठन अपनी जगह है, लेकिन आम आदमी के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उसे मिलने वाली सुविधा बाधित न हो।

साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी भर्तियां और रोजगार के अवसर, अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, ग्रामीण इलाकों में पेयजल की उपलब्धता और किसानों की समस्याओं का समाधान ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन होता है। केवल घोषणाओं और बजट प्रावधानों से जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं। उसका सीधा संबंध जमीन पर मिलने वाली सुविधाओं से है।

देखा जाये तो राजस्थान में पंचायत चुनावों का परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां गांवों का राजनीतिक संदेश सीधे प्रदेश की सत्ता और संगठन के कामकाज से जुड़ता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़े नेताओं के चेहरे तथा राष्ट्रीय मुद्दे प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन पंचायत चुनावों में स्थानीय संपर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और क्षेत्रीय समस्याएं निर्णायक भूमिका निभाती हैं। कांग्रेस का 23 जिलों में बहुमत हासिल करना और भाजपा का केवल पांच जिलों में सिमटना प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम है। जिला परिषदों में कांग्रेस की 794 और भाजपा की 357 सीटों का अंतर भी इस चुनावी तस्वीर को स्पष्ट करता है।

ऐसे में भजनलाल शर्मा के सामने चुनौती केवल पंचायत चुनावों के परिणामों की समीक्षा करने की नहीं है। सवाल यह है कि सरकार और संगठन के बीच वह राजनीतिक तालमेल कैसे बनेगा, जिसकी कमी की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। वसुंधरा राजे जैसे वरिष्ठ नेताओं की सार्वजनिक नाराजगी, किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे वाला लंबा प्रकरण और कार्यकर्ताओं की शिकायतें अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इन्हें एक साथ देखने पर प्रदेश भाजपा के भीतर समन्वय की चुनौती सामने आती है।

देखा जाये तो राजस्थान में सत्ता की राजनीति केवल जयपुर के सचिवालय और दिल्ली के पार्टी मुख्यालय से नहीं चलती। उसकी असली परीक्षा गांवों की चौपाल, किसानों के खेत, कस्बों के बाजार और आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं के बीच होती है। लोकसभा चुनाव के बाद शहरी निकायों और अब पंचायत चुनावों के नतीजों ने भाजपा के सामने लगातार राजनीतिक सवाल खड़े किए हैं।

बहरहाल, पंचायत चुनावों का जनादेश इस बात का संकेत है कि राजस्थान में भाजपा के सामने केवल विपक्ष की चुनौती नहीं है, बल्कि अपने संगठन, अपने नेताओं और अपने जमीनी जनाधार को साथ लेकर चलने की भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठना लाजिमी है कि कहीं सरकार और संगठन, दोनों स्तरों पर अपेक्षित परिणाम देने में नाकाम रहने वाले भजनलाल शर्मा की जगह भाजपा नेतृत्व किसी दूसरे चेहरे को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला न कर ले। आखिरकार, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी चुनावी नतीजों और सरकार के प्रदर्शन को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकता।

संपादकीय

यमुना भी मैली

पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट नहीं मिल सके। लेकिन अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद यमुना और मैली हो गई है। मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है, लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है तो खामोशी ओढ़ लेता है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है। सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार प्रयास होते ही नहीं। यदि होते तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती। मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी-भरकम राशि कहां गई, जो सफाई पर खर्च की गई थी? आखिर क्या वजह है कि नदी का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया? सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी उल्लेख किया कि गंदा पानी ले जाने वाले 520 नाले यमुना में क्यों गिराए जा रहे हैं? कोर्ट ने प्रश्न किया कि जिन विभागों की जिम्मेदारी यमुना में गंदे नालों को जाने से रोकने की थी, उन्होंने क्या किया?

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा -अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईर्ष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है।

गुरु नानक देव ने फ़ैलाया जगत में ज्ञान का प्रकाश



सनत जैन

अंधविश्वास और आडंबरों को दूर कर ज्ञान का प्रकाश सारे जगत में फैलाने वाले गुरु नानक का प्रकाश उत्सव यानि अवतरण दिवस कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है, हालांकि उनका वास्तविक जन्म 15 अप्रैल 1469 को हुआ था। गुरु नानक देव पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर जन्मे थे। उनके माथे पर शुरू से ही तेज आभा बनी हुई थी। तलवंडी जो अब पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील दूर पश्चिम में स्थित है, गुरु नानक का नाम साथ जुड़ने के बाद ननकाना कहलाया। गुरु नानक के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

बचपन में जब नानक देव के अन्य साथी बच्चे खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित हो जाते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा ,लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते और वे उनके ज्ञान व प्रतिभा को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर इस संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भी भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। अन्ततः नानक देव ने घर बार छोड़ दिया और दूर देशों में भ्रमण करना शुरू किया। इससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। उन्होंने कबीरदास की निर्गुण उपासना का प्रचार पंजाब से आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु बन हुए।

गुरु नानक देव का विवाह सन सन1485 में बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके दो पुत्र श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द हुए। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। उनके पिता ने उन्हें घोड़ों का व्यापार करने के लिए जो राशि दी थी, वह भी नानक जी ने साधु सेवा में लगा दी। कुछ समय बाद नानक जी अपने बहनोई के पास सुल्तानपुर चले गये। वहां वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत खां के यहां मादी रख लिये गये। नानक जी अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते थे और जो भी आय होती थी, उसका ज्यादातर हिस्सा साधुओं और गरीबों को दे देते थे।

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ। इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की यात्राएं भी कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में आकर बस गये और सन1521 ई. से सन1539 ई. तक वहीं रहे।

गुरु नानक देव ने जात-पांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर प्रथा शुरू की । लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। गुरु नानक देवजी का जन्मदिन प्रतिवर्ष गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं। गुरु नानक जी का निधन सन सन1539 ई. में हुआ। उन्होंने गुरुगद्दी का भार गुरु अंगददेव (बाबा लहना) को सौंप दिया थाऔर स्वयं करतारपुर में ज्योति में लीन हो गए।

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। नाम-



स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत-प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दीं जो यहां प्रस्तुत हैं,

ईश्वर एक है,सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो। ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है। ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए। बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए। मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से ज़रूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं। भोजन शरीर को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।गुरु नानक देव की दी हुई शिक्षा से समाज मे व्यापक जागृति आई और वे सिर्फ सिख धर्म ही नही सम्पूर्ण समाज के प्रेरक बने।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!



डॉ. प्रियंका सौरभ

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है—यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता।

जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है।

विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं।

एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा।

निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती। सबसे चिंताजनक स्थिति जवाबदेही के धुंधले पड़ने की है। सरकारी अधिकारी कह सकता है कि निर्णय प्रणाली के सुझाव पर लिया गया, तकनीकी कंपनी कह सकती है कि उसने केवल उपकरण दिया, और विभाग कह सकता है कि प्रक्रिया स्वचालित थी। अंततः नागरिक किसे जवाबदेह ठहराए? लोकतंत्र में जिम्मेदारी का कोई रिक्त स्थान नहीं हो सकता। मशीन के पीछे छिपकर निर्णय लेने वाले अधिकारियों को प्रशासनिक उत्तरदायित्व से बचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकारी निर्णय में एआई का इस्तेमाल हुआ है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किसने लिया और उसके परिणामों की जिम्मेदारी किसकी है।

शासन में एआई के उपयोग पर पारदर्शिता कोई कृपा नहीं, नागरिक का अधिकार होना चाहिए। नागरिक को बताया जाए कि उसके आवेदन, शिकायत, पात्रता या किसी अन्य प्रक्रिया में एआई की भूमिका है या नहीं। निर्णय का आधार क्या है, संबंधित जानकारी कहाँ से आई और यदि निर्णय गलत है तो उसे चुनौती देने का रास्ता क्या है—इन सवालों के उत्तर उपलब्ध होने चाहिए। तकनीकी जटिलता को जवाबदेही से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

ड्रग कार्टेल का सरगना एल चापो इसिद्रो गिरफ्तार, सड़कों पर गिरोह के लोगों ने की गोलीबारी; 11 की मौत

सिनालोआ, एजेंसी। मैक्सिको के सिनालोआ राज्य में ड्रग कार्टेल के एक बड़े सरगना की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क उठी। शुक्रवार रात शुरू हुई गोलीबारी और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। मैक्सिको के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मारे गए लोगों में कार्टेल के सात संदिग्ध बंदूकधारी और चार सैनिक शामिल हैं। कार्टेल सरगना फॉस्तो इसिद्रो मेजा फ्लोरेस को 'एल चापो इसिद्रो' के नाम से जाना जाता है। वह एफबीआई की दस सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल था। अमेरिकी खुफिया जानकारी के आधार पर मैक्सिको के अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार किया। इस अभियान में मेजा फ्लोरेस समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया गया। मेजा फ्लोरेस बेल्ट्रान लेवा कार्टेल में ऊंचे पद तक पहुंचा था। बाद में उसने अपना अलग संगठन मेजा-फ्लोरेस ट्रांसनेशनल क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन बनाया। अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर पांच मिलियन डॉलर के इनाम की घोषणा कर रखी थी। उस पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध रूप से हथियार रखने के आरोप थे।

फ्रांस में न्यूज चैनलों के खिलाफ गुस्सा दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप, चैनल बंद करने की मांग

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के प्रमुख न्यूज चैनल बीएफएम टीवी के न्यूजरूम में इन दिनों अजीब-सी बेचैनी का माहौल है। तकनीशियन थॉमस लियोनेटी और उनके 159 साथियों ने अपने ही प्रबंधन के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद कर दिया है। प्रबंधन को लिखे एक पत्र में इन कर्मचारियों ने कहा है कि चैनल पर जिस तरह दक्षिणपंथी विचारधारा को बढ़ावा दिया जा रहा है, उससे उन्हें अब बीएफएम टीवी में काम करने पर शर्म महसूस होती है। फ्रांस में पिछले दो महीनों से जारी छात्र आंदोलनों और हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच बीएफएफ के अलावा एक अन्य प्रमुख न्यूज सी-न्यूज भी सवालों के घेरे में है। विवाद इस कदर बढ़ चुका है कि 10 लाख से ज्यादा लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर फ्रांसीसी सरकार से सी-न्यूज का प्रसारण लाइसेंस रद्द करने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि चैनल नस्लवादी भाषा और दक्षिणपंथी दुष्प्रचार के जरिए नफरत फैला रहा है। हालांकि, फ्रांस की नेशनल असेंबली ने सी-न्यूज का लाइसेंस रद्द करने से इन्कार करते हुए कहा कि यह सांसदों का काम नहीं है, बल्कि इस पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस होगी। 2019 से अब तक फ्रांस के प्रसारण नियामक की ओर से सी-न्यूज को 20 बार चेतावनी या दंड दिया जा चुका है, जिसमें छह बार तो इसी साल कार्रवाई हुई है। जब फ्रांस में विरोध प्रदर्शन भड़के तो इन चैनलों ने जलती कारों, टूटे शीशों और तीखी टिप्पणियों का पुराना फॉर्मूला अपनाया। नतीजा यह हुआ कि जनता का गुस्सा अब खुद इन चैनलों की टीमों पर फूटने लगा है। इसी महीने ल्योन शहर में प्रदर्शन कवर कर रही बीएफएम की कैमरा टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया। वहीं, ट्रैप्स उपनगर में शोक सभा के दौरान चैनल की टीम से बदसलूकी की गई।

बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान का हमला- पैट्रियट एयर डिफेंस रडार को बनाया निशाना, दी क्या चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से संयुक्त हमला किया। संगठन के मुताबिक, इस कार्रवाई में अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े दो रडार को निशाना बनाया गया। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी पर प्रसारित बयान के अनुसार, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने बहरीन के अल-रिफा और अवाली सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इन ठिकानों पर अमेरिकी पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े रडार तैनात हैं। आईआरजीसी ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी एमक्यू-1 और एमक्यू-9 ड्रोन की ओर से ईरानी हवाई क्षेत्र के कथित बार-बार उल्लंघन और ईरान के हेंगम द्वीप पर एक रडार प्रतिष्ठान पर हमले के जवाब में की गई। संगठन ने यह भी दावा किया कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य एस्कॉर्ट और हवाई सुरक्षा अभियान अपने उद्देश्यों को हासिल करने में नाकाम रहे। आईआरजीसी ने ईरान के हवाई क्षेत्र को रेड लाइन बताते हुए चेतावनी दी कि आगे किसी भी तरह की घुसपैठ होने पर कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की जाएगी।

विमान में घुसे नकाबपोश अधिकारी, मां के सामने बेटी को ले गए; उड़ान में देरी, क्यों उठ रहे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को आव्रजन (इमिग्रेशन) अधिकारियों ने दो यात्रियों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने अपने चेहरे ढक रखे थे। उन्होंने यात्रियों के विमान में सवार होने के दौरान यह कार्रवाई की। इससे वहां अफरातफरी मच गई। इस कारण लॉस एंजिलिस जाने वाली उड़ान में देरी हुई। एयरलाइन अधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने भी इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। यह घटना उस समय हुई, जब यात्री अलास्का एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1306 में सवार हो रहे थे। इस विमान को सुबह 8:10 बजे रवाना होना था। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अधिकारी जमीन पर गिरे एक व्यक्ति को काबू करने की कोशिश करते दिखे। इस दौरान आसपास यात्री अपना सामान लेकर खड़े थे। एक महिला चिल्ला रही थी कि अधिकारी उसकी बेटी को ले जा रहे हैं। उसने यह भी कहा कि उसकी बेटी के पास काम करने का परमिट है। एयरलाइन ने इस घटना को यात्रियों और कर्मचारियों के लिए परेशान करने वाला बताया। उसने कहा कि अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी के अधिकारियों ने इस कार्रवाई से पहले एयरलाइन को कोई जानकारी नहीं दी थी।

अमेरिकी एजेंसी ने क्या वजह बताई : अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी ने एक्स पर एक



बयान जारी किया। उसने बताया कि उसके अधिकारियों ने 21 नवंबर को सुबह करीब 8:05 बजे (स्थानीय समय) एक विशेष अभियान चलाया था। इस अभियान का मकसद रिकार्डो लारोंदो मेंडोजा को गिरफ्तार करना था। वह मेक्सिको का नागरिक है। एजेंसी के मुताबिक, वह अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रह रहा था। एजेंसी ने अपने बयान में कहा, 21 नवंबर, 2026 को सुबह करीब 8:05 बजे, एजेंसी के अधिकारियों ने रिकार्डो लारोंदो मेंडोजा को हिरासत में लेने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। वह मेक्सिको का एक अवैध प्रवासी है, जिसने हमारे देश के कानूनों का उल्लंघन करते हुए अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी यहां रहना जारी रखा। एजेंसी ने बताया कि इस दौरान एक अन्य यात्री सोफिया हर्नांडेज मेजिया को भी हिरासत में लिया गया। आरोप है कि उसने हंगामे के दौरान अधिकारियों पर गर्म कॉफी फेंकी थी। एजेंसी के मुताबिक, सोफिया मेक्सिको की नागरिक है। वह भी अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद अमेरिका में रह रही थी। उस पर एक संघीय अधिकारी पर हमला करने का आरोप लगाया जा सकता है।

अलास्का एयरलाइंस ने कार्रवाई पर क्या कहा : अलास्का एयरलाइंस ने इस कार्रवाई पर चिंता जताई। उसने कहा कि विमान में यात्रियों के सवार होने के दौरान यह कार्रवाई की गई। इससे पहले एयरलाइन को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई थी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, अलास्का की उड़ान संख्या 1306 में यात्रियों के सवार होने के दौरान आज सुबह हुई कानून लागू करने वाली एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर हम चिंतित हैं। एयरलाइन ने आगे कहा, हम इस बात को समझते हैं कि इस घटना से प्रभावित कर्मचारियों और यात्रियों को कितनी परेशानी हुई है। उसने दोहराया कि वह यात्रियों के साथ सम्मान और गरिमा से पेश आने के लिए प्रतिबद्ध है। एयरलाइन ने बताया कि वह सिएटल बंदरगाह प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रही है। यही प्रशासन सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है। दोनों यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस कार्रवाई में तय नियमों का पालन किया गया था। एयरलाइन ने यह भी कहा कि उसने सीधे संबंधित अधिकारियों के सामने अपनी चिंता रखी है।

जानकारी के मुताबिक, इस घटना के बाद विमान की उड़ान में देरी हुई। वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने अधिकारियों की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने एजेंसी के तरीकों को अमेरिका के मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ बताया। साथ ही, उन्होंने इस एजेंसी को खत्म करने की भी मांग की। श्रमिक संगठनों के नेताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फर्ग्यूसन ने कहा, वीडियो खौफनाक है और इसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें ऐसी आव्रजन व्यवस्था और सीमा सुरक्षा की जरूरत है, जो प्रभावी, नैतिक और मानवीय हो। लेकिन यह एजेंसी ऐसी नहीं है। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बची है। फर्ग्यूसन ने यह भी कहा कि वह इस बात की जांच कर रहे हैं कि संघीय अधिकारियों को विमान में चढ़ने वाले रास्ते तक पहुंच कैसे मिली। उन्होंने आशंका जताई कि अधिकारियों ने मार्च में उनके हस्ताक्षर से बने एक राज्य कानून का उल्लंघन किया हो सकता है। यह कानून कानून लागू करने वाले अधिकारियों के चेहरे ढकने पर रोक लगाता है।

नई सरकार बनाने की कोशिशों को झटका? नेतन्याहू की पार्टी ने रखीं कई शर्तें; क्या मानेंगे विपक्षी नेता

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड ने कई शर्तें रखी हैं। ये शर्तें संभावित राष्ट्रीय एकता सरकार में शामिल होने के लिए हैं। पार्टी ने कहा है कि युद्ध के दौरान बनाए गए इस्राइली सुरक्षा क्षेत्र बने रहने चाहिए। ये सुरक्षा क्षेत्र गाजा पट्टी, लेबनान और सीरिया में बनाए गए हैं। लिकुड ने ये मांगें एक आधिकारिक दस्तावेज में रखी हैं। यह दस्तावेज उस समय सामने आया, जब गादी आइजेनकोट की पार्टी याशर ने शनिवार को लिकुड को बातचीत का न्योता दिया। याशर ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए गठबंधन की बातचीत शुरू करने को कहा। पार्टी ने इसे लंबी और लगातार चलने वाली बातचीत बताया। याशर ने कहा कि उसकी बातचीत करने वाली टीम हरसंभव रास्ता तलाशेगी। टीम बड़े कदम उठाएगी। वह ऐसा रास्ता खोजेगी, जिससे नई सरकार बनाने की दिशा में सफलता मिल सके। लिकुड की दूसरी शर्तें क्या हैं? लिकुड की प्रस्तावित शर्तों में कई और बातें शामिल हैं। लिकुड की मांग है कि इस्राइल को यहूदी लोगों का राष्ट्र माना जाए। वह फलस्तीनी राष्ट्र बनाने के प्रस्ताव को खारिज करती है। पार्टी यह भी चाहती है कि अति-रूढ़िवादी विचारों को मानने वाले यहूदी छात्रों की सैन्य सेवा को लेकर भी सहमति बने। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी। क्या हमास के हमले की जांच पर भी शर्त रखी गई है? इससे पहले लिकुड ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के लिए एक और शर्त रखी थी। यह सरकार गादी आइजेनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के साथ बननी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, लिकुड ने कहा था कि हमास के सात अक्तूबर, 2023 के हमले की जांच के लिए राज्य जांच आयोग नहीं बनाया जाना चाहिए। हमले के बाद से विपक्षी दल ऐसे आयोग की मांग कर रहे हैं। लेकिन नेतन्याहू के गठबंधन ने इस मांग को खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि ऐसा आयोग निष्पक्ष नहीं होगा। इस्राइल के सरकारी समाचार चैनल कान के मुताबिक, रविवार को दोनों दलों के नेताओं की बैठक होगी। इस बैठक में जांच आयोग बनाने की शर्त पर भी चर्चा हो सकती है। शिन्हुआ ने कान न्यूज के हवाले से यह जानकारी दी। लिकुड ने कान न्यूज से कहा कि बातचीत के दौरान अहम विवादों पर चर्चा होनी चाहिए। इनमें हमास के हमले की जांच के लिए आयोग बनाने का मुद्दा भी शामिल है। आइजेनकोट पहले सेना प्रमुख रह चुके हैं। उन्हें सरकार बनाने के लिए छह दिसंबर तक का समय मिला है। राष्ट्रपति उन्हें दो सप्ताह तक का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं। 27 अक्तूबर को हुए चुनाव में नेतन्याहू के विरोधियों को संसद की कुल 120 सीटों में से 67 सीटें मिलीं।

जेलेंस्की की दो टूक, नाटो की सदस्यता ही यूक्रेन की मजबूत सुरक्षा; बोले- दो साल नहीं, हमेशा के लिए चाहिए गारंटी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दोहराया है कि देश की सुरक्षा की सबसे स्पष्ट गारंटी नाटो की सदस्यता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के इस सैन्य गठबंधन में शामिल होने से नाटो भी मजबूत होगा। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में उन्होंने बताया कि बर्लिन में कोएलिशन ऑफ द विलिंग यानी इच्छुक देशों के गठबंधन की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सहयोगी देश भी नाटो सदस्यता को सबसे प्रभावी विकल्प मानते हैं। जेलेंस्की ने नाटो के अनुच्छेद-5 जैसी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसी व्यवस्था कैसे काम करेगी। उन्होंने पूछा कि रूस के नए हमले की स्थिति में सहयोगी देश यूक्रेन की रक्षा के लिए कितने तैयार होंगे। उनके मुताबिक, किसी भी वैकल्पिक व्यवस्था में ठोस सैन्य प्रतिबद्धताएं जरूरी हैं। जेलेंस्की ने कहा कि सुरक्षा गारंटी केवल बयानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इन्हें लिखित रूप में स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि संकट के समय सहयोगी देशों की जिम्मेदारियां तय रहें। उन्होंने जोर दिया कि यूक्रेन को ऐसी व्यवस्था चाहिए, जो हमले की स्थिति में उसकी रक्षा कर सके। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि सुरक्षा गारंटी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी प्रभावी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें दो साल के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए सुरक्षा गारंटी चाहिए। उनके अनुसार, अस्थायी व्यवस्था से स्थायी शांति सुनिश्चित नहीं हो सकती। जेलेंस्की ने दावा किया कि पुतिन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बदलने और दुनिया को प्रभाव क्षेत्रों में बांटने के अपने उद्देश्य में सफल नहीं हुए हैं। उन्होंने यूक्रेन पर रातभर में 111 मिसाइलों के हमले की आलोचना करते हुए रूस को निशाने पर लिया। जेलेंस्की ने ओलेशकी से नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद के लिए अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप का आभार जताया।

इमिग्रेशन सुधार पर रिपब्लिकन में रार; वेंस ने केविन स्टिट के द्विदलीय कानून के प्रस्ताव को ठुकराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ओक्लाहोमा के गवर्नर केविन स्टिट की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपने कार्यकाल के आखिरी दो वर्षों में आव्रजन (इमिग्रेशन) पर दोनों दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी) की सहमति से कानून बनाने का आग्रह किया था। वेंस ने चेतावनी दी कि ऐसा करने से उन लोगों को माफी (एमनेस्टी) मिल सकती है, जिन्होंने अमेरिकी आव्रजन नियमों का उल्लंघन किया है। यह मतभेद तब सामने आया, जब रिपब्लिकन पार्टी के ही सदस्य स्टिट ने ट्रंप से आव्रजन कानूनों पर डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने को कहा। उनका तर्क था कि वाशिंगटन में दोनों दलों के बीच गतिरोध के कारण इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है। 19 नवंबर को जवाब देते हुए वेंस



ने वीजा धोखाधड़ी और नियोक्ताओं द्वारा नियमों के उल्लंघन को रोकने के प्रयासों को उन प्रस्तावों से अलग बताया, जिनमें बिना वैध दस्तावेजों वाले प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की बात कही जाती है।

बड़ी कंपनियों और नियोक्ताओं पर सख्ती के पक्ष में वेंस : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए वेंस ने कहा कि वह ऐसी नीतियों का समर्थन करते हैं, जो बड़ी कंपनियों को वीजा प्रणाली का गलत फायदा उठाने और नियोक्ताओं को आव्रजन कानूनों का उल्लंघन करने से रोकें। हालांकि, उन्होंने स्टिट के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूछा कि दोनों दलों की सहमति से सुधार की वकालत करके वह वास्तव में क्या हासिल करना चाहते हैं। वेंस ने लिखा, बहुत से लोगों को यह उन लोगों को माफी देने की कोशिश जैसा लगता है, जिन्होंने हमारे कानूनों को तोड़ा है। यह नैतिक रूप से और चुनावी नजरिए से भी विनाशकारी होगा।

स्टिट ने ट्रंप को दी द्विदलीय पहल की सलाह : स्टिट ने यूटा में नेशनल गवर्नर्स एसोसिएशन के न्यू गवर्नर्स लीडरशिप फोरम के दौरान पोलिटिको से बातचीत में अपना प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अपने प्रशासन के आखिरी दो वर्षों का उपयोग आव्रजन प्रणाली में बड़े बदलावों के लिए रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स को एक साथ लाने में करना चाहिए। स्टिट ने कहा, यह इतना भी जटिल नहीं है। लेकिन समस्या वाशिंगटन, डीसी में है, जहां हर पक्ष को लगता है कि वे इस मुद्दे पर जीत रहे हैं। उन्होंने मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन की आशंका के लिए भी इसी मुद्दे से जुड़े राजनीतिक ध्रुवीकरण को जिम्मेदार ठहराया। ओक्लाहोमा के गवर्नर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका को सुरक्षित सीमाओं, देश में आने वाले लोगों की स्पष्ट ट्रैकिंग और गहन पृष्ठभूमि जांच की जरूरत है। साथ ही, उन्होंने राज्य के नेताओं को श्रम की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक अधिकार देने की वकालत की। इसमें गवर्नरों को यह अधिकार देना भी शामिल है कि जब कोई व्यवसाय किसी कर्मचारी को प्रायोजित करे, तो वे उसे वर्क परमिट जारी कर सकें।

इंडोनेशिया की कैंडी फैक्टरी में भीषण आग, तीन की मौत; 36 कर्मचारी लापता, अपनों की तलाश में भटक रहे परिजन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के बैंटन प्रांत में शनिवार को एक कैंडी फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 36 कर्मचारी गायब हैं। बचाव दल उनकी तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आग बैंटन प्रांत के सेरांग जिले में स्थित पीटी फोनुसा अगुंग मुलिया फैक्टरी में लगी। यह इलाका राजधानी जकार्ता के पास है। यह फैक्टरी मिल्किटा नाम के ब्रांड की कैंडी और स्नैक्स बनाती है। ये उत्पाद दूध से तैयार किए जाते हैं।

कितने लोगों को बचाया गया: राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी ने एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक, फैक्टरी से 15 लोगों को जिंदा बचाया गया है। इनमें चार



घायल कर्मचारी भी शामिल हैं। वहीं, बचाव दल अब भी लापता 36 कर्मचारियों की तलाश कर रहे हैं।

बैंटन खोज और बचाव एजेंसी के संचालन अधिकारी रिज्की द्वियांतो ने बताया कि फैक्टरी के कई हिस्सों में अब भी आग लगी हुई है। उन्होंने कहा, कई जगहों पर आग अब भी जल रही है। दमकलकर्मी आग बुझाने के साथ ही प्रभावित जगहों को ठंडा करने में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के 12 घंटे से ज्यादा समय बाद भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुटे थे। सेरांग जिले और बैंटन प्रांत की दमकल टीमें फैक्टरी के अलग-अलग हिस्सों में आग बुझा रही थीं।

आग के बाद फैक्टरी में कैसा था मंजर : टेलीविजन पर दिखाई गई तस्वीरों में तीन मंजिला फैक्टरी आग की लपटों से घिरी नजर आई। आसमान में काले धुएं का गुबार उठ रहा था। इससे आसपास रहने वाले लोगों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। आग से जली इमारत के फर्श पर मुड़ी हुई धातु के टुकड़े बिखरे पड़े थे। छत की लोहे की चादरें भी जलकर काली हो गई थीं। वहां अन्य मलबा भी फैला हुआ था।

लापता कर्मचारियों के परिजन कर रहे इंतजार : फैक्टरी के बाहर लापता कर्मचारियों के परिजन बेचैन होकर इंतजार कर रहे थे। वे अपने परिवार के उन सदस्यों की खबर मिलने की उम्मीद कर रहे थे, जिनसे संपर्क नहीं हो पा रहा था। आग लगने की सही वजह का अभी पता नहीं चला है। अधिकारियों ने यह भी नहीं बताया कि आग लगने के समय सभी लापता कर्मचारी फैक्टरी के अंदर ही थे या नहीं। हालांकि, आग से बचकर निकले लोगों ने बताया कि तीसरी मंजिल पर लगी एक ठंडा करने वाली मशीन से आग शुरू हुई थी।

यमन में सऊदी ने किए हवाई हमले, होदेदा शहर को बनाया निशाना; हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया

सना/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने लाल सागर के तट पर बसे यमन के बंदरगाह शहर होदेदा पर शनिवार शाम हवाई हमले किए। सऊदी लड़ाकू विमानों ने कई हमले किए। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने इसकी जानकारी दी। चैनल ने इन हमलों को सऊदी आक्रामकता बताया। हालांकि, उसने हमलों में मारे गए या घायल हुए लोगों की संख्या नहीं बताई। नुकसान की जानकारी भी नहीं दी। एक स्थानीय निवासी ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि शहर में पांच से ज्यादा जोरदार धमाके हुए। उस समय भी लड़ाकू विमान आसमान में उड़ रहे थे। निवासी ने कहा, धमाके बेहद तेज थे। हम अब भी अपने ऊपर विमानों की आवाज सुन सकते थे।

हूती विद्रोहियों ने क्या दावा किया : वहीं, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरीया ने अलग से बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने यमन के आठ प्रांतों में 71 हमले किए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, इन हमलों में लोग हताहत हुए हैं। सरीया ने एक्स पर एक बयान भी जारी किया। उन्होंने कहा कि ताजा हमलों के बाद सऊदी अरब की ओर से किए गए हवाई और मिसाइल हमलों की संख्या 5,500 हो गई है। यह संख्या सैन्य तनाव दोबारा बढ़ने के बाद से अब तक हुए हमलों की है।

सऊदी ने हूती विद्रोहियों के कितने ड्रोन और मिसाइल रोके : इस बीच, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने शनिवार को एक्स पर बताया कि गठबंधन की सेना ने हूतियों की ओर से रियाद की तरफ भेजे गए एक ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। इससे पहले, गठबंधन ने बताया था कि उसकी सेना ने रियाद की ओर दागी गई हूती विद्रोहियों की तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। गठबंधन ने एक और ड्रोन को रोकने की जानकारी दी। यह ड्रोन हूतियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र की ओर भेजा था। ये घटनाएं ऐसे समय हुई हैं, जब यमन में हूती विद्रोहियों और सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो रही है। यमन की सरकारी सेना को सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन हासिल है। पिछले कुछ दिनों में हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल ठिकानों पर कई बार मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। वहीं, हूती विद्रोहियों के मीडिया संस्थानों ने यमन में सऊदी अरब के हवाई हमले तेज होने की खबरें दी हैं। यमन में दिसंबर 2014 के आखिर से संघर्ष जारी है। उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सैन्य कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन की सरकार के समर्थन में की गई थी।

कैलिफोर्निया में बाढ़ और समुद्री लहरों का खतरा, अल नीनो और ऊंचे ज्वार से तटीय इलाकों पर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रिकॉर्ड दर की बारिश, समुद्र की ऊंची उठती लहरों और कमजोर समुद्री तटबंधों ने खतरे की आशंका बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अल नीनो इफेक्ट और असामान्य रूप से ऊंचे समुद्री ज्वार के कारण इस सप्ताह राज्य के तटीय इलाकों में बाढ़, कटाव और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

तूफानी सिस्टम से फ्लैश फ्लड का खतरा : अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को नए तूफानों को लेकर सतर्क किया। उन्होंने कहा, बारिश लाने वाला तूफानी सिस्टम बेहद सक्रिय है और एक घंटे में एक इंच (करीब 25.4 मिलीमीटर) से अधिक बारिश दर्ज की गई है। इसी वजह से कई जगहों पर फ्लैश फ्लड आने की चेतावनी जारी की गई है। सैन फ्रांसिस्को में बारिश ने तोड़ा 100 साल पुराना रिकॉर्ड समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, सुपर अल नीनो के प्रभाव से वायुमंडलीय नमी के एक शक्तिशाली प्रवाह के कारण बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में बाढ़ जैसे हालात बन गए। शहर में एक ही दिन में 2.64 इंच बारिश दर्ज की गई, जिसने इस तारीख के लिए सौ साल से भी पुराने बारिश के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बारिश के कारण कई इमारतों में पानी भर

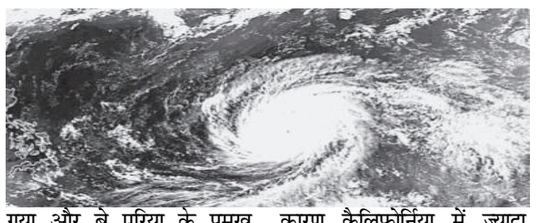

गया और बे एरिया के प्रमुख राजमार्गों पर वाहन पानी में फंस गए। बुधवार दोपहर तक 51 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं की आपूर्ति भी बाधित हो गई।

अल नीनो से बढ़ सकती है बारिश और समुद्री जलस्तर : अल नीनो एक ऐसा मौसमी पैटर्न है जिसमें उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसके कारण कैलिफोर्निया में ज्यादा बारिश और तूफान आ सकते हैं। यह यूएस के पश्चिमी तट पर समुद्र के जलस्तर को कुछ समय के लिए बढ़ा सकता है, जिससे ऊंची लहरें और ज्वार-भाटा सामान्य से कहीं ज्यादा अंदर तक पहुंच सकते हैं।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में ऊंची लहरों से तटीय कटाव : गुरुवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया के तटों पर बड़ी-बड़ी लहरें टकराती रहीं, जिससे पहले आए तूफानों से हुआ कटाव और नुकसान और भी बढ़ गया। अक्टूबर में, क्रिस्टल कोव स्टेट पार्क के पास पैसिफिक कोस्ट हाईवे के नीचे एक तटीय ढलान में 360 फुट लंबी दरार आ गई थी। इसके चलते कैल्ट्रान्स को दोनों दिशाओं में ट्रैफिक को एक-एक लेन तक सीमित करना पड़ा था, ताकि कर्मचारी ढलान को स्थिर करने का काम कर सकें।

मालिबू और लॉस एंजिलिस में 9 फुट तक ऊंची लहरों की चेतावनी : मालिबू और लॉस एंजिल्स काउंटी के समुद्र तटों के लिए शुक्रवार सुबह 9 बजे तक हाई सर्फ एडवाइजरी (ऊंची लहरों की चेतावनी) जारी है, जिसमें 6 से 9 फुट ऊंची लहरें उठने की आशंका है।

अगले सप्ताह किंग टाइड्स से बढ़ेगा खतरा : वैज्ञानिकों का मानना है कि असली चुनौती अगले हफ्ते आएगी, जब रविवार से 27 नवंबर के बीच असामान्य रूप से ऊंचे किंग टाइड्स (बहुत ऊंचे ज्वार) आएंगे। इस दौरान बड़ी लहरें उठ सकती हैं और और भी बारिश हो सकती है। सोमवार से, दक्षिणी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में तटीय जलस्तर 8 फुट से भी ऊपर जा सकता है। कैलिफोर्निया कोस्टल कमीशन के अनुसार, इस मौसम के सबसे ऊंचे ज्वार 24-26 नवंबर, 23-25 दिसंबर और 21-22 जनवरी को आएंगे।

वायु प्रदूषण गर्भाशय में पल रहे शिशु के फेफड़े के लिए घातक



गर्भावस्था में वायु प्रदूषण से प्रभावित होने वाले बच्चे जन्म के बाद तेजी से सांस लेते हैं ताकि उनके फेफड़ों को अधिक से अधिक ऑक्सीजन मिल सके। यह घातक है। स्विटजरलैंड के 241 नवजात शिशुओं पर किए गए एक नए अध्ययन से यह पता चला कि वायुमंडलीय प्रदूषण जन्म से पहले शिशु के फेफड़े को खराब कर सकता है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि एक गर्भवती महिला जितनी ज्यादा प्रदूषित वायु को ग्रहण करेगी उसके शिशु को सांस लेने में उतनी ही कठिनाई होगी। एएपी की एक रिपोर्ट में बुधवार को यहां कहा गया है कि आस्ट्रेलिया के बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि अध्ययन से मिली जानकारी ब्रिस्बेन की माताओं पर हाल में किए गए शोध का समर्थन करती है। इससे पर्यावरण अनुकूल 'शहरी योजना' बनाने की जरूरत को बल मिला है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से पर्थ के बाल पर्यावरणीय स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र के निदेशक पीटर स्ले ने बताया, इस बात पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है कि हम किस तरह से हमने शहर को तैयार कर रहे हैं।

बर्न विश्वविघालय के श्वसन तंत्र विशेषज्ञों ने गर्भवती महिलाओं के सांस लेने का अध्ययन किया। गर्भाशय में अधिकतम प्रदूषण हवा लेने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 48 बार जबकि कम मात्रा में प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 42 बार सांस ली। अधिकतम प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं में सांस के जरिए फेफड़े में पहुंची नाइट्रिक ऑक्साइड की भी अधिक मात्रा पायी गई।

मुख्य अनुसंधानकर्ता फिलीप लाटजिन ने बर्लिन में यूरोपीय श्वसन तंत्र सोसाइटी कांग्रेस में बताया कि मुख्य सड़कों के 150 मीटर दायरे में रहने वाले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले किए गए अध्ययन में केवल यह पता चला था कि वायु प्रदूषण से केवल स्कूली बच्चों के फेफड़े खराब होते हैं।

गोभी परिवार कर देता है कैंसर के खतरे को कम

ज्यादा सिगरेट पीते हैं तो ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए

जबरदस्त ढंग से सिगरेट धौंकने वालों के लिए एक खुशखबरी, अगर आपके आहार में गोभी प्रजाति की सब्जियां शामिल हैं तो कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। यानी ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए और फेफड़े, श्वासनली और रक्त के कैंसर के खतरे को कम कर लीजिए। न्यूयॉर्क के बैफैलो स्थित रोजवेल पार्क कैंसर इंस्टीज्यूट की वैज्ञानिक ली तांग के मुताबिक दिनभर में बीस से ज्यादा सिगरेट पीने वाले चेन-स्मोकर्स की श्रेणी में गिने जाते हैं और ऐसे लोगों को फेफड़े और मुंह का कैंसर होने का खतरा सर्वाधिक होता है, लेकिन अगर ज्यादा सिगरेट पीने वाले अपनी गिजा में गोभी, पत्ता गोभी और ब्रॉकली को शामिल कर लें तो कैंसर का खतरा कम हो जाता है। ली के अनुसार ऐसा शायद इन सब्जियों में पाए जाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स नामक एक रसायन की वजह से होता है। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की एक बैठक में सुश्री तांग ने बताया कि अपने शोधदल के साथ उन्होंने कैंसर के 948 मरीजों के साथ 1,743 ऐसे सामान्य लोगों पर रिसर्च किया, जिनके बारे में शक था कि उनको कैंसर है, लेकिन जांच में ऐसे नहीं पाया गया। तांग के मुताबिक जिन लोगों के मेन्यू में ब्रॉकली और गोभी सरीखी सब्जियां शामिल थीं, उनको कैंसर के कम करीब पाया गया, लेकिन गोभी परिवार से दूर रहने वालों को कैंसर की चपेट के करीब पाया गया। उन्होंने बताया कि ऐसी सब्जियों का असर स्मोकिंग कर रहे और छोड़ चुके लोगों पर देखा गया। सिगरेट को हाथ नहीं लगाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स के असर से बेअसर रहे। सुश्री तांग ने कहा अभी यह नतीजे परीक्षण से गुजर रहे हैं, स्मोकर्स को गोभी परिवार की सब्जियां खाने की सलाह नहीं दी जा सकती है।



हेल्थ प्लस

मोटे बच्चों को होता है ज्यादा सिरदद



मोटापे के शिकार बच्चे और युवाओं को सिर दर्द की शिकायत संतुलित शरीर वालों की तुलना में ज्यादा होती है। हाल ही में जारी अध्ययन रिपोर्ट में इस बात की भी आशंका जताई गई है कि मोटापे पर नियंत्रण न पाने की स्थिति में सिर दर्द की पीड़ा गंभीर रूप धारण कर सकती है। शोध में यह भी पाया गया कि वजन में कमी होने पर सिर दर्द में तेजी से कमी आती है।

सिरदर्द की पीड़ा से जूझ रहे 913 बच्चों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि बच्चों और युवाओं के वजन या बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) में बढ़ोतरी होने पर सिरदर्द में भी बढ़ोतरी होती है। सिनसिनाटी चिल्ड्रन मेडिकल सेंटर के वैज्ञानिक ऐंड्रयू डी हेर्शे के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन में पाया गया कि बच्चों और युवाओं में बीएमआई का सिर दर्द से सीधा संबंध है।

तनाव के समय बढ़ जाता है भूख जगाने वाला हार्मोन



आपको हमेशा यह सोचकर हैरानी होती होगी कि तनाव के समय आपकी भूख क्यों बढ़ जाती है। एक शोध से अब इस राज पर से पर्दा उठा लिया गया है और इसके लिए एक भूख बढ़ाने वाले हार्मोन 'गेर्लिन' को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसमें तनाव को कम करने के गुण भी होते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के एक दल ने अपने शोध में पाया है कि लंबे समय तक तनाव रहने के दौरान गेर्लिन बढ़ जाता है और इससे मस्तिष्क में भूख का अहसास पैदा होता है। हालांकि भूख के हार्मोन का स्तर बढ़ने पर बेचैनी से संबंधित व्यवहार का स्तर घट जाता है। प्रमुख शोधकर्ता जेफ्री जिगमैन के अनुसार, हमारा शोध बताता है कि लंबे समय से चला आ रहा तनाव गेर्लिन स्तर को बढ़ाता है और इसका स्तर बढ़ने से अवसाद एवं बेचैनी से संबंधित व्यवहार घट जाता है। इसका एक नकारात्मक प्रभाव यह होता है कि भूख बढ़ जाती है और शरीर का वजन भी बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर यह शोध किया। उन्होंने दस दिन के लिए चूहों के आहार की मात्रा सीमित कर दी और इससे इनमें गेर्लिन का स्तर कई गुना बढ़ गया।

गंदे दांतों का हार्ट अटैक से सीधा रास्ता

दांतों का ताल्लुक सिर्फ भोजन को चबाने-काटने या फिर खूबसूरती से ही नहीं है, बल्कि इसका संबंध दिल से भी है। जी हां, ताजा शोध तो यही बता रहे हैं। वैज्ञानिक का तो यहां तक मानना है कि दांतों को साफ रखकर हार्ट अटैक से बचा जा सकता है। हाल में हुए अध्ययनों से पता चला है कि सड़े-गले और टूटे-फूटे दांतों, खून रिसते मसूढ़ों की वजह से दांत 700 तरह के बैक्टीरिया का घर बन जाते हैं। मुंह के रास्ते ये बैक्टीरिया खून में पहुंचते हैं और फिर सारे शरीर में।

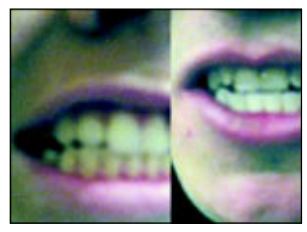

वैसे भी कहा जाता है कि दांत खराब तो पूरी सेहत खराब। मसूढ़े यदि रिस रहे हों तो मुंह में भयंकर बदबू तो पैदा करते ही हैं, दांतों को भी कमजोर और कांतिहीन बना देते हैं। इस विषय पर कई वर्षों से शोध कर रहे प्रो. हॉवर्ड जेनकिनसन का कहना है कि पश्चिमी देशों में हृदय रोग से होने वाली मौतें अन्य बीमारियों के मुकाबले ज्यादा हैं। दिल के कई तरह के रोगों के लिए दांतों की बीमारियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि आरल यानी मुख के दो बैक्टीरिया, स्ट्रिटोकोकस गार्डोनी और स्ट्रिटोकोकस सैनग्यूनिस सीधे तौर पर हार्ट अटैक के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। अब इस बात का कोई मतलब नहीं रह गया है कि आप कितने स्लिम-ट्रिम या सेहतमंद है। अगर आपके दांत खराब हैं तो कई तरह की बीमारियां आपको घेर सकती हैं, जिनमें दिल की बीमारी प्रमुख है। डब्लिन के ट्रिनिटी कॉलेज में सोसाइटी फॉर जनरल माइक्रोबायोलॉजी की आर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह से बैक्टीरिया रक्त कोशिकाओं तक पैठ बनाते हैं तथा फिर शरीर के सभी भीतरी तंत्रों को कुतरना शुरू कर देते हैं। हृदय रोगियों को तेज किस्म के एंटीबॉयोटिक्स दिए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद बैक्टीरिया दवा के विरूद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं।

पीठ दर्द से बचें

पीठ में दर्द आम समस्या है, इतनी आम कि हर दूसरा व्यक्ति इससे ग्रस्त है। इससे निदान पाने के लिए इलाज के रूप में दवाइयां लेने की बजाय अपने बैठने के तरीके को सुधारने की जरूरत है। दिन-रात मेहनत करने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है, पूरे समय कुर्सी पर बैठे रहने वाले पीठ दर्द की शिकायत करते है, जो बाद में चलकर जबरदस्त दिक्कत के रूप में सामने आता है। कंप्यूटर के सामने घंटों आंखें गड़ाए बैठे रहने से निजात पाना मुश्किल जरूर है, लेकिन काम के दौरान सही तरीके से बैठना आपके वश में जरूर है। सही पोश्चर में बैठने से न केवल आप पीठ दर्द से बच पाएंगे बल्कि स्मार्ट भी दिखेंगे। सही पोश्चर होना यानी अपने शरीर को खड़े, बैठने और झुकने के दौरान सही दिशा में रखना है। इसकी ट्रेनिंग जरूर है ताकि आपके शरीर के सहयोगी मांसपेशियों और लिगामेंट्स पर इसका स्ट्रेन कम से कम पड़े। कुर्सी पर बैठने वालों के लिए कुछ टिप्स जो पीठ दर्द से आपको बचाएंगे-

- पीठ सीधी और कंधे पीछे की आर करके बैठिए।
- बैठने के दौरान आपकी हिप कुर्सी के पिछले हिस्से को छुए।
- बैठे रहने के दौरान जर्की मूवमेंट्स से बचिए।
- पैरों को जमीन पर रखिए।
- अपनी कुर्सी की ऊंचाई को एडजस्ट करके, अपने काम के करीब बैठिए।
- कुहनी और बांहों को कुर्सी या डेस्क पर आराम से रखिए। कंधों को रिलैक्स करने दीजिए।
- एक ही पोजीशन में आधे घंटे से ज्यादा बैठने से बचिए।
- घुटनों को सही कोण में रखिए। घुटनों को हिप के बराबर या थोड़ा ऊपर रखें। जरूरत पड़े तो फुटरेस्ट का प्रयोग कीजिए।
- पैरों को क्रॉस करने से बचें।
- एबडोमिनल पुल-इन नामक एक्सरसाइज करें, जिसमें इनहेल और एक्सहेल किया जाता है। साथ ही पेट को अंदर किया जाता है।

शोल्डर ब्लेड स्क्वीज नामक एक्सरसाइज कीजिए, जो आपके बॉडी पोश्चर को सुधारती है। इसके लिए कुर्सी पर बैठकर हाथों को जांघ पर रखें। कंधों को सीधा रखें, अब धीरे-धीरे कंधों को पीछे की आर मोड़ें और कंधों को एक साथ अपनी आर खींचें।



टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1907

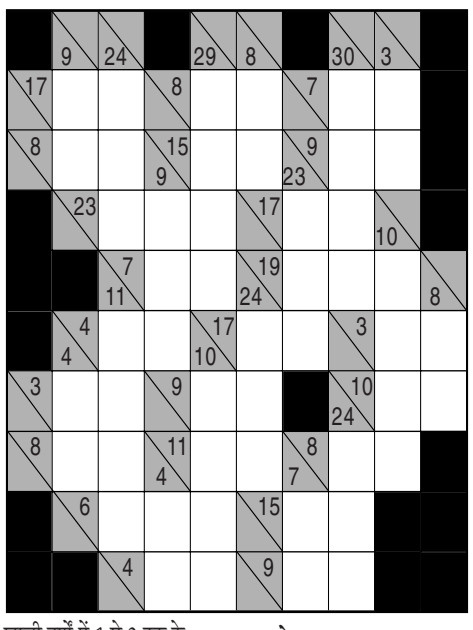

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

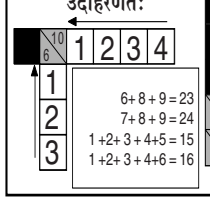

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1906 का हल

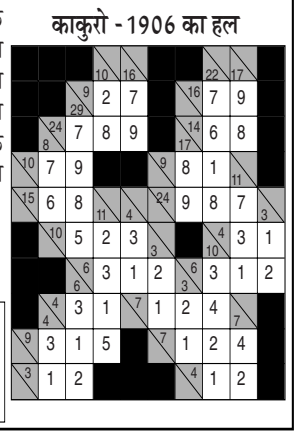

हंसी के फव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा,'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा,'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी,मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 1907

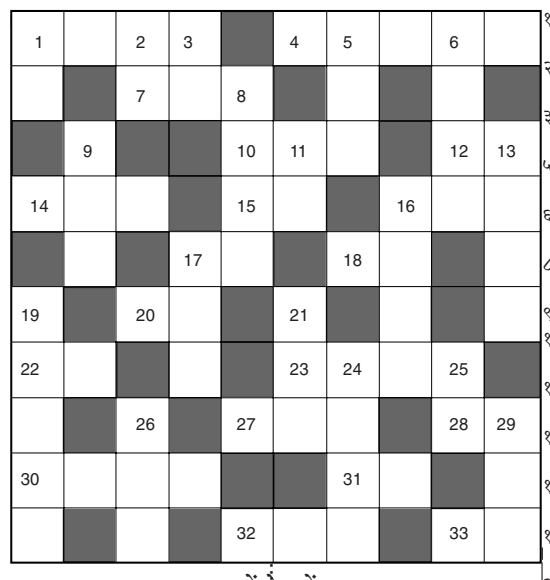

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1906

उ	म्मी	द		छ	लि	या		मे	ला
त्स		ड्डॉ	न		बा	ग	द	री	
व	च	न		वा	स	ना		जं	ग
	र		सौ	दा			आ	ग	
आ	स	ग			पा	की	जा		ग
ग		जा	नू		ल		द	ग	र
ध	र्मा		त	र	की	ब			म
ना		जी	न	त		ना	च		म
		ने		न	ज	र		प्पा	सा
खा	न	दो	स्त			स	नी		ला

सूडोकु -1907

4			9		6	1		8
6	8					9	2	3
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1906 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 1907

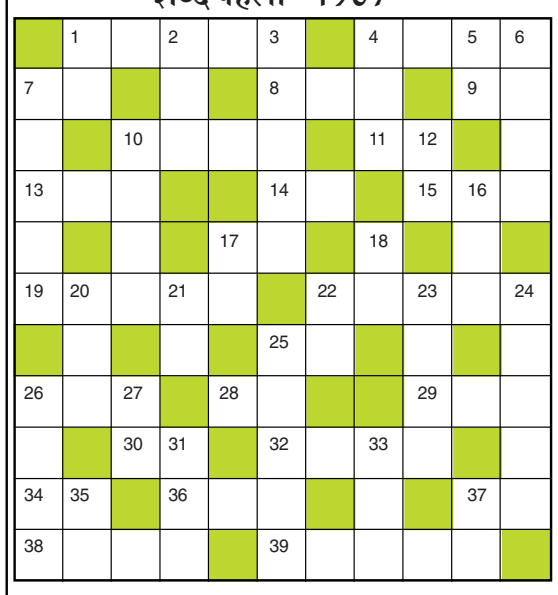

बाएँ से दाएँ

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा,कारपेट-3
9. किनारा,छोर-2
10. झगड़ा,कहासुनी-4
11. समय,वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र,स्वदेश-2
15. पुत्र,लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र,व्यवहार-2,3
25. जीव,दूत,जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत,जोश,बल-2
29. कराह,टीस,लालसा-3
30. वहम,संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा,घास-2
36. चोंगा,गाऊन-3
37. सफर,जात्रा-2
38. दयालु,कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी,मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला,श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल,पत्ता-2
18. रुखसार,कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़,योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच,नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1906 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
म			य		म		ह			ह
र		श	ग	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		र	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			हा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

बाल-बाल बचे सांसद पप्पू यादव, गड्ढे में गिरी कार



पटना, एजेंसी। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव के काफिले की एक कार कटिहार में सड़क हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में सांसद पप्पू यादव बाल-बाल बच गए हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पप्पू यादव कटिहार के सालमारी में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, कटिहार के कदवा थाना अंतर्गत कुम्हरी पेट्रोल पंप के पास उनके काफिले के साथ सुरक्षा में चल रही पुलिस की गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी सड़क से नीचे उतर गई। इस घटना में काफिले में मौजूद एक पुलिस कर्मी को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद सांसद पप्पू यादव ने कुम्हरी से ही पूर्णिया के लिए वापस लौटना उचित समझा और अपना निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कदवा थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सड़क से नीचे उतरी दुर्घटनाग्रस्त पुलिस वाहन को बाहर निकालने की कार्रवाई की।

सीएम विजय की अपने सहयोगी दलों के विधायकों के साथ अहम बैठक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सोमवार को सहयोगी दलों के विधायकों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक सीएम विजय ग्रीनवेज रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास पर भेंट करेंगे, जहां उनका कार्यालय भी है और वे अक्सर अहम बैठकें करते हैं। इस बैठक में मुख्यमंत्री गठबंधन में शामिल विधायकों के साथ परामर्श करेंगे। यह बैठक दोपहर 2 बजे होगी, जिसमें राज्य सरकार का समर्थन करने वाले गैर-टीवीके विधायक शामिल हो सकते हैं। इनमें कांग्रेस, वीसीके, एमडीएमके, आईयूएमएल और वाम दलों के विधायक शामिल हैं। बता दें इससे पहले 1 जुलाई और 9 सितंबर को सीएम विजय की तरफ से बुलाई गई परामर्श बैठकों में वाम दलों सीपीआई और सीपीआई(एम) ने हिस्सा नहीं लिया था।

नोएडा सेक्टर-6 में प्लास्टिक सामान बनाने की कंपनी में भीषण आग

- आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया, कोई जनहानि नहीं

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-6 स्थित एक कंपनी में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग इसकी चपेट में आ गई। कंपनी में प्लास्टिक से सजावटी सामान बनाने का काम होता है। प्लास्टिक से बने उत्पाद और अन्य सामग्री मौजूद होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-6 में स्थित निजी कंपनी में देर रात आग लग गई। शुरुआत में कंपनी के अंदर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग को तत्काल सूचना दी गई। पूरी बिल्डिंग में आग फैलने के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने कई घंटों तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। इस दौरान बिल्डिंग के अंदर मौजूद गर्म हिस्सों और आग से प्रभावित स्थानों पर पानी डालकर उन्हें ठंडा किया गया ताकि अंदर सुलग रही आग दोबारा न भड़क सके। इस घटना में राहत की बात यह रही कि अब तक किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि आग की चपेट में आने से कंपनी की बिल्डिंग और उसमें रखे सामान को कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जाना बाकी है। देर रात हुई इस घटना के बाद आसपास के इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। फिलहाल दमकल विभाग की टीम मौके पर कूलिंग की कार्रवाई में जुटी हैं।

मोदी और शाह की जोड़ी कोई साजिश रच रही या फिर झूठ के जाल में फंस गए

-संसद सत्र और परिसीमन को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने किया दावा



नई दिल्ली , एजेंसी। संसद सत्र और परिसीमन को लेकर बने सस्पेंस के बीच कांग्रेस ने दावा किया है कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी या तो कोई खतरनाक साजिश रच रही है, या फिर वे अपने ही बुने झूठ और दिखावे के जाल में फंस गए हैं।
कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा- पीएम मोदी और अमित शाह की जोड़ी क्या खेल खेल रही है, अगर मान लें कि यह जोड़ी अभी भी साथ है? उन्होंने कहा कि यदि मान लें कि शीतकालीन सत्र होने वाला है तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब होगा। यदि मान लें कि इसे फिर से बुलाया जाने वाला है, तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि मानसून सत्र को कब फिर से बुलाया जाएगा।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा में किसी तरह दो-तिहाई बहुमत जुटाने की इस जोड़ी की हताश कोशिशों को देखते हुए, देश को यह जानने का हक है कि परिसीमन को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह का फॉर्मूला क्या है। जयराम रमेश ने कहा क्थ् यह लगातार बना हुआ सस्पेंस साफ तौर पर दो बातें बताता है- पहला यह जोड़ी खुद उलझन में है और अपने ही बुने झूठ और दिखावे के जाल में फंस गई है, या दूसरा- कोई बहुत खतरनाक साजिश रची जा रही है।
उन्होंने आगे कहा कि जो भी हो जीटीए यानी ज्ञानेश-थेफ्ट-अरेंजर्स की यह जोड़ी पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है। दुख की बात है कि संसद जैसी संस्था, जो पहले से ही काफी कमजोर हो चुकी है, इस खतरनाक जोड़ी की हरकतों की वजह से और भी ज्यादा कमजोर होती जा रही है। इससे पहले, साल 2025 में 5 नवंबर को तत्कालीन संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया था कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर को समाप्त होगा। हालांकि, मौजूदा स्थिति में सत्र को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

सूखे से निपटने को तैयार महाराष्ट्र: सुनेत्रा पवार ने बताए उपाय



मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घोषणा की कि राज्य सरकार सूखे की गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि प्रभावित 310 तालुकाओं में पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रभावी जल प्रबंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के मौके पैदा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पुणे के बालेवाडी स्थित शिव छत्रपति खेल परिसर के दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि महायुति सरकार ने किसानों की मदद के लिए जल प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था की है।
उन्होंने बताया कि किसानों को बड़े पैमाने पर चारे की फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके लिए उन्हें आवश्यक बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, नहरों और बांधों के आसपास रहने वाले किसानों से भी चारे की खेती करने का आग्रह किया गया है। महायुति सरकार इन किसानों से चारा खरीदेगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होगी। रोजगार सृजन के संबंध में, डिप्टी सीएम पवार ने बताया कि महायुति सरकार ने रोजगार गारंटी योजना के तहत गर्मियों में विभिन्न कार्य कराने का प्रस्ताव रखा है, ताकि अधिक लोगों को काम मिल सके और उनकी आजीविका चलाने में मदद हो सके।
महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के कुल 358 तालुकाओं में से 310 को सूखाग्रस्त घोषित किया है। केंद्र से सहायता, विशेष रूप से किसानों को पांच-पांच हजार रुपये की अग्रिम राहत के संबंध में अपेक्षित समयसीमा के सवाल पर, उपमुख्यमंत्री ने कोई निश्चित जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने दृढ़ता से कहा कि राज्य सरकार अपनी ओर से सूखे की इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह सज्ज है और सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

बीजेपी ने यूपी मिशन-2027 के लिए 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी की शुरू

- अगले महीने यूपी का दौर कर सकते हैं शाह, सियासी समीकरण साधने पर रहेगा जोर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। अगले महीने से अमित शाह का उत्तर प्रदेश दौरा संभावित है। इस दौरान उनका फोकस संगठन को मजबूत करने, कमजोर सीटों पर पार्टी की स्थिति सुधारने और प्रदेश के सियासी समीकरण साधने पर रहेगा। माना जा रहा है कि शाह अपने दौरे के जरिए यूपी में बीजेपी के चुनावी अभियान की कमान संभालेंगे। गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे में इन सभी तैयारियों की समीक्षा के साथ चुनावी रोडमैप को अंतिम रूप देने पर जोर रह सकता है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी कमजोर सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और बूथ स्तर तक संगठन को धार देने की रणनीति पर काम कर रही है। बीजेपी आने वाले दिनों में संगठन से लेकर जनसंपर्क तक अभियान और तेज कर सकती है। इसके साथ ही बीजेपी ने मिशन-2027 के लिए प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी ने 40 पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी है। हर दो जिलों के बीच एक पर्यवेक्षक तैनात किया गया है। ये पर्यवेक्षक गांव-गांव जाकर चौपाल लगाएंगे और केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके साथ ही जनता के बीच सरकार के कामकाज को लेकर फीडबैक भी जुटाएंगे। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर केंद्रीय नेतृत्व को जानकारी देगी। वहीं संगठन को मजबूत करने के लिए बीजेपी ने छह क्षेत्रों में दूसरे राज्यों से आए संगठन मंत्रियों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी का जोर उन इलाकों और सीटों पर विशेष रूप से है, जहां संगठन को और मजबूत करने की जरूरत है। बीजेपी की रणनीति के तहत संगठन, विकास और राष्ट्रवाद के मुद्दों को लेकर जनता के बीच पहुंचने की तैयारी है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी स्थिति को और मजबूत कर सके।

आरक्षण बिल पर सियासी हलचल: विपक्ष ने लगाया सांसद खरीद का आरोप



नई दिल्ली , एजेंसी । संसद के बहुप्रतीक्षित शीतकालीन सत्र की तारीखों का अभी तक ऐलान नहीं हुआ है। इसी बीच, परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक और महिला आरक्षण बिल को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, दावा किया जा रहा है कि सरकार के पास इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक 40-50 सांसदों की संख्या कम पड़ रही है, जिसके चलते पार्टियों को तोड़ने और सांसदों की खरीद-फरोख्त की तैयारी की जा रही है।
शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने दावा किया है कि इस संख्या को जुटा पाने में असमर्थता के चलते सत्ताधारी दल शीतकालीन सत्र को दांव पर लगा रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि सांसदों की खरीद के लिए प्रति सांसद 150 करोड़ रुपये की रकम तय की गई है। राउत के अनुसार, इस काम के लिए महाराष्ट्र सरकार के एक मंत्री को भी लगाया गया है, हालांकि उन्होंने इस दौरान किसी नेता का नाम नहीं लिया।
राउत ने अपने दावे में कहा, सरकार जिद और अहंकार पर उतर आई है। शीतकालीन सत्र इसलिए नहीं हो रहा है क्योंकि वे चाहते हैं कि परिसीमन बिल हम मंजूर कर लेंगे। यह उनका ईगो है और इस ईगो के लिए एक शीतकालीन सत्र खाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, देश, संविधान और संसद की चिंता नहीं की जा रही है, बल्कि यह तय किया गया है कि किसी भी हालत में परिसीमन बिल मंजूर किया जाएगा। इसके लिए जो 40-45 सांसदों का आंकड़ा कम पड़ रहा है, उसे छोटी-छोटी पार्टियों को खरीदकर या दबाव में लाकर पूरा किया जाएगा। अगर पार्टियां नहीं टूट रहीं, तो कुछ सांसदों को खरीद लेंगे।
राज्यसभा सांसद राउत ने सांसदों को खरीदने के लिए 150 करोड़ रुपये की पेशकश का दावा करते हुए कहा, यह भाजपा के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का भाव है एक सांसद का 150 करोड़। पार्टी का व्हिप तोड़कर वोट करो, आपको अयोग्य नहीं किया जाएगा। न ओम बिरला जी करेंगे, न चुनाव आयोग करेगा। आराम से पार्टी व्हिप तोड़कर वोट करो और 150 करोड़ रुपये लेकर जाओ। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरा पैसा महाराष्ट्र से जाएगा और एक बड़े मंत्री ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हालांकि, इन आरोपों को सत्ता पक्ष ने सिरे से खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने राउत के दावों को झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने पलटवार करते हुए सवाल किया, 150 करोड़ रुपये दे रहे हैं, आपसे किसने बताया? उसको सामने लाओ और कहो न। दरअसल, सरकार परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने की तैयारी में है, जिसका उद्देश्य लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करना और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ करना है। इस विधेयक को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत यानी 361 वोटों की जरूरत होगी। 540 सदस्यों वाले मौजूदा सदन में, सत्ताधारी दल के पास 320 सदस्य हैं। ऐसे में, आवश्यक संख्या जुटाने के लिए उन्हें विपक्षी दलों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

ऋषिकेश में विदेशी महिलाओं ने उठाया गंगा सफाई का बीड़ा, सोशल मीडिया पर लोग कर रहे तारीफ

देहरादून ,एजेंसी। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। वीडियो में कुछ विदेशी महिलाएं हाथों में दस्ताने पहने और काले कचरे के थैले लिए गंगा घाट पर फैला प्लास्टिक और अन्य कचरा साफ करती दिख रही हैं। चट्टानों के बीच दबी पन्नियां हों या रेत में पड़ा कूड़ा, ये महिलाएं बिना किसी दिखावे के, पूरी लगन से एक-एक चीज को उठाकर थैले में डाल रही हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर द्वारा साझा किए गए वीडियो को देखकर हर कोई हैरान है। वीडियो रिकॉर्ड करने वाले शख्स ने भी अपनी हैरानी जताकर कहा कि जहां लोग अपनी पवित्र नदी में कचरा फेंकने से बाज नहीं आते, वहीं दूसरे देशों से आई ये महिलाएं हमारी विरासत को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

जब पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को खत्म करेगा तभी होगी द्विपक्षीय बातचीत

-पाक मंत्री मलिक के भारत दौरे पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान आया सामने

नई दिल्ली , एजेंसी। पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मसूद मलिक के भारत दौरे पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के बावजूद मल्टीलेटरल फोरम की अपनी जगह है। उन्होंने दोहराया कि दोनों देशों के बीच बातचीत तभी शुरू हो सकती है, जब पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को खत्म कर दे। थरूर ने स्पष्ट किया कि जब तक पाकिस्तान अपने इलाके से चल रहे आतंकवादी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक भारत पहले की तरह द्विपक्षीय बातचीत फिर से शुरू नहीं करेगा।
उन्होंने कहा कि भले ही उन दिनों भी पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते काफी खराब थे, तो ये ऐसी बातें हैं जिन्हें आपको समझना होगा। मल्टीलेटरल फोरम की अपनी जगह है। थरूर ने आगे कहा कि जहां तक द्विपक्षीय रिश्तों की बात है, हमने यह साफ कर दिया है कि पहले जिस तरह की बाइलेटरल बातचीत होती थी, वह तभी फिर से शुरू हो सकती है जब पाकिस्तान अपने देश में आतंक के इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दे। उन्होंने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की स्थिति दोहराते हुए कहा कि आप ये टेररिस्ट कैंप, हेडक्वार्टर, ट्रेनिंग ग्राउंड वगैरह नहीं रख सकते जिनका इस्तेमाल रेगुलर तौर पर हमारे लोगों पर हिंसा करने के लिए किया जा रहा है और फिर बातचीत की उम्मीद करें। उन्होंने कहा कि कोई भी अपने सिर पर बंदूक तानकर बात नहीं करना चाहता और हम भी ऐसा नहीं करने वाले हैं।
शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के कार्यक्रम में शामिल होने आए पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मलिक ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इस विषय पर किसी भी तरह की चर्चा ठोस सबूतों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरा क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में है, इसलिए इसका समाधान भी सामूहिक रूप से मिलकर निकाला जाना चाहिए। मलिक ने यह भी वकालत की कि एक ऐसा फोरम बनाया जाना चाहिए, जहां इन सबूतों को सामने लाया जा सके और उसी आधार पर हर



मुद्दे का समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि पूरा क्षेत्र इस समस्या से जूझ रहा है और अगर आतंकवाद से निपटने में किसी का सबसे बड़ा हित है तो वह किसी और से ज्यादा पाकिस्तान का है।

गोवा में सीजेपी ने फूंका चुनावी बिगुल कहा- धारा 39ए हटाना होगी

सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष, लग रही साजिश

पणजी , एजेंसी। गोवा में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी अब गोवा में ही रहकर एक प्रेशर ग्रुप के तौर पर काम करेगी और सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करेगी। दीपके ने बताया कि सीजेपी गोवा विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र भी जारी करेगी, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी। दीपके ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता गोवा नगर एवं ग्रामीण नियोजन अधिनियम की धारा 39ए को निरस्त करवाना है। यह धारा स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना कर रही है, जिससे यह भाजपा सरकार के लिए एक संवेदनशील मुद्दा बन गई है।
सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने गोवा में अपनी पार्टी के दीर्घकालिक रहने का संकल्प दोहराते हुए कहा, हमें भारत बचाना है और भारत का



निर्माण करना है। इस देश का भविष्य कोई 75 साल का महामानव नहीं, बल्कि यहां के युवा हैं। दरअसल, धारा 39ए को गोवा नगर एवं ग्रामीण नियोजन अधिनियम 1974 में 2024 में हुए एक संशोधन के जरिए जोड़ा गया था। यह प्रावधान बोर्ड की मंजूरी के बाद किसी भी भूखंड का ज़ोन बदलने की अनुमति देता है, जिसके लिए जनता से केवल 30 दिनों के भीतर आपत्तियां मांगी जाती हैं। स्थानीय निवासी इस धारा का पुरजोर विरोध कर रहे हैं, उनका तर्क है कि यह पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाएगी और उद्योगपतियों व प्रभावशाली लोगों के हितों को बढ़ावा देगी। इससे कृषि योग्य और वन भूमि का उपयोग भी निर्माण या शहरी विकास के लिए किया जा सकेगा, जो गोवा की पारिस्थितिकी और संस्कृति के लिए खतरा है।
आशुतोष रांका ने बताया कि एक आंदोलन ने लोगों को एक मंच पर इकट्ठा किया था। उन्होंने सीजेपी की दीर्घकालिक रणनीति पर जोर देते हुए कहा, सीजेपी अब गोवा में लंबे समय के लिए आई है। अब यहां लंबा खेल चलेगा। कॉकरोच कभी नहीं मरेंगे। दीपके ने कहा कि सीजेपी अब गोवा की पहचान और जमीन के लिए लड़ाई लड़ेगी और उनके घोषणापत्र में धारा 39ए के खिलाफ संघर्ष को प्रमुखता दी जाएगी। उनका आरोप है कि गोवा की अनूठी संस्कृति को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है।

अनंत सिंह की बेटी की शादी- किन्नरों ने मांगा सवा करोड़ का नेग

पटना , एजेंसी । मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी इन दिनों बिहार से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा में है। हाल ही में दानापुर स्थित ऑर्गेनिक रिजॉर्ट में हुए भव्य तिलक समारोह के दौरान एक खास नजारा देखने को मिला, जब किन्नरों की टोली ने अनंत सिंह के होने वाले समधी से सवा करोड़ रुपये का नेग मांगकर सभी को चौंका दिया। अपने पारंपरिक अंदाज में नाच-गाना करते हुए किन्नरों ने ठिठोली कर कहा कि छोटे सरकार के यहां शादी हो रही है, तब नेग भी दिल खोलकर मिलना चाहिए। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि इस बार सवा करोड़ रुपये दे दीजिए, इसके बाद वे सीधे तब आएंगे, जब घर में पोता होगा। इस बातचीत का वीडियो भी खूब चर्चा बटोर रहा है, जहां किन्नरों ने परिवार को खुशहाल जीवन का आशीर्वाद भी दिया।

1977 के चुनाव को प्रभावित करने कांग्रेस ने कारोबारियों से लिए थे 113 करोड़

बीजेपी सांसद ने अवैध सांठगांठ और काले धन के इस्तेमाल का लगाया आरोप

रांची, एजेंसी । बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर पिछले कई दशकों से कारोबारियों से अवैध सांठगांठ और काले धन के इस्तेमाल से चुनावों को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर 70 के दशक में प्रकाशित एक खबर की पुरानी कटिंग साझा की। इसके आधार पर दावा किया कि पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने 1977 के लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए कारोबारियों से 113 करोड़ रुपए लिए थे। दुबे के मुताबिक उस समय खर्च की गई यह रकम आज के मूल्य के हिसाब से करीब 25 हजार करोड़ रुपए बैठती है। दुबे ने पुरानी खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव में लोकसभा के प्रत्येक उम्मीदवार को दो लाख रुपए और दो जीप उपलब्ध कराई गई थीं। उन्होंने कांग्रेस पर चुनावी चंदे और कारोबारी हितों के बीच पुराने गठजोड़ का आरोप लगाया और इसे देश की राजनीति का काला इतिहास बताया। दुबे सोशल मीडिया पर 'कांग्रेस का काला अध्याय' नाम से शृंखलाबद्ध अभियान चला रहे हैं। इसकी 252वीं कड़ी में उन्होंने लिखा कि 23 नवंबर 1978 को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की रिपोर्ट मीडिया में प्रकाशित हुई थी। उनके मुताबिक इस रिपोर्ट में इंदिरा गांधी और कारोबारियों के बीच कथित सांठगांठ का खुलासा किया था।



दुबे ने सबसे ज्यादा चंदा देने का आरोप आरपी गोयनका पर लगाया। उन्होंने दावा किया कि गोयनका को तीन अक्टूबर 1977 को काले धन के मामले में गिरफ्तार किया था। इस मामले में आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने कई बार छापेमारी भी की थी। बीजेपी सांसद ने सरकारिया आयोग और हजारी आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि बिड़ला समूह ने 1957 से 1977 के बीच कांग्रेस को धन देकर लाइसेंस हासिल किए। उन्होंने कोका-कोला और आईबीएम जैसी विदेशी कंपनियों पर भी कांग्रेस को धन देने का आरोप लगाया। निशिकांत दुबे ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि इन आरोपों से घिरी इंदिरा गांधी ने जनता पार्टी को तोड़ने के लिए हर तरीका अपनाया।

314 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 265 पर सिमटा

तिलक का शतक बेकार, पाकिस्तान से हारी इंडिया-ए

मध्यक्रम का साथ नहीं मिलने से टीम को 48 रन से मिली हार



नई दिल्ली। रविवार को एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में पाकिस्तान ए से 48 रन से हार के बाद भारतीय टीम के कप्तान तिलक वर्मा ने मध्य क्रम में साझेदारियों की कमी पर अफसोस जताया। 314 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारतीय टीम 129 रन पर छह विकेट खोकर मुश्किल में थी, लेकिन तिलक और शाहबाज अहमद ने सातवें विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी की। शाहबाज ने 41 गेंदों पर 56 रन बनाए, जबकि तिलक 149 गेंदों पर 100 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, उनका प्रयास काफी नहीं था और भारत 265 रनों पर ऑल आउट हो गया। तिलक का माननाथा कि शाहबाज का आउट होना गलत समय पर हुआ, ठीक उसी समय जब दोनों बल्लेबाज स्कोर बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। उनका मानना था कि ऑलराउंडर द्वारा फेंके गए कुछ और ओवरों से मैच का रुख बदल सकता था। 'अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की और बीच में शाहबाज ने जिस तरह से मेरे साथ साझेदारी की, वह निर्णायक साबित हुई। दुर्भाग्य से, जब हम तेजी से रन बनाना चाहते थे, तब शाहबाज आउट हो गए। वरना, अगर वह दो ओवर और टिक जाते, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' तिलक ने मैच के बाद कहा। उन्होंने कहा, 'दूसरे ओवर के पहले 10 ओवरों में थोड़ी स्विंग देखने को मिली। उन दोनों तेज गेंदबाजों को श्रेय जाता है जिन्होंने बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की। लेकिन साथ ही, बीच में हमने लगातार दो विकेट गंवा दिए। नहीं तो हम 47वें या 48वें ओवर में ही मैच जीत सकते थे।

भारत ए बनाम पाकिस्तान ए, राइजिंग स्टार्स एशिया कप के मुख्य अंश

अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में 70 रन बनाकर भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन उनके आउट होने के बाद मध्य क्रम के बल्लेबाजों पर काफी दबाव आ गया। भारतीय बल्लेबाज रन रेट बनाए रखने के लिए संघर्ष करते रहे, और पाकिस्तान के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लिए। तिलक ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के अनुशासित प्रयास की भी सराहना की, लेकिन उन्हें लगा कि भारत ने लगातार विकेट खोकर मैच को हाथ से जाने दिया।

'शतक बनाने के बावजूद, तिलक इसे अपने सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक मानने को उत्सुक नहीं थे। भारतीय टीम के कप्तान के लिए, व्यक्तिगत प्रयास से कहीं अधिक परिणाम मायने रखता था। 'मैं ऐसा नहीं कहूंगा। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है मैच जीतना। अगर मैं मैच नहीं जीतता, तो यह मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण नहीं है। लेकिन मैं हमेशा जितना हो सके उतना आगे तक जाना चाहता हूं। आज मैं उसी की तलाश में था। अगर कोई और बल्लेबाज मेरा साथ दे पाता, तो मैं मैच खत्म कर सकता था,' उन्होंने कहा। तिलक ने टीम की कप्तानी करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी के बारे में भी बात की और कहा कि उन्हें टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने में मजा आता है। 'अगर आप टीम के कप्तान हैं, तो आपको वह जिम्मेदारी और भार उठाना ही चाहिए। तो हां, मुझे ईमानदारी से यह करना अच्छा लगता है। आखिरकार, भगवान दयालु हैं और उन्होंने ही मुझे ये रन दिए हैं,' उन्होंने आगे कहा।

हसन नवाज़ का सर्वोच्च स्कोर

इससे पहले, हसन नवाज़ ने पाकिस्तान ए के लिए 79 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया, जबकि माज़ सदाकत (59) और फरहान यूसुफ (56) ने महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाकर अपनी टीम को 313 रन पर ऑल आउट होने तक पहुंचाया। इसके बाद पाकिस्तान के गेंदबाजों ने मैच का समापन करते हुए तिलक के शतक के बावजूद भारत ए को 48 रन से हरा दिया।

सिराज को बाहर रखना मेरे लिए भी मुश्किल फैसला था

मैच से पहले उनसे बात की थी: शुभमन गिल

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेसिन रिजर्व में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की जुझारू पारियों के दम पर न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में हार को टालने में सफल रहा। मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने का कारण बताया। गिल ने कहा, 'हमने इस मैच के लिए सबसे बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण को मैदान में उतारा। सिराज एक शानदार खिलाड़ी और बेहतरीन गेंदबाज हैं, जिन्होंने भारत के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मगर इन सबसे बढ़कर, वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमने एक साथ अपने करियर की शुरुआत की थी, भारत के लिए खेलने से पहले से ही हम बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। इसलिए उन्हें बाहर रखना मेरे लिए भी एक बहुत मुश्किल फैसला था। हालांकि, कभी-कभी आपको यह देखना पड़ता है कि कौन से गेंदबाज फॉर्म में हैं और कौन सबसे अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। ' दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की मौजूदा चक्र में मोहम्मद सिराज भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। यही वजह है कि जब पहले टेस्ट के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई, तो टीम मैनेजमेंट के इस फैसले की जमकर आलोचना हुई। गिल ने वेलिंगटन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिराज को अंतिम ग्यारह में जगह न देने को लेकर सफाई दी। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'मेरी उनसे (सिराज) बात हुई थी। मैंने मैच से पहले ही उन्हें बता दिया था कि वह इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। मुझे नहीं पता कि वह इससे पूरी तरह सहमत थे या नहीं, लेकिन उन्होंने बात को समझा और इसके पीछे का तर्क भी समझ गए। उन्हें समझ आ गया कि हमने उनकी जगह किसी और को क्यों चुना। मुझे लगता है कि हर खिलाड़ी के करियर या जीवन में एक ऐसा दौर आता है जब वह हमेशा अपने करियर के शिखर पर नहीं होता। मेरे हिसाब से वह इस बात को समझते हैं।



मैनचेस्टर यूनाइटेड के कार्यकाल की भयावह शुरुआत के बाद पोचेटिनो ने योरो को मिले रेड कार्ड पर सवाल उठाए



नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैनेजर के रूप में मॉरीसियो पोचेटिनो के लिए इससे मुश्किल शुरुआत शायद ही हो सकती थी। लेनी योरो को शुरुआती ही रेड कार्ड मिलने से लिवरपूल के खिलाफ 4-0 की करारी हार का रास्ता साफ हो गया। अर्जेंटीना के इस कोच का मानना ??था कि इस रेड कार्ड ने पूरे मैच का रुख बदल दिया, और उनका तर्क था कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम भी ऐसी परिस्थितियों में इसी तरह की हार का सामना कर सकती थी। आठवें मिनट में ही योरो को एलेक्जेंडर इसाक पर किए गए फाउल के लिए रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद यूनाइटेड की टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई और इसके ठीक पांच मिनट बाद ही लिवरपूल ने 2-0 की बढ़त बना ली। मैच के बाद पोचेटीनो ने इस फैसले पर निराशा व्यक्त की और सवाल उठाया कि क्या रेड कार्ड दिखाना उचित था। 'यह बहुत दुखद है, मैं बहुत निराश महसूस कर रहा हूँ। यह अविश्वसनीय है कि प्रीमियर लीग में मेरी यात्रा की शुरुआत ऐसे हालातों में हो रही है। एकमात्र समस्या यह है कि मैच छह मिनट बाद पूरी तरह से बदल गया, और अब हम बात कर सकते हैं और सब कुछ समझा सकते हैं, लेकिन नुकसान तो हो ही चुका है। ' 'यह बेहद दर्दनाक है। खिलाड़ी इस तरह की स्थिति का दर्द महसूस करते हैं। मैंने उनसे कहा कि उन्हें शांत रहना होगा, और जो कुछ हुआ वह पूरी तरह से अन्यायपूर्ण स्थिति थी।

पोचेटीनो ने योरो की बर्खास्तगी पर सवाल उठाए

पोचेटीनो ने तर्क दिया कि इसाक को गोल करने के स्पष्ट अवसर से वंचित नहीं किया गया था, उन्होंने जोर देकर कहा कि गेंद पहले से ही गोलकीपर की ओर जा रही थी और योरो का स्ट्राइकर को गिराने का कोई इरादा नहीं था। 'गेंद गोलकीपर की ओर जा रही थी। मुझे लगता है कि उस स्थिति में, अगर आप वीएआर चेक करेंगे, तो आप देखेंगे, जैसा कि हम अब कैमरों में देख सकते हैं, कि लेनी योरो का इरादा कभी भी अलेक्जेंडर इसाक को गिराने का नहीं था। ' उन्होंने आगे कहा कि इसाक गिरने से पहले धीमे हो गए थे, और उनका मानना था कि इस घटना के लिए रेड कार्ड देना उचित नहीं था। पोचेटिनो ने कहा कि वह अधिकारियों का सम्मान करते हैं, लेकिन अपनी टीम का बचाव करना और अपने विचार

'सर्वश्रेष्ठ टीम भी 4-0 से हार सकती है'

मैच के बाद उनकी प्रतिक्रिया में रेड कार्ड का मुद्दा हावी रहा, लेकिन पोचेटीनो ने यह भी स्वीकार किया कि यूनाइटेड को अपने प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने खिलाड़ियों से बेहतर एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का आह्वान किया और माना कि उनके खिलाड़ियों को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इतनी जल्दी मिली हार से उबरना कितना मुश्किल होता है, यहां तक कि उच्चतम स्तर की टीम के लिए भी। 'अगर दुनिया की सबसे अच्छी टीम भी इस तरह से, हमारी परिस्थितियों में खेलती, तो शायद चार गोल या उससे भी ज्यादा गोल खा लेती। और अब हम क्या कहेंगे? ' पोचेटीनो ने जोर देकर कहा कि उनके खिलाड़ियों ने मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद संघर्ष जारी रखा, लेकिन इस हार ने उनके सामने एक तत्काल चुनौती खड़ी कर दी है। यूनाइटेड के पास परिणाम पर विचार करने के लिए ज्यादा समय नहीं है, क्योंकि बुधवार को चैंपियंस लीग में स्पोर्टिंग के खिलाफ मैच है, जिसके बाद शनिवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ प्रीमियर लीग का मुकाबला है। 2 दिसंबर को न्यूकैसल का दौरा भी है, जिससे एक ऐसी टीम के लिए मैचों का यह दौर काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जो अपने सीजन को पलटने के लिए बेताब है।

'नो हैंडशेक' के पीछे बड़े मुद्दे हैं

एमसीसी हेड ऑफ क्रिकेट बोले इन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं



शारजाह। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने माना है कि जब राजनीति शामिल हो, तो खिलाड़ियों को हैंडशेक (हाथ मिलाने) से बचने से रोकना उनके बस में नहीं है, भले ही वे 'स्पिरिट ऑफ क्रिकेट' (खेल की भावना) को बचाए रखना चाहते हों। क्रिकेट में हैंडशेक न करने का मुद्दा मुख्य रूप से भारत-पाकिस्तान मैचों से जुड़ा है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से टॉस के समय या मैच के बाद पारंपरिक रूप से हाथ मिलाने की प्रक्रिया को छोड़ देना एक आम बात हो गई है। हालांकि हैंडशेक खेल भावना का एक पारंपरिक प्रतीक है, लेकिन आईसीसी के नियमों के अनुसार यह अनिवार्य नहीं है। भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच हैंडशेक न करने के मामले पुरुषों, महिलाओं और विभिन्न आयु वर्गों के मैचों में देखी गई हैं। इसमें रविवार को दोहा में भारत-ए और पाकिस्तान-ए के बीच खेला गया एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स मैच भी शामिल है। जब एमसीसी के हेड ऑफ क्रिकेट फ्रेजर स्टीवर्ट से पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों के हाथ मिलाने से इनकार करने पर खेल भावना को बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है, तो उन्होंने जवाब दिया कि बड़े राजनीतिक मुद्दे कहीं अधिक अहम होते हैं और वे उनके नियंत्रण से बाहर हैं। शारजाह में आईएलटी20 के दौरान स्टीवर्ट ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ ऐसी स्थितियां होती हैं जो क्रिकेट से परे होती हैं। ये ऐसे स्तर से आती हैं, जहां भू-राजनीतिक मुद्दों पर बात करना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। ' उन्होंने बताया कि एमसीसी तो यही चाहेगा कि खिलाड़ी आपस में हाथ मिलाएं, लेकिन उसका अधिकार क्षेत्र केवल खेल के दौरान खिलाड़ियों के व्यवहार तक ही सीमित है। उन्होंने आगे कहा, 'हम केवल मैदान पर होने वाली चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं, जैसे खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करें, अंपायरों और उनके फैसलों का सम्मान करें, और खेल का सम्मान करें। बस इतना ही हमारे नियंत्रण में है। ' स्टीवर्ट ने आगे कहा कि अगर नेताओं या उच्च स्तर से खिलाड़ियों को हाथ न मिलाने का आदेश दिया जाता है, तो एमसीसी इसमें दखल देकर उसे बदल नहीं सकता। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अगर ऊपर से हैंडशेक न करने के आदेश आते हैं, तो एमसीसी उसे नियंत्रित नहीं कर सकता। हम तो यही चाहेंगे कि खिलाड़ी हाथ मिलाएं, लेकिन हम समझते हैं कि इसके पीछे बड़े मुद्दे हैं, जो हमारे नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हैं। '

'इस ट्रॉफी को पाने के लिए मैंने बहुत मेहनत की थी'

एटीपी फाइनल्स का खिताब जीतने के बाद बोले अल्काराज

ट्यूरिन। कार्लोस अल्काराज ने अपनी पहली एटीपी फाइनल्स जीत को एक बेहद निजी उपलब्धि बताया। रविवार को ट्यूरिन में हुए चैंपियनशिप मैच में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 7-6(6) से हराने वाले अल्काराज ने इस मुश्किल सीजन में अपनी मदद के लिए अपने परिवार और सपोर्ट स्टाफ को श्रेय दिया। 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने बिना कोई मैच हारे अपनी पहली 'ईयर-एंड चैंपियनशिप' (साल के अंत की चैंपियनशिप) जीती। उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ एक खिताब जीतने से कहीं बढ़कर है, खासकर तब जब इस ट्रॉफी को पाने के सफर में उन्हें शारीरिक परेशानियों और मानसिक दबावों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'यह जीत बहुत खास है। यह जीत मेरे लिए, मेरी टीम और मेरे परिवार के लिए सब कुछ है। वे जानते हैं कि मैंने इस पल, इस ट्रॉफी और इस टूर्नामेंट के लिए कितनी मेहनत की है। मैंने इस ट्रॉफी को उठाने के लिए कितनी कड़ी मेहनत की है। इसलिए, आखिरकार यहां इस ट्रॉफी को उठा पाना, एक अद्भुत एहसास है जो मैं अभी महसूस कर रहा हूं। ' एटीपी के अनुसार, मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अल्काराज ने कहा, 'सच कहूं तो, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने, मेरी टीम और मेरे करीबी लोगों ने इस हफ्ते क्या कुछ हासिल किया है। उनके बिना, इस ट्रॉफी को उठाना मुमकिन नहीं होता। ' मैच के आखिरी पॉइंट के बाद ही अल्काराज की भावनाएं साफ



झलक रही थीं। वह कोर्ट पर ही गिर पड़े और फिर अपनी टीम के सदस्यों को गले लगाया। अल्काराज के लिए यह जश्न और भी खास था, क्योंकि उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि पर अपने परिवार की प्रतिक्रिया देखकर यह पल और भी यादगार बन गया। अप्रैल में बार्सिलोना एटीपी 500 टूर्नामेंट के दौरान कलाई में चोट लगने के कारण स्पेन के इस खिलाड़ी को चार महीने से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा। चोट से उबरने और वापस टूर पर लौटने के लिए उन्हें कोर्ट के बाहर काफी सपोर्ट की जरूरत थी। अल्काराज का मानना है कि इसी सपोर्ट ने उनका आत्मविश्वास वापस लाने और उनमें फिर से प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता जगाने में अहम भूमिका निभाई।

अल्काराज का इंतजार खत्म

अल्काराज ने कहा, 'यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसे मैं हमेशा से जीतना चाहता था। मैं लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहा था। जब मैंने इसे हासिल किया, तो मुझमें और मेरी टीम में भावनाओं का सैलाब आ गया। मैं उन्हें देख रहा था—वे चिल्ला रहे थे, जश्न मना रहे थे, वे सब कुछ थे। मेरी मां रो रही थीं। वह काफी भावुक इंसान हैं। ' 'उन्हें वहां देखकर, उनके साथ जश्न मनाना और उन्हें गले लगाना– यह सब बहुत शानदार था। मेरे लिए पिछले दो हफ्ते बहुत मुश्किल रहे—दबाव को संभालना, शारीरिक समस्याओं से निपटना, टीम मीटिंग करना, बहुत कठिन फैसले लेना, और कोर्ट के अंदर व बाहर खुद पर काबू रखना।'



थिएटर और ओटीटी, दोनों की अपनी खूबी

दिव्या इन दिनों अपनी फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में बातचीत में दिव्या ने फिल्म की रिलीज, थिएटर और ओटीटी के अनुभव और अपने करियर से जुड़े कई पहलुओं पर बात की।

ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना ही उद्देश्य
थिएटर में फिल्म रिलीज होने के बाद जब वही फिल्म ओटीटी पर आती है तो उसे नए दर्शक मिलते हैं। क्या दिव्या के लिए भी दोनों माध्यमों का अनुभव अलग है? वह कहती हैं, 'देखिए, असल बात यह है कि आप जितनी ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच सकें, वही आपका मुख्य उद्देश्य होता है। आपने एक फिल्म बनाई है और चाहते हैं कि उसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। पहले उसकी लिमिटेड थिएटर रिलीज हुई, लेकिन अब वह ओटीटी पर आ रही है। ऐसे में बहुत सारे लोग अपने समय और अपनी सुविधा के हिसाब से उसे देखेंगे। वे जिसके साथ देखना चाहते हैं, उसके साथ घर पर आराम से बैठकर फिल्म देखेंगे और अपनी प्रतिक्रिया देंगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपका काम देखना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। बेशक बड़े पर्दे का अपना जादू है और ओटीटी का अपना। लेकिन मेरे लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जरूरी यह है कि आपका काम और आपकी कहानी लोगों तक पहुंचे।'

क्या दिव्या भी किसी फिल्म को थिएटर में देखने से चूक जाएं तो उसके ओटीटी पर आने का इंतजार करती हैं?। इस पर वह कहती हैं, 'ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर कोई फिल्म मिस हो गई तो बेशक ओटीटी पर आने का इंतजार करते हैं। लेकिन लाइव सिनेमा को कम नहीं आंक सकते। उसका अपना महत्व है। हर कोई उसका इंतजार करता है। वह चाहे बड़ी फिल्म हो, सुपरहिट फिल्म हो या किसी भी तरह की फिल्म हो, जब वह ओटीटी पर आती है तो लोग उसे दोबारा देखते हैं या पहली बार देखते हैं। थिएटर और ओटीटी का यह मेल बहुत खूबसूरत है।'

'चिरैया' के बाद महिलाओं की प्रतिक्रियाएं खास

इस साल दिव्या दत्ता की फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गजब रात' के साथ वेब सीरीज 'चिरैया' को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। खासकर 'चिरैया' देखने के बाद महिलाओं ने उनसे अपने अनुभव साझा किए। वह कहती हैं, 'यह साल टचवुड बहुत अच्छा रहा है। इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए। थिएटर में फिल्में देखने के बाद कई लोग मुझे कहीं भी मिल जाते हैं और अपने अनुभव बताते हैं। 'चिरैया' देखने के बाद लड़कियां जिस तरह मुझसे बात करती हैं, यह बताती हैं कि फिल्म की कहानी ने उन्हें छुआ है और वे उससे खुद को जोड़ पाई हैं, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस साल मुझे बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।'

क्या उन्हें कॉमेडी किरदार निभाने का मौका मिलता है? इस सवाल पर हंसते हुए वह कहती हैं, ''यार, कॉमेडी करना मुझे पसंद है, लेकिन मुझे कोई ऑफर ही नहीं करता।'

हालांकि, दिव्या ने कुछ फिल्मों में कॉमेडी की है। वह बताती हैं, 'मैंने 'चिरैया' में भी थोड़ा कॉमेडी किया है। 'शर्माजी की बेटी' में भी किया है। लेकिन फुल फ्लेज्ड कॉमेडी करने में बड़ा मजा आएगा। मुझे वह पसंद है। अभिनय का मजा ही यही है कि आप अलग-अलग तरह की कहानियां कह रहे हैं और अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। कई बार लगातार इंटेंस सीन करके आते हैं तो मन हल्का करने के लिए एक लाफ्टर बहुत अच्छा लगता है।'

महिलाओं के लिए कॉमेडी के मौके कम हैं

क्या महिला कलाकारों को केंद्र में रखकर कॉमेडी फिल्में कम बनती हैं? इस पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि फिल्म निर्माता ऐसा कुछ सोचकर डरते हैं। लेकिन हमारे यहां फीमेल सेंट्रिक कॉमेडी ज्यादा लिखी नहीं जाती है। यह बात तो फैक्ट है। मैं चाहूंगी कि महिलाओं को केंद्र में रखकर भी ऐसी कॉमेडी फिल्में बनें, जिनमें वे खुलकर हंसें और दर्शकों को भी हंसाएं।'





बेला के किरदार में फिर दिखेंगी अनन्या पांडे

मशहूर निर्देशक करण जौहर आगामी वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन की वापसी के लिए तैयार हैं। मंगलवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर सीरीज की मुख्य अभिनेत्री अनन्या पांडे का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेला (बे) के किरदार में नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'दिन को जी भरकर जियो, क्योंकि वह फिर से धमाका करने आ गई है। वेब सीरीज 'कॉल मी बे' का नया सीजन 17 दिसंबर से स्ट्रीम होगा।'

करण जौहर ने वेब सीरीज के दूसरे सीजन को वापस लाने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि नए सीजन में बे (अनन्या के किरदार का नाम) की जिंदगी के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया जाएगा, लेकिन पहले सीजन वाला ह्यूमर, इमोशन और मस्ती वाला अंदाज बरकरार रहेगा। उन्होंने प्राइम वीडियो के साथ दोबारा जुड़ने पर खुशी जताई और कहा कि 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) और उसके दोस्तों को एक बार फिर हंसी, इमोशन और धमाल से भरे सफर पर ले जाने के लिए वह काफी उत्साहित हैं।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए करण जौहर ने कहा, 'सीजन-1 को मिला प्यार और रिस्पॉन्स इस बात का सबूत है कि दर्शकों ने 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) के उतार-चढ़ाव भरे सफर और उसकी बेबाक जिंदगी से गहरा जुड़ाव महसूस किया। सीजन 2 के साथ हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते थे, 'बे' के नए पहलुओं को दिखाना चाहते थे, लेकिन वो ह्यूमर, दिल और बिंदास अंदाज बरकरार रखना चाहते थे, जिसे सबने खूब पसंद किया था।'



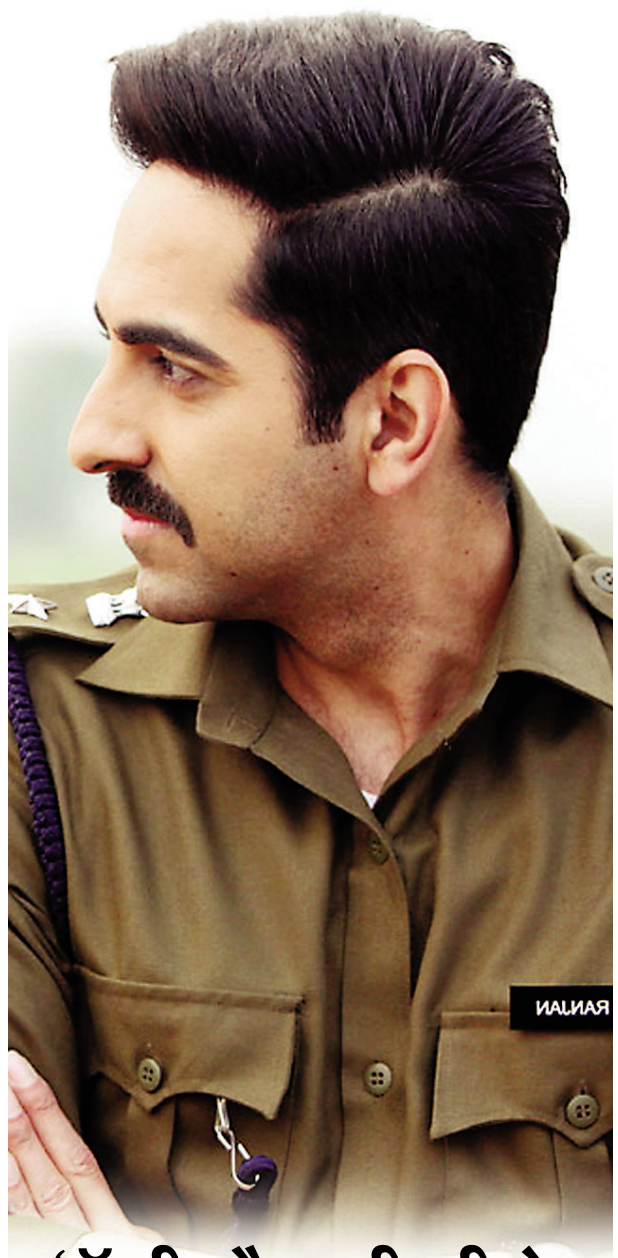

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'यह प्रेम मोल लिया' की तुलना पर बोले आयुष्मान खुराना

हाल ही में फिल्म 'यह प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर लॉन्च हुआ है। इसके बाद से ही फिल्म की तुलना 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से हो रही थी। मगर इस पर फिल्म के अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म करण जौहर की फिल्म से काफी अलग है। मुंबई ने हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान खुराना ने दोनों फिल्मों के बीच का फर्क बताया। उन्होंने कहा, 'यह सूरज बड़जात्या की फिल्म है, और प्रेम एक हरी झंडी है। इस फिल्म (ये प्रेम मोल लिया) में, वह अपनी पत्नी के परिवार के लिए खड़ा होता है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रॉकी का किरदार अलग है। प्रेम उससे बहुत अलग है। आप दोनों की तुलना भी नहीं कर सकते।'

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का बुधवार को ट्रेलर सामने आया। इसमें दिखाया गया कि प्रेम (आयुष्मान खुराना) अपनी परिवार सहित अपनी पत्नी 'पूर्वा' (शरवरी) के घर जाने का फैसला करता है। वहीं 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी कपल शादी से पहले 6 महीने एक दूसरे के घर जाकर रहते हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। इस पौने चार मिनट के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आयुष्मान खुराना शरवरी वाघ से शादी करना चाहते हैं। मगर शादी में एक दिक्कत है। शरवरी अपना घर छोड़कर अपने ससुराल नहीं जाना चाहती हैं। उनके मुताबिक उनके घर में सिर्फ महिलाएं ही रहती हैं। सभी की जिम्मेदारी शरवरी पर है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। शरवरी पहली बार आयुष्मान के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी है।



यशराज बैनर की हॉरर फिल्म में नजर आएंगे वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन को ज्यादातर कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में देखा गया है। मगर अब वह जल्द हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म से यशराज बैनर जल्द हॉरर वर्लड में एंट्री लेने वाला है। वहीं मेकर्स ने अब तक इस फिल्म के टाइटल से पर्दा नहीं उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आगामी हॉरर फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म साल 31 मार्च 2028 में रिलीज होगी। हालांकि अभी फिल्म की कहानी, पोस्टर, और बाकी की कास्ट की कोई जानकारी मेकर्स द्वारा आधिकारिक रूप से साझा नहीं की गई है। इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं। 'रॉकेट बॉयज' के बाद यह अभय का दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट होगा। वहीं दूसरी तरफ यशराज बैनर भी लगातार नए निर्देशकों के साथ बड़े बजट की फिल्मों का निर्माण कर रहा है।

पहली बार बैनर लेगा हॉरर एंट्री
फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जोनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्पाई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई हैं। बताते चलें कि वरुण की यशराज के साथ यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह बैनर के साथ 'सुई धागा' में काम कर चुके हैं।

पिता शाहरुख से तुलना होने पर बोले आर्यन खान

फिल्ममेकर आर्यन खान को 'टाइम 100 नेक्ट इंडिया' के कवर पेज पर जगह मिली है। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान आर्यन से पिता शाहरुख खान के बारे में सवाल किये गए। उनसे पूछा गया कि पिता सुपरस्टार शाहरुख खान से तुलना पर वह क्या राय रखते हैं?

आर्यन खान ने पिता से उनकी तुलना होने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, 'हर किसी की उनसे तुलना की गई है। अगर मैं भी उन लोगों में से एक हूं, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है। नंबर-1 इंसान से तुलना होना मेरे लिए तारीफ की बात है। वह एक अलग ही शख्सियत हैं।'

अपनी बातचीत में आगे आर्यन खान ने सलमान खान से जुड़ा एक खास किस्सा सुनाया। सलमान खान ने आर्यन की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कैमियो किया था। इस पर आर्यन ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि सलमान भी उसी लोकेशन पर मौजूद हैं। उन्होंने सलमान की टीम को मैसेज भेजकर पूछा कि क्या आर्यन उनसे मिलने आ सकते हैं, लेकिन सलमान ने खुद आर्यन के सेट पर आने की बात कह दी। इसके बाद उन्होंने अपने सिनेमैटोग्राफर को तैयार रहने कह दिया। जब सलमान आए तब उन्हें वहीं डायलॉग देकर उनका कैमियो शूट कर लिया गया। आर्यन खान के अलावा एक्ट्रेस आलिया भट्ट, पायल कपाड़िया और थेजा रियो इस मैग्जीन के कवर का हिस्सा हैं। वहीं दिलजीत दोसांझ, अनिरुद्ध रविचंदर, सामंथा रुथ प्रभु, साई पल्लवी, विक्की कौशल और वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम भी शामिल हैं।



बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं हैं कोमल पावस्कर

मुंबई बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज़ फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, साल्सा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है।

कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी।



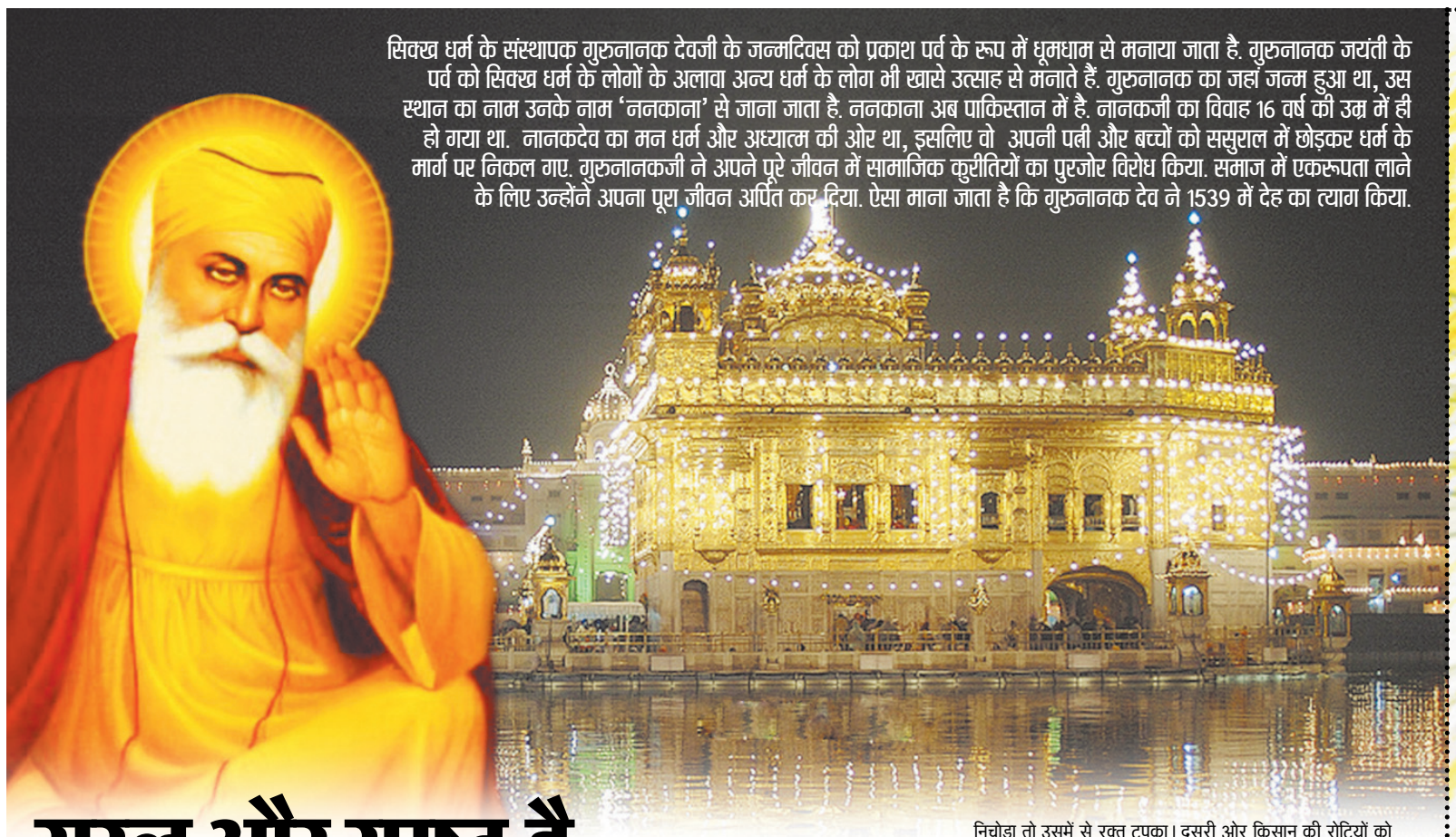

सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देवजी के जन्मदिवस को प्रकाश पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है. गुरुनानक जयंती के पर्व को सिक्ख धर्म के लोगों के अलावा अन्य धर्म के लोग भी खासे उत्साह से मनाते हैं. गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था, उस स्थान का नाम उनके नाम 'ननकाना' से जाना जाता है. ननकाना अब पाकिस्तान में है. नानकजी का विवाह 16 वर्ष की उम्र में ही हो गया था. नानकदेव का मन धर्म और अध्यात्म की ओर था, इसलिए वो अपनी पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल गए. गुरुनानकजी ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया. समाज में एकरूपता लाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया. ऐसा माना जाता है कि गुरुनानक देव ने 1539 में देह का त्याग किया.

सरल और स्पष्ट है
गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व

गुरु नानक देवजी सिख धर्म के संस्थापक ही नहीं, अपितु मानव धर्म के उत्थापक थे। वे केवल किसी धर्म विशेष के गुरु नहीं अपितु संपूर्ण सृष्टि के जगद्गुरु थे। 'नानक शाह फकीर। हिन्दू का गुरु, मुसलमान का पीर। उनका जन्म पूर्व भारत की पावन धरती पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन 1469 को लाहौर से करीब 40 मील दूर स्थित तलवंडी नामक गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम कल्याणराय मेहता तथा माता का नाम तृपताजी था।

भाई गुरुदासजी लिखते हैं कि इस संसार के प्राणियों की त्राहि-त्राहि को सुनकर अकाल पुरख परमेश्वर ने इस धरती पर गुरु नानक को पहुंचाया, 'सुनी पुकार दातार प्रभु गुरु नानक जग महि पठाइया।' उनके इस धरती पर आने पर 'सतिगुरु नानक प्रगटिआ मिटी धुंधू जगि चानणु होआ' सत्य है, नानक का जन्मस्थल अलौकिक ज्योति से भर उठा था। उनके मस्तक के पास तेज आभा फैली हुई थी। पुरोहित पंडित हरदयाल ने जब उनके दर्शन किए उसी क्षण भविष्यवाणी कर दी थी कि यह बालक ईश्वर ज्योति का साक्षात अलौकिक स्वरूप है। बचपन से ही गुरु नानक का मन आध्यात्मिक ज्ञान एवं लोक कल्याण के चिंतन में डूबा रहता। बैठे-बैठे ध्यान मग्न हो जाते और कभी तो यह अवस्था समाधि तक भी पहुंच जाती। गुरु नानक देवजी का जीवन एवं धर्म दर्शन युगांतकारी लोकचिंतन दर्शन था। उन्होंने सांसारिक यथार्थ से नाता नहीं तोड़ा। वे संसार के त्याग संन्यास लेने के खिलाफ थे, क्योंकि वे सहज योग के हामी थे। उनका मत था कि मनुष्य संन्यास लेकर स्वयं का अथवा लोक कल्याण नहीं कर सकता, जितना कि स्वाभाविक एवं सहज जीवन में।

इसलिए उन्होंने गृहस्थ त्याग गुफाओं, जंगलों में बैठने से प्रभु प्राप्ति नहीं अपितु गृहस्थ में रहकर मानव सेवा करना श्रेष्ठ धर्म बताया। 'नाम जपना, किरत करना, वंड छकना' सफल गृहस्थ जीवन का मंत्र दिया। यही गुरु मंत्र सिख धर्म की मुख्य आधारशिला है। यानी अंतर आत्मा से ईश्वर का नाम जपो, ईमानदारी एवं परिश्रम से कर्म करो तथा अर्जित धन



से असहाय, दु:खी पीड़ित, जरूरततमंद इंसानों की सेवा करो।

गुरु उपदेश है, 'घाल खाये किछ हत्थो देह। नानक राह पछाने से।' इस प्रकार श्री गुरुनानक देवजी ने अन्न की शुद्धता, पवित्रता और सात्विकता पर जोर दिया। गुरु नानक देव एक मर्तबा एक गांव में पहुंचे तो उनके लिए दो घरों से भोजन का निमंत्रण आया। एक निमंत्रण गांव के धनाढ्य मुखिया का था, दूसरा निर्धन बढ़ई का था। नानक जी ने मुखिया के घी से बने मिष्ठान को ग्रहण न करके बढ़ई किसान की रूखी रोटियां को सप्रेम स्वीकार किया। इस पर मुखिया ने अपना अपमान समझा। गुरुजी ने मुखिया की रोटियों को निचोड़ा तो उसमें से रक्त टपका। दूसरी ओर किसान की रोटियों को निचोड़ा तो उसमें से निर्मल दूध की धारा फूट पड़ी।

गुरुनानक देवजी ने कहा कि मुखिया की कमाई, जो अनीति, अधर्म, अत्याचार, शोषण से प्राप्त की कमाई है जबकि काश्तकार ने यह अन्न ईमानदारी, मेहनत से प्राप्त किया है। इसमें लेशमात्र भी अनीति, अन्याय, शोषण, मलिनता नहीं है। कु-अन्न के प्रभाव से मन मलिन, प्रदूषित तथा विकारों से युक्त हो जाता है। ऐसा भोजन कितना भी स्वादिष्ट हो, वह ग्राह्य नहीं है। शुद्ध, सात्विक, नीति-धर्म का पालन करते हुए प्राप्त किया हो, वह आहार मानव मन को विकार रहित, निर्मल, पवित्र और सात्विक बनाता है। इसी प्रकार ईश्वरीभाव एवं भय के साथ पूरी ईमानदारी के साथ कर्म करने की बात भी गुरुजी ने कही।

गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व जितना सरल, सीधा और स्पष्ट है, उसका अध्ययन और अनुसरण भी उतना ही व्यावहारिक है। गुरु नानक वाणी, जन्म साखियों, फारसी साहित्य एवं अन्य ग्रंथों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है। गुरुनानक ने सभी धर्मों को श्रेष्ठ बताया। जरूरत है धर्म के सत्य ज्ञान को आत्मसात कर अपने व्यावहारिक जीवन में लाने की। गुरुजी ने धार्मिक एवं सामाजिक विषमताओं पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने वाणी में हिन्दू और मुसलमान दोनों के लिए एकात्मकता के बीज बोए। उनका मत था कि संपूर्ण सृष्टि का ईश्वर एक है। हम सब तो उसके बंदे हैं- 'एक पिता एकस के बारिक'। हमारा धर्म एक है। गुरुजी स्वयं एकेश्वर में पूर्ण विश्वास रखते थे। उनका दृष्टिकोण समन्वयवादी था।

वे कहते हैं- 'सबको ऊंचा आखिए/ नीच न दिसै कोई।' गुरुजी ने ऐसे मनुष्यों को प्रताड़ित किया है, जिनके मन में जातीय भेदभाव है और कहा कि वह मनुष्य नहीं, पशु के समान है- जीनके भीतर हैं अंतरा जैसे पशु तेसे वो नरा'। ऊंच-नीच के भेदभाव मिटाने के लिए गुरुजी ने कहा कि मैं स्वयं भी ऊंची जाति कहलाने वालों के साथ नहीं बल्कि मैं जिन्हें नीची जात कहा जाता है, उनके साथ हूँ। 'नीचा अंदरि नीच जाति, नीचिंहु अति नीचु/ नानक तिन के संग साथ, वडिया सिऊ किया रीस। गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व जितना सरल, सीधा और स्पष्ट है, उसका अध्ययन और अनुसरण भी उतना ही व्यावहारिक है। गुरु नानक वाणी, जन्म साखियों, फारसी साहित्य एवं अन्य ग्रंथों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि गुरुनानक उदार प्रवृत्ति वाले स्वतंत्र और मौलिक चिंतक थे। एक सामान्य व्यक्ति और एक महान आध्यात्मिक चिंतक का एक अद्भुत मिश्रण गुरु नानकदेवजी के व्यक्तित्व में अनुभव किया जा सकता है। 'वे नबी भी थे और लोकनायक भी, वे साधक भी थे और उपदेशक भी, वे शायर एवं कवि भी थे और ढाढ़ी भी, वे गृहस्थी भी थे और पर्यटक भी।'

मानवता का संदेश देता है प्रकाश पर्व

कार्तिक मास की पूर्णिमा पर सिक्ख धर्मावलंबियों द्वारा प्रकाश पर्व मनाया जाता है। प्रकाश पर्व सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार गुरुनानक देव परिवार कृषि आदि कार्य से संबंधित था। गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था वह स्थान उन्हीं के नाम पर अब ननकाना के नाम से जाना जाता है। ननकाना अब पाकिस्तान में है। नानकदेवजी बचपन से प्रखर बुद्धि थे। प्रारंभ से ही इनके चेहरे पर अद्भुत तेज दिखाई देता था। नानकजी का विवाह 16 वर्ष की उम्र में हुआ। इनके दो पुत्र हुए। चूंकि नानकदेव का मन धर्म और अध्यात्म की ओर था अत- वे पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल गए। गुरुनानकजी ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया। समाज में एकरूपता लाने के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया। इन्होंने यही संदेश दिया कि ईश्वर एक है और हमें उसी की आराधना करनी चाहिए। गुरुनानकजी ने भारत सहित अनेक देशों की यात्राएं की। वे मानवीय और धार्मिक एकता के उपदेशों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। ऐसा माना जाता है कि गुरुनानक देव ने 1539 देह का त्याग किया।

प्रकाश पर्व और नगर कीर्तन का महत्व



सिखों के पहले गुरु नानकदेवजी की जयंती देशभर में प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवाभाव से प्रकाशित करना। सिखों के प्रथम गुरु, गुरु नानकदेवजी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पंज (पांच) प्यारे नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं। श्री गुरुग्रंथ साहिब को फूलों की पालकी से सजे वाहन पर सुशोभित करके कीर्तन विभिन्न जगहों से होता हुआ गुरुद्वारे पहुंचता है। प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में प्रभातफेरी निकाली जाती है जिसमें भारी संख्या में संगतें भाग लेती हैं। प्रभातफेरी के दौरान कीर्तनी जत्थे कीर्तन कर संगत को निहाल करते हैं। इस अवसर पर गुरुद्वारे के सेवादार संगत को गुरु नानकदेवजी के बताए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। कहते हैं कि श्री गुरु नानकदेव महाराज महान युगपुरुष थे। नानकदेवजी ने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने में समर्पित कर दिया। ऐसे महान युगपुरुष की आज के समय में बहुत जरूरत है। भगवान एक है। एक ही गुरु है और कोई नहीं। जहां गुरु जाते हैं, वह स्थान पवित्र हो जाता है। भगवान को याद करने, मेहनत से कमाई करने और उसके बाद बांट के खाने का संदेश दुनियाभर में देने वाले ऐसे ही गुरु को सिख समुदाय उनकी जयंती पर याद करता है। एक ओर जहां गुरुद्वारों में भव्य सजावट की जाती है, वहीं गुरु का प्रसाद लंगर भी बांटा जाता है। साथ ही गुरु नानकदेवजी पर आधारित पोस्टर जारी किए जाते हैं। अपनी परंपरानुसार प्रभातफेरी में शामिल स्त्री-पुरुष सफेद वस्त्र एवं केसरिया चुन्नी धारण कर गुरुवाणी का गायन करते हुए चलते हैं। › सभी जत्थों का जगह-जगह पर हार-फूल से स्वागत किया जाता है। शाम को दीवान सजाकर शबद कीर्तन का कार्यक्रम भी किया जाता है। यह पर्व समाज के हर व्यक्ति को साथ में रहने, खाने और मेहनत से कमाई करने का संदेश देता है। गुरु नानकदेवजी का प्रकाश पर्व सिख समुदाय का सबसे बड़ा पर्व है।

जब गुरु नानक के आगे झुका बगदाद के शासक का सिर

एक बार गुरु नानक बगदाद गए हुए थे। वहां का शासक बड़ा ही अत्याचारी था। वह जनता को कष्ट तो देता ही था, उनकी संपत्ति लूटकर अपने खजाने में जमा भी कर लिया करता था। उसे जब मालूम हुआ कि हिंदुस्तान से कोई साधु पुरुष आया है तो वह नानकजी से मिलने उनके पास पहुंचा। कुशल समाचार पूछने के उपरांत नानकजी ने उससे 100 पत्थर गिरवी रखने की विनती की।

शासक बोला, 'पत्थर गिरवी रखने में कोई आपत्ति नहीं है किंतु आप उन्हें ले कब जाएंगें?'

'आपके पूर्व ही मेरी मृत्यु होगी। मेरे मरणोपरांत, इस संसार में आपकी जीवन यात्रा समाप्त होने पर जब आप मुझसे मिलेंगे, तब इन पत्थरों को मुझे दे दीजिएगा,' नानक बोले।

'आप भी कैसी बातें करते हैं, महाराज। भला इन पत्थरों को लेकर मैं वहां कैसे जा सकता हूं?'

'तो फिर जनता को चूस-चूसकर आप जो अपने खजाने में नित्य वृद्धि किए जा रहे हैं, क्या वह सब यहीं छोडेंगे? उसे भी अपने साथ ले ही जाएंगे। बस साथ में मेरे इन पत्थरों को भी लेते आइएगा।'

इतना सुनते ही उस दुराचारी की आंखें खुल गईं। नानक के चरणों पर गिरकर उनसे क्षमा मांगने लगा।

नानक ने कहा, 'मुझसे क्षमा क्यों मांगते हो और मैं कौन होता हूं क्षमा करने वाला। वैसे भी तुमने मुझे को कोई कष्ट दिया नहीं कि तुम मुझसे क्षमा मांगो। अगर क्षमा मांगनी ही है तो अपने देश की जनता से मांगो जिसका तुमने खून चूसा है। तुम यदि समझ रहे हो कि तुमने गलत किया है तो वचन दो कि आज के बाद कभी अपनी प्रजा को कष्ट नहीं दोगे।'

शासक की समझ में सारी बात आ गई। उसने नानकजी को वचन दिया कि वह ऐसा ही करेगा। नानकजी ने उसे क्षमा कर दिया और वह शासक प्रजा को कष्ट न देने के वचन के साथ अपने महल की ओर चल दिया।



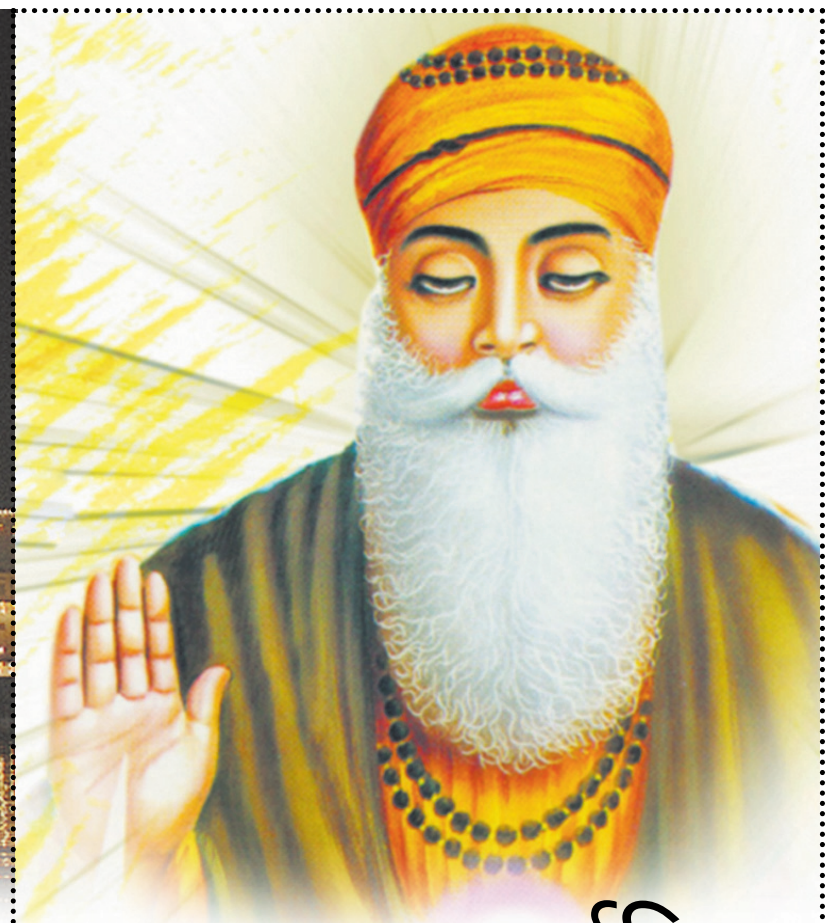

महान दार्शनिक गुरु नानक देव

गुरुनानक देव के चेहरे पर बाल्यकाल से ही अद्भुत तेज दिखाई देता था। उनका जन्म लाहौर के पास तलवंडी नामक गांव में कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ। उनका परिवार कृषि करके आमदनी करते थे। गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था वह स्थान आज उन्हीं के नाम पर अब ननकाना के नाम से जाना जाता है। ननकाना अब पाकिस्तान में है। बचपन से प्रखर बुद्धिवाले नानक देव सिख धर्म के संस्थापक हैं। वे उम्र के 16वें वर्ष में शादी होने के बाद अपनी पत्नी और दोनों पुत्रों को छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल पड़ें। बचपन से ही उनका मन धर्म और अध्यात्म में लगता था। कहा जाता है कि गुरुनानक देव ने एक ऐसे विकट समय में जन्म लिया जब भारत में कोई केंद्रीय संगठित शक्ति नहीं थी। विदेशी आक्रमणकारी भारत देश को लूटने में लगे थे। धर्म के नाम पर अंधविश्वास और कर्मकांड चारों तरफ फैले हुए थे। ऐसे समय में नानक एक महान दार्शनिक, विचारक साबित हुए। उन्होंने अपनी सुमधुर सरल वाणी से जनमानस के हृदय को जीत लिया। लोगों को बेहद सरल भाषा में समझाया सभी इंसान एक दूसरे के भाई है। ईश्वर सबके पिता है, फिर एक पिता की संतान होने के बावजूद हम ऊंच-नीच कैसे हो सकते है? इन्हीं सभी भ्रांतियों को दूर करने के लिए उन्होंने उपदेशों को अपने जीवन में अमल किया और चारों ओर धर्म का प्रचार कर स्वयं एक आदर्श बने। सामाजिक सद्भाव की मिसाल कायम की। ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाने के लिए लंगर की परंपरा चलाई। जहां कथित अछूत और उच्च जाति के लोग एक साथ लंगर में बैठकर एक पंक्ति में भोजन करते थे। आज भी सभी गुरुद्वारों में यही लंगर परंपरा कायम है। लंगर में बिना किसी भेदभाव के संगत सेवा करती है। गुरु नानक देव ने भारत सहित अनेक देशों की यात्राएं कर धार्मिक एकता के उपदेशों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर दुनिया को जीवन का नया मार्ग बताया। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर गुरु नानक जयंती मनाई जाती है।

कार्तिक पूर्णिमा को किए दान का मिलता है अक्षय फल



एक वर्ष पंद्रह पूर्णिमाएं होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है, तो 16 पूर्णिमा मनाई जाती हैं। इस महीने की चार तारीख यानी चार नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाएगा। हिंदू धर्म के लिए ही नहीं, सिखों के लिए भी कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इसे त्रिपुरी पूर्णिमा, महाकार्तिकी या गंगा स्नान के नाम से भी जाना जाता है। सृष्टि के आरंभ से ही कार्तिक पूर्णिमा की तिथि खास रही है। स्कंद पुराण, नारद पुराण पद्म पुराण आदि में इस दिन स्नान,व्रत व तप की दृष्टि से मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। इसका महत्व सिर्फ वैष्णव भक्तों के लिए ही नहीं शैव भक्तों और सिख धर्म के लिए भी अधिक है।

वैष्णव भक्तों के लिए इसलिए है खास

विष्णु के भक्तों के लिए यह दिन इसलिए खास है क्योंकि भगवान विष्णु का पहला अवतार इसी दिन हुआ था। प्रथम अवतार में भगवान विष्णु मत्स्य यानी मछली के रूप में थे। भगवान को यह अवतार वेदों की रक्षा,प्रलय के अंत तक सप्तऋषियों,अनाजों एवं राजा सत्यव्रत की रक्षा के लिए लेना पड़ा था। इससे सृष्टि का निर्माण कार्य फिर से आसान हुआ।

इस दिन शिव बने थे त्रिपुरारी

शिव भक्तों के अनुसार इसी दिन भगवान भोलेनाथ ने त्रिपुरासुर नामक महाभयानक असुर का संहार कर दिया जिससे वह त्रिपुरारी के रूप में पूजित हुए। इससे देवगण बहुत प्रसन्न हुए और भगवान विष्णु ने शिव जी को त्रिपुरारी नाम दिया जो शिव के अनेक नामों में से एक है। इसलिए इसे 'त्रिपुरी पूर्णिमा' भी कहते हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा जब आकाश में उदित हो रहा हो उस समय शिवा, संभूति, संतति, प्रीति, अनुसूया और क्षमा इन छह कृतिकाओं का पूजन करने से शिव जी की कृपा बनी रहती है।

सिखों के लिए इस दिन का महत्व

कार्तिक पूर्णिमा के दिन को प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है। क्योंकि इसी दिन सिख सम्प्रदाय के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। इस दिन सिख सम्प्रदाय के अनुयाई सुबह स्नान कर गुरुद्वारों में जाकर गुरुवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताए रास्ते पर चलने की सौगंध लेते हैं। इसे गुरु पर्व भी कहा जाता है।